नई दिल्ली RNI No. DLHIN/2010/37009

वर्ष : 15

अंक : 33

सोमवार, 29 सितम्बर से 5 अक्टूबर 2025

मूल्य : 5 रूपए

रू 250 वार्षिक

दिल्ली की मुख्यमंत्री ने पल्ला गांव से हाथी घाट तक विभिन्न छठ घाटों का निरीक्षण किया 03

पीएम मोदी ऐसा कोई कदम नहीं उठाएंगे जिसे भारत अपमानित हो : पुतिन 08

NCR समाचार

भारत ने वेस्टइंडीज को चटाई धूल 10

रोजाना खाएं अदरक मिलेंगे अनगिनत फायदे 11

इस्माईल खान

www.ncrsamacharlive.in

BY C.R.O. TEAM

twitter-@ncrsamacharlive

भारत का नं. 1 साप्ताहिक समाचार पत्र

कई बार फीमेल किरदार निभा चुके हैं आसिफ शेख 12

दो चरणों में होगा बिहार का चुनाव, 14 नवंबर को आएगा रिजल्ट

पहले राउंड में 121 सीटों पर मतदान, दूसरे राउंड में 122 पर वोटिंग होगी

पटना/नई दिल्ली। बिहार में विधानसभा चुनाव दो चरणों में छह और 11 नवंबर को कराये जायेंगे तथा मतगणना 14 नवंबर को होगी। चुनाव आयोग द्वारा सोमवार को चुनाव कार्यक्रम की घोषणा किये जाने के साथ ही राज्य में तत्काल प्रभाव से आदर्श चुनाव आचार संहिता लागू हो गयी है। राज्य की 243 सदस्यीय विधानसभा की 121 सीटों पर पहले चरण में और 122 सीटों पर दूसरे चरण में मतदान कराया जाएगा। पहले चरण में राज्य के मध्यवर्ती क्षेत्र की सीटों और दूसरे चरण में नेपाल और पड़ोसी राज्यों से लगे क्षेत्रों की सीटों पर चुनाव कराया जा रहा है।

चुनाव कार्यक्रम की घोषणा करते हुए मुख्य चुनाव आयुक्त ज्ञानेश कुमार ने यहां संवाददाता सम्मेलन में कहा कि छह नवंबर को होने वाले चुनाव के लिए अधिसूचना 10 अक्टूबर को जारी की जायेगी और नामांकन 17 अक्टूबर तक कराये जा सकेंगे। नामांकन पत्रों की जांच 18 अक्टूबर को होगी और नाम 20 अक्टूबर तक वापस लिए जा सकेंगे। दूसरे चरण में 11 नवंबर को होने वाले चुनाव के लिए अधिसूचना 13 अक्टूबर को जारी की जायेगी और नामांकन 20 अक्टूबर तक किया जा सकेगा। नामांकन पत्रों की जांच 21 अक्टूबर को होगी तथा 23 अक्टूबर तक नाम वापस लिये जा सकेंगे।

श्री कुमार ने बताया कि दोनों चरणों की मतगणना एक साथ 14 नवंबर को की जाएगी और चुनाव प्रक्रिया 16 नवंबर तक पूरी कर ली जायेगी। इसके साथ ही बिहार में आज से आदर्श चुनाव संहिला लागू हो गयी है। इस चुनाव में राज्य के कुल 7.42 करोड़ मतदाता 90712 मतदान केंद्रों पर अपने मताधिकार का इस्तेमाल कर सकेंगे। आयोग चुनाव व्यवस्था संभालने के लिए केंद्रीय पर्यवेक्षकों, अन्य पर्यवेक्षकों , दो लाख से अधिक सुरक्षाकर्मियों समेत साढे आठ लाख कर्मियों की तैनाती करेगा। मुख्य चुनाव आयुक्त के साथ संवाददाता सम्मेलन में चुनाव आयुक्त डॉ विवेक जोशी तथा सुखबीर सिंह संधु के अलावा आयोग के अन्य वरिष्ठ अधिकारी उपस्थित थे। मुख्य चुनाव आयुक्त ने आज छह राज्यों और केंद्र शासित जम्मू-कश्मीर की आठ विधानसभा सीटों के लिए उपचुनाव के कार्यक्रम की भी घोषणा की जो बिहार विधानसभा के दूसरे चरण के चुनाव के साथ 11 नवंबर को कराये जाएंगे।

राजस्थान की अंता विधानसभा सीट, झारखंड की घाटशिला, तेलंगान की जुबली हिल्स, पंजाब की तरनतारन , मिजोरम की दम्पा और ओडिशा की नौपाड़ा सीट तथा जम्मू-कश्मीर कीबडगाम और नगरोटा सीटों के उप चुनाव के लिए अधिसूचना 13 अक्टूबर को जारी की जाएगी तथा मतगणना 14 नवंबर को होगी।

बिहार में इस बार कुल 7.42 करोड़ मतदाताओं में 3.92 करोड़ पुरुष तथा 3.50 करोड़ महिलाएं हैं। राज्य में पहली बार मतदाता बने 18 से 19 वर्ष की आयु के युवाओं की संख्या 14.01 लाख है। दिव्यांग मतदाताओं की संख्या 7.20 लाख और 85 साल से अधिक उम्र के मतदाता 4.04 लाख हैं। सौ वर्ष से अधिक उम्र के करीब 14 हजार मतदाता हैं। ट्रांसजेंडर मतदाताओं की संख्या 1725 तथा सैन्य बलों के मतदाताओं की संख्या 1.63 लाख है। बीस से 29 वर्ष आयु वाले मतदाताओं की संख्या 1.63 करोड़ है।

आयोग ने बिहार में काटे 38 लाख मतदाताओं के नाम : कांग्रेस

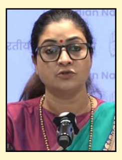

कांग्रेस ने आरोप लगाया है कि चुनाव आयोग ने मोदी सरकार के इशारे पर बिहार में मतदाता सूची पुनरीक्षण के नाम पर 38 लाख लोगों के नाम मतदाता सूची से काट दिए हैं। इससे 23 लाख महिलाएं और 15 लाख पुरुष वोट देने के अधिकार से वंचित हो गए हैं। महिला कांग्रेस अध्यक्ष अलका लांबा ने रविवार को यहां पार्टी मुख्यालय में संवाददाता सम्मेलन में आरोप लगाते हुए कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी और गृहमंत्री अमित शाह के इशारे पर चुनाव आयोग ने बिहार में मतदाता सूची पुनरीक्षण के नाम पर भारी फजीवाड़ा किया जा रहा है। उन्होंने कहा कि बिहार में करीब साढ़े तीन करोड़ महिला मतदाता हैं लेकिन करीब 23 लाख महिलाओं के नाम मतदाता सूची से काट दिए गए।अब ये महिलाएं आगामी विधानसभा चुनावों में वोट नहीं दे पाएंगी। सुश्री लांबा ने कहा कि राज्य के जिन छह जिलों में लाखों महिलाओं के नाम वोटर लिस्ट से काटे गए हैं, उनमें गोपालगंज, सारण, बेगूसराय, समस्तीपुर, भोजपुर और पूर्णिया विधानसभा शामिल हैं।

दिल्ली के शिक्षा मंत्री ने 5.5 करोड़ के विकास कार्यों का पंखा रोड क्षेत्र में किया शिलान्यास

नई दिल्ली, एजेंसी। दिल्ली के शिक्षा मंत्री एवं जनकपुरी के विधायक आशीष सूद ने रविवार को 5.5 करोड़ रुपये की लागत से पंखा रोड क्षेत्र के पुनर्विकास कार्यों का शिलान्यास किया। इस परियोजना के अंतर्गत नई आरसीसी ड्रेन का निर्माण, ग्रिट प्लास्टर एवम आयरन ग्रिल के साथ टो वाल का निर्माण, फुटपाथ का निर्माण, सड़क के दोनों और स्ट्रीट लाइट लगाने का काम तथा सर्विस लेन में सौंदर्य करण और हरियाली के कामों के साथ-साथ पूरे क्षेत्र की सफाई, सौंदर्यीकरण और लैंडस्केपिंग के अनेक कार्यो का शुभारंभ किया गया। कार्यक्रम में पश्चिमी दिल्ली की सांसद कमलजीत सहरावत के साथ साथ जनकपुरी के कई ब्लॉकों के आरडब्ल्यूए के प्रतिनिधि, स्थानीय निवासी तथा आस पास के बाजारों के दुकानदार भी उपस्थिति रहे।

इस अवसर पर शिक्षा मंत्री ने बताया कि दशकों तक जनकपुरी के निवासियों की आवाज को अनसुना किया गया लेकिन अब बदलाव की हवा बह रही है। मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता के नेतृत्व में हम दिल्ली के जनकपुरी क्षेत्र के निवासियों की न सिर्फ समस्याएं सुन रहे हैं बल्कि उनके ठोस समाधान के लिए भी दिन-रात कई स्तरों पर काम भी किया जा रहा है अब पूरे जनकपुरी में विकास की हवा बह रही है। उन्होंने बताया कि आज इसी कड़ी में जनकपुरी के पंखा रोड की में कई विकास कार्यो की शुरूआत की गई है। उन्होंने कहा की गंदगी, अव्यवस्था, नारकीय जीवन न केवल जनकपुरी बल्कि विकासपुरी, उत्तम नगर, नजफगढ़ और नांगलोई तक के लोगों के लिए एक बड़ी समस्या और चुनोती बन गई थी। यहां से निकलते हुए लोगों को गंदगी, कूड़े, जलभराव, आवारा पशुओं के कारण दुर्घटना होने और टूटे रोड का सामना करना पड़ता था। उन्होंने यह भी कहा की दिल्ली की मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता के नेतृत्व में सरकार ने इस समस्या का स्वतः संज्ञान लेते हुए इस पूरे क्षेत्र को आज से स्वच्छ और सुंदर बनाने का कार्य प्रारंभ कर दिया गया है। जिसके सुखद परिणाम जल्द ही यहां के निवासियों को देखने को मिलेंगे। साथ ही यहाँ के निवासियों को वर्षों पुरानी समस्याओं से भी मुक्ति मिलेगी।

मंत्री सूद ने कहा कि हम क्षेत्र की जनता और आरडब्ल्यूए के सहयोग से इस क्षेत्र के विकास में कोई कसर नहीं छोड़ेंगे। हमारा संकल्प है कि इस क्षेत्र के एक-एक हिस्से को साफ-सुथरा और आकर्षक बनाया जाए ताकि लोग गर्व से कह सके की हम एक विकसित क्षेत्र के निवासी है। उन्होंने भ्रामक प्रचार करने वाले लोगों पर निशाना साधते हुए कहा कि 10 साल में यहां के पिछले विधायक ने जनकपुरी क्षेत्र में विकास का कोई भी काम नहीं किया इसके कारण यह क्षेत्र दिल्ली के अन्य क्षेत्रों से पीछे हो गया। वही लोग झूठे नैरेटिव फैलाकर इस क्षेत्र की जनता को भ्रमित करने और अराजकता फैलाने की कोशिश कर हैं। जब वह लोग हार को जीत में नहीं बदल पाते तो अफवाहों और डर का माहौल बनाते हैं। मंत्री सूद ने क्षेत्र की जनता से अपील की कि वह ऐसे फेक नैरेटिव से सतर्क रहें और जनकपुरी के विकास के मार्ग पर मेरे साथ कदम से कदम मिलाकर साथ चलें।

अमेरिका के साथ कुछ मुद्दे हैं लेकिन इनसे दूसरें क्षेत्रों में संबंध प्रभावित नहीं होने चाहिए: जयशंकर

नई दिल्ली, एजेंसी। विदेश मंत्री डा एस जयशंकर ने अमेरिका के साथ टैरिफ के मुद्दे पर दोनों देशों के बीच चल रही रस्साकशी के बीच साफ शब्दों में कहा है कि कुछ समस्याएं और मुद्दे हैं जिनका समाधान नहीं हो पा रहा है लेकिन इन्हें इस हद तक ले जाने की जरूरत नहीं है कि जिससे अन्य क्षेत्रों में संबंध भी प्रभावित हों।

विदेश मंत्री ने क्वाड समूह को लेकर चल रही अटकलों पर भी विराम लगाते हुए कहा कि यह अभी भी सक्रिय है और सक्रिय रूप से काम कर रहा है।

डा जयशंकर ने रविवार शाम यहां चौथे कौटिल्य आर्थिक सम्मेलन में दुनिया भर में आर्थिक से लेकर व्यापारिक और राजनीतिक स्तर पर हो रहे बदलावों पर खुलकर भारत का दृष्टिकोण रखा।

बाद में उन्होंने एक सोशल मीडिया पोस्ट में कहा, " कौटिल्य आर्थिक सम्मेलन में 'अशांत समय में समृद्धि की तलाश' विषय पर एक विशिष्ट सभा को संबोधित करते हुए मुझे प्रसन्नता हुई। उत्पादन, आपूर्ति श्रृंखलाओं, व्यापार, कनेक्टिविटी, डेटा और संसाधनों के लाभ से प्रेरित परिवर्तनों के रणनीतिक परिणामों पर प्रकाश डाला। साथ ही, विनिर्माण को विकसित करने, जीवन को आसान बनाने और हमारी व्यापक राष्ट्रीय शक्ति को आगे बढ़ाने के लिए वैश्विक बदलावों के प्रति भारत के दृष्टिकोण को रेखांकित किया।"

अमेरिका के साथ टैरिफ के मुद्दे पर बातचीत के संबंध में उन्होंने कहा कि अमेरिका के साथ कुछ मुद्दे हैं। इसका एक बड़ा कारण यह है कि दोनों देशों के बीच व्यापारिक वाताओं का ठोस परिणाम नहीं निकल सका है । इसके कारण भारत पर दो तरह के शुल्क लगे हैं । रूस से तेल खरीद पर लगाये गये शुल्क को अनुचित बताते हुए उन्होंने कहा कि हम पर निशाना साधा जा रहा है जबकि अन्य देशों ने भी ऐसा किया है। बातचीत से मुद्दे के समाधान पर जोर देते हुए उन्होंने कहा , " मुझे नहीं लगता कि हमें इसे इस हद तक ले जाना चाहिए कि यह संबंधों के हर पहलू तक पहुंच जाए। समस्याएं हैं, मुद्दे हैं। उन मुद्दों पर बातचीत, चर्चा और समाधान की आवश्यकता है और हम इसी तरह की कोशिश कर रहे हैं। "

अनिश्चितता के दौर में चुनौतियों के जिम्मेदाराना आकलन पर जोर देते हुए उन्होंने कहा कि इस स्थिति में वह न तो समस्या को नकारने की स्थिति में हैं और न ही यह मान रहे हैं कि बहुत बड़ी अनहोनी हो जायेगी।

अमेरिका, भारत, जापान और आस्ट्रेलिया के क्वाड समूह को लेकर चल रही अटकलबाजियों के बारे में उन्होंने स्पष्ट किया कि यह पूरी तरह से सक्रिय है और अपना काम कर रहा है। उन्होंने कहा कि इस वर्ष क्वाड विदेश मंत्रियों की दो बैठकें हो चुकी हैं। उन्होंने कहा कि यह एक महत्वपूर्ण और प्रासंगिक समूह है। उल्लेखनीय है कि इस वर्ष क्वाड की अगली बैठक भारत में ही होनी है।

भारत के अन्य देशों के साथ व्यापार समझौतों पर उन्होंने कहा कि शुरू में मुक्त व्यापार समझौते (एफटीए) ज्यादातर एशियाई देशों - आसियान, जापान और कोरिया के साथ थे। उन्होंने कहा कि चुनौती यह है कि कई अर्थव्यवस्थाएं ज्यादा प्रतिस्पर्धी हैं जो अक्सर आपूर्ति श्रृंखला की गतिशीलता के कारण चीन के लिए रास्ते खोलती हैं। उन्होंने कहा कि हमारा ध्यान उन अर्थव्यवस्थाओं पर होना चाहिए जो टिकाऊ और पूवार्नुमानित हों। इसीलिए भारत ब्रिटेन के साथ एफटीए से संतुष्ट है। यूरोपीय संघ के साथ एफटीए को लेकर भी भारत गंभीर है और अमेरिका के साथ समझ बनाने का प्रयास किया जा रहा है।

मुख्यमंत्री प्रजापति महाकुंभ में शामिल हुई

बोलीं –हर कारीगर को आत्मनिर्भर बनाना हमारा संकल्प

एनसीआर समाचार

नई दिल्ली। दिल्ली की मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता रविवार को नरेला के आदर्श रामलीला मैदान में प्रजापति (कुम्हार) महाकुंभ में सम्मिलित होकर समाज के लोगों से संवाद किया। इस अवसर पर सांसद योगेन्द्र चांदोलिया, विधायक राज करण खत्री सहित प्रजापति समाज के अनेक लोग उपस्थित रहे।

इस मौके पर मुख्यमंत्री ने कहा कि हमारी सरकार इस समाज की सृजनशील शक्ति को सशक्त करने के लिए पूर्णतः प्रतिबद्ध है। उन्होंने कहा कि शिक्षा, प्रशिक्षण, बाजार से जुड़ाव और आधुनिक तकनीक के सहयोग से हर कुम्हार, हर कारीगर को आत्मनिर्भर बनाना हमारा संकल्प है।

मुख्यमंत्री ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के 'स्वदेशी' और 'वोकल फॉर लोकल' के आह्वान से प्रेरित होकर, हम दिल्ली के हर बाजार और हर घर तक स्थानीय हस्तनिर्मित वस्तुओं को प्रमोट कर रहे हैं ताकि मिट्टी के कलाकारों की मेहनत का सम्मान हो और भारत का कौशल, भारत की पहचान बने।

त्योहारों से पहले नई दिल्ली स्टेशन पर होल्डिंग एरिया तैयार

एनसीआर समाचार

नई दिल्ली। त्योहारों के समय भीड़ को नियंत्रित करने के लिए नई दिल्ली रेलवे स्टेशन पर बनाया जा रहा होल्डिंग एरिया तैयार हो गया है। इसे अब अंतिम रूप दिया जा रहा है, जो अगले तीन से चार दिनों में पूरा हो जाएगा। रेलवे सूत्रों के मुताबिक, इस सप्ताह वरिष्ठ अधिकारियों की मौजूदगी में इसका उद्घाटन किया जाएगा।

इस होल्डिंग एरिया में लगभग आठ हजार यात्रियों को रखने की क्षमता है। अनारक्षित टिकट पर सफर करने वाले यात्रियों को होल्डिंग क्षेत्र में रखा जाएगा। ट्रेन के प्लेटफॉर्म पर आने के बाद इन यात्रियों को प्लेटफॉर्म पर भेजा जाएगा। नई दिल्ली रेलवे स्टेशन पर इसी साल फरवरी में भगदड़ के दौरान कई लोगों की मौत से सबक लेते हुए रेलवे ने नई दिल्ली रेलवे स्टेशन पर होल्डिंग एरिया बनाने का फैसला लिया था। प्लेटफॉर्म पर यात्रियों की संख्या को सीमित करने के लिए रेलवे द्वारा देश के प्रमुख स्टेशनों पर होल्डिंग एरिया तैयार किए जा रहे हैं।

संगम विहार विधानसभा में कल से लिखी जाएगी विकास की नई गाथा

नमिता चौहान

दक्षिणी दिल्ली: संगम विहार दक्षिणी दिल्ली का एक ऐसा क्षेत्र जिसे लोग आज भी पिछड़ा हुआ कहते है। ये एक ऐसी विधानसभा है जहां आज भी छोटी छोटी चीजों को लेकर विकास करने की जरूरत है। इसी बात को मद्देनजर रखते हुए, दक्षिणी दिल्ली के लोकसभा सांसद और विधायक चंदन कुमार चौधरी के नेतृत्व में संगम विहार विधानसभा के लिए लगभग ?100 करोड़ की लागत से विभिन्न विकास कार्यों का शुभारंभ / उद्घाटन किया जा रहा है।

मुख्य विकास कार्य

9 करोड़ - शिव मंदिर (H-16) से M.B. रोड तक सड़क निर्माण कार्य का उद्घाटन।
नई बस सेवा - शूटिंग रेंज रोड से महरौली एवं सफदरजंग अस्पताल तक।
11 करोड़ - 59 नए बोरवेल कार्यों का शुभारंभ।
3.50 करोड़ - बारात घर निर्माण कार्य प्रगति पर।
4.50 करोड़ - बोरवेल ऑपरेटरों की मंजूरी।
3.50 करोड़ - रतिया मार्ग निर्माण कार्य प्रारंभ।
1.50 करोड़ - I-ब्लॉक MCD स्कूल का उन्नयन।
1.50 करोड़ - G-ब्लॉक MCD स्कूल का उन्नयन।
38 लाख - F-2 ब्लॉक MCD स्कूल का उन्नयन।
55 लाख - छठ घाट निर्माण कार्य का शुभारंभ।
9 करोड़ - मेहरौली-बदरपुर रोड निर्माण कार्य।
1 करोड़ - रविदास मार्ग निर्माण कार्य पूर्ण।
10 करोड़ - तुगलकाबाद विस्तार सीवर अपग्रेडेशन।
3.50 करोड़ - तुगलकाबाद विस्तार में जल बोर्ड पाइपलाइन अपग्रेडेशन।
5 करोड़ - विधायक निधि से छोटे विकास कार्य।
5 करोड़ - SC/ST फंड द्वारा विकास कार्य।
2.50 करोड़ - दिल्ली अर्बन शेल्टर बोर्ड द्वारा कार्य।
28 करोड़ - मुख्यमंत्री विकास फंड से कार्यों का शुभारंभ।

यह सब कार्य संगम विहार विधानसभा के चहुँमुखी विकास, शिक्षा, यातायात, जल आपूर्ति और बुनियादी सुविधाओं को नई दिशा देने की दिशा में एक ऐतिहासिक कदम है।

एनसीआर समचार, साप्ताहिक समाचार पत्र में विज्ञापन के लिए संपर्क करें।

कार्यालय :
12/276, संगम विहार
नई दिल्ली- 62

फोन : 9210761111

एनसीआर समाचार पत्र के स्वामित्व/ प्रकाशन परिवर्तन के संबंध में आवश्यक सूचना

एनसीआर समाचार पत्र के समस्त पाठकों तथा समाचार पत्र के साथ जुड़े समस्त पत्रकारों, व्यावसायिक संयोजक, सरकारी एवं गैर सरकारी संस्थाओं/संस्थानों को यह सूचित किया जाता है कि गत वर्षों से श्री बलबीर सिंह के नेतृत्व व स्वामित्व में चले आ रहे वर्तमान एनसीआर समाचार पत्र का प्रकाशन व स्वामित्व मो. हनीफ, पुत्र श्री इस्माईल खान मास्टर जी, संगम विहार के स्वामित्व व नेतृव में हो रहा है।

अतः भविष्य में समस्त प्रकार की व्यावसायिक, कानूनी एवं सामाजिक गतिविधियों के संचालन हेतु मो. हनीफ/ङ्क नए कार्यालय जी-12/276, संगम विहार, नई दिल्ली-110062, दूरभाष (मोबाईल) 9210761111 सम्पर्क करें।

नवी मुंबई अंतर्राष्ट्रीय हवाई अड्डे का नाम लोकनेते डीबी पाटिल होगा, सीएम फडणवीस ने घोषणा की

मुंबई (एजेंसी)। महाराष्ट्र के मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस ने घोषणा की है कि नवी मुंबई अंतर्राष्ट्रीय हवाई अड्डे का नाम आधिकारिक तौर पर लोकनेते डीबी पाटिल नवी मुंबई अंतर्राष्ट्रीय हवाई अड्डा रखा जाएगा। यह निर्णय नवी मुंबई और आस-पास के क्षेत्रों के लोगों की लंबे समय से चली आ रही मांग को पूरा करता है और दिवंगत लोकनेते दिनकर बालू पाटिल के किसानों के अधिकारों और क्षेत्रीय विकास में महत्वपूर्ण योगदान को सम्मानित करता है। इस नामकरण प्रस्ताव को महाराष्ट्र राज्य मंत्रिमंडल और राज्य विधानमंडल के दोनों सदनों द्वारा मंजूरी मिल चुकी है। उन्होंने बताया कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के सामने भी यह मामला रखा गया है, जिन्होंने सकारात्मक प्रतिक्रिया दी है। केंद्र सरकार हवाई अड्डों के नामकरण के लिए एक व्यापक नीति तैयार कर रही है। इस नीति को अंतिम रूप दिए जाने के बाद ही राज्य सरकार के स्वीकृत प्रस्ताव के आधार पर हवाई अड्डे के नामकरण को आधिकारिक स्वीकृति प्रदान की जाएगी। हवाई अड्डे का नाम लोकनेते डीबी पाटिल के नाम पर रखने की मांग को लेकर हुए विरोध प्रदर्शनों के दौरान दर्ज सभी लंबित पुलिस मामलों को वापस लेने के निर्देश दिए गए हैं। इसका उद्देश्य स्थानीय युवाओं को रोजगार के अवसरों से वंचित होने से बचाना है। कोविड-19 अवधि के दौरान दर्ज मामलों को भी कानूनी प्रक्रियाओं के माध्यम से वापस लिया जाएगा।

प्रधानमंत्री मोदी ने हमेशा हिमाचल की जनता से किए वादे निभाए : अनुराग ठाकुर

मदुरै (एजेंसी)। मंडी,(ईएमएस)। भाजपा सांसद और पूर्व केंद्रीय मंत्री अनुराग ठाकुर ने मंडी में कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने हमेशा हिमाचल की जनता से किए वादे निभाए हैं। उन्होंने कहा कि राज्य के विकास के लिए मोदी सरकार ने कई बड़े प्रोजेक्ट और हजारों-करोड़ की योजनाओं को लागू किया है। सांसद ठाकुर ने राज्य सरकार पर निशाना साधकर कहा, 'जब अपनी विफलताओं के लिए जनता सवाल पूछ रही है, तब कांग्रेस सरकार आरोप-प्रत्यारोप की राजनीति करने में लगी है। मगर हिमाचल की जनता अच्छी तरह जानती है कि प्रधानमंत्री मोदी जो कहते हैं, वहां करके दिखाते हैं।

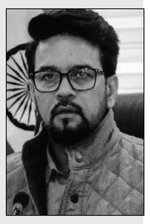

भाजपा सांसद ने दावा किया कि मोदी सरकार के कार्यकाल में हिमाचल प्रदेश को इंफ्रास्ट्रक्चर, पर्यटन, स्वास्थ्य और शिक्षा के क्षेत्र में अभूतपूर्व काम हुआ है। उन्होंने कहा कि केंद्र सरकार की योजनाओं ने प्रदेश की अर्थव्यवस्था को मजबूत किया है और हजारों युवाओं को रोजगार के अवसर उपलब्ध कराए हैं। सांसद ठाकुर ने कांग्रेस पर प्रहार कर कहा कि जनता को गुमराह करने की राजनीति ज्यादा दिन नहीं चल पाएगी। उन्होंने भरोसा जताया कि प्रदेश की जनता भाजपा और प्रधानमंत्री मोदी की विकासपरक नीतियों पर फिर विश्वास जताएगी।

सीमा पर मंडराता दिखा पाकिस्तानी ड्रोन, सुरक्षा बल अलर्ट, तलाशी अभियान जारी

जम्मू (एजेंसी)। जम्मू-कश्मीर के सांबा जिले में अंतरराष्ट्रीय सीमा से लगे गांव के ऊपर पाकिस्तानी ड्रोन मंडराता दिखा। इसे लेकर सुरक्षा बलों ने तलाश अभियान शुरू कर दिया है। मीडिया रिपोर्ट में अधिकारियों ने शनिवार को बताया कि पाकिस्तान की ओर से शुक्रवार देर रात ड्रोन जैसी एक वस्तु आती दिखी, जो रामगढ़ सेक्टर के नांगा गांव के ऊपर मंडराती रही जिससे सीमावर्ती क्षेत्र में बल सतर्क हो गए। सुरक्षा बलों और पुलिस दलों को इलाके की तलाशी लेने तैनात किया गया कि सीमा पार से नशीले पदार्थों और हथियारों जैसी कोई भी सामग्री गिराई तो नहीं गई। अधिकारियों ने बताया कि अंतिम रिपोर्ट मिलने तक तलाशी अभियान जारी था। उन्होंने बताया कि एहतियात के तौर पर आसपास के गांवों में सुरक्षा बढ़ा दी गई है। दूसरी ओर, सीमा पार से हथियारों और नशीले पदार्थों की तस्करी करने वाले एक गिरोह का अमृतसर में भंडाफोड़ हुआ है। इस मामले में चार लोगों को गिरफ्तार किया है, जबकि एक नाबालिग को भी हिरासत में लिया गया है। पुलिस ने बताया कि आरोपियों से 1.50 किलोग्राम हेरोइन और 12 पिस्तौल बरामद की हैं। पुलिस महानिदेशक ने बताया कि गिरफ्तार किए गए आरोपियों की पहचान तरनतारन के गांव मारी मेघा निवासी जोबन सिंह, करणदीप सिंह उर्फ पंडित और अजयपाल सिंह, अमृतसर के गांव रानिया निवासी जशनप्रीत सिंह के रूप में हुई। 16 साल का एक किशोर को भी हिरासत में लिया गया है।

मुंबई हवाई अड्डे पर दो महिलाओं से 79 करोड़ रुपये की कोकीन जब्त

मुंबई (एजेंसी)। मुंबई के छत्रपति शिवाजी महाराज अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डे पर डीआरआई ने एक बड़े ड्रग तस्करी रैकेट का भंडाफोड़ किया है। मिली जानकारी के अनुसार, मुंबई के अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डे पर 79 करोड़ रुपये की कोकीन जब्त की गई है। इस मामले में दो आरोपियों को गिरफ्तार किया गया है। बताया गया है कि डीआरआई मुंबई की विभागीय इकाई ने बैंकॉक से मुंबई अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डे पर पहुंची दो महिला यात्रियों से अवैध रूप से तस्करी कर लाई गई 7.95 किलोग्राम कोकीन जब्त की है। जिसका अंतरराष्ट्रीय बाजार मूल्य लगभग 79.5 करोड़ रुपये है। प्राप्त जानकारी के अनुसार, बैंकॉक से मुंबई पहुंची दो महिला यात्रियों को डीआरआई अधिकारियों ने खुफ़िया जानकारी के बाद हवाई अड्डे पर रोक लिया। उनके सामान की जांच के दौरान खिलौनों के एक पैकेट में छिपाकर रखा गया प्रतिबंधित पदार्थ जब्त किया गया। खिलौनों के एक डिब्बे में सफेद पाउडर के ईंट के आकार के 22 पैकेट छिपाए गए थे। इन सभी पैकेटों को जब्त कर लिया गया और मौके पर ही प्रारंभिक जांच की गई। एनडीपीएस फील्ड किट से की गई जांच में पुष्टि हुई कि वह पदार्थ कोकीन है। कानूनी प्रक्रिया पूरी करने के बाद दोनों महिलाओं को एनडीपीएस एक्ट, 1985 के तहत गिरफ्तार कर लिया गया।

जब भारत उड़ान भरता है, तो झूठ जमीन पर गिर जाता है: सिंघवी

- ऑपरेशन सिंदूर के बयान पर कांग्रेस नेता अजय को पार्टी के ही नेता ने घेरा

नई दिल्ली (एजेंसी)। ऑपरेशन सिंदूर पर शक जाहिर करने वाले कांग्रेस नेता अजय राय घिरते नजर आ रहे हैं। बता दें शुक्रवार को एयर चीफ मार्शल एपी सिंह और सीडीएस उपेंद्र द्विवेदी ने ऑपरेशन सिंदूर पर अपने बयान पर पाकिस्तान को लताड़ा था। इनके संबोधन के बाद कांग्रेस नेता ने कटाक्ष करते हुए कहा था कि 'कुछ तो गड़बड़' है। दरअसल, उन्होंने एयर चीफ मार्शल और सीडीएस के बयान को विरोधाभासी बताया था। बीजेपी ने हमला करते हुए उनको सेना के मनोबल गिराने का आरोप लगाया था। लेकिन, अब अजय राय अपनी पार्टी के नेता से घिरते नजर आ रहे हैं। कांग्रेस के राज्यसभा सांसद अभिषेक मनु सिंघवी ने एक्स पर सेना और ऑपरेशन सिंदूर को लेकर पोस्ट किया है।

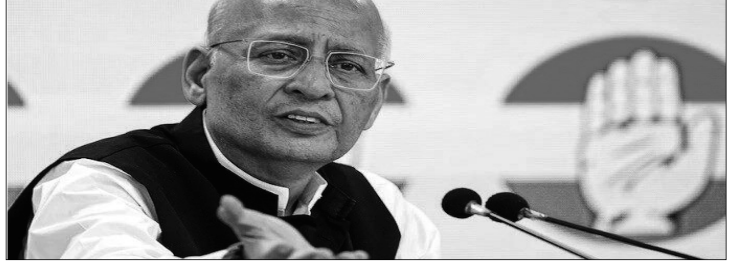

सेना के ऑपरेशन सिंदूर पर सवाल खड़ा करने वाले अजय राय अपनी ही पार्टी के नेता के बयान से घिरते हुए नजर आ रहे हैं। सिंधवी ने एक्स पर पोस्ट के जरिए पाकिस्तान को जमकर लताड़ा। दरअसल, सिंघवी ने लिखा- भारतीय तथ्य पाकिस्तानी दुष्प्रचार से ज्यादा ज़ोरदार है। जैसा कि भारतीय वायुसेना प्रमुख ने पुष्टि की है, पाकिस्तान के 'शीर्ष हथियार' एफ-16 और जेएफ-17 उनके झूठे बयानों से भी तेजी से गिरे। जब भारत उड़ान भरता है, तो झूठ जमीन पर गिर जाता है! सिंघवी के इस पोस्ट से तो अजय राय के सवाल भी बिखर कर गिर गए होंगे।

एयरफोर्स के 93वें स्थापना दिवस पर वायुसेना प्रमुख ने अपने संबोधन में कहा था कि 'ऑपरेशन सिंदूर में पाकिस्तान के कई एयरफील्ड और एसेस्ट्स का नुकसान हुआ। इंटेलिजेंस रिपोर्ट के मुताबिक उनके 3 हैंगर और टारमेक को निशाना बनाया गया। हमने 6-7 एयरक्राफ्ट को मार गिराया, जो कि उन जगह पर मौजूद थे। इसमें जे-130 और एफ-16 हो सकते हैं। साथ ही हमने एक लॉन्ग रेंज स्ट्राइक में पाकिस्तान के 5 हाईटेक फाइटर मार गिराए हैं।

वायुसेना अध्यक्ष और थल सेनाध्यक्षों के बयान के बाद उत्तर प्रदेश कांग्रेस के अध्यक्ष अजय राय ने ऑपरेशन सिंदूर पर सवाल खड़ा कर दिए। उन्होंने कहा कि ऑपरेशन सिंदूर पर सफाई दी जा रही है। इससे साबित होता है कि कुछ तो गड़बड़ है। इनके तमाम आला अधिकारी भी अलग-अलग बयान देते हैं। जो दर्शाता है कि अंदर कुछ बहुत गंभीर चल रहा है। पीएम मोदी को देश के लोगों के सामने सब कुछ साफ करना चाहिए।

सरकार जज, जूरी और जल्लाद नहीं बन सकती, बुलडोजर एक्शन कानून का उल्लंघन : सीजेआई गवई

नई दिल्ली (एजेंसी)। सुप्रीम कोर्ट के चीफ जस्टिस बीआर गवई का कहना है, कि भारतीय न्याय व्यवस्था रूल ऑफ लॉ यानी कानून के शासन से चलती है, इसमें बुलडोजर एक्शन की जगह नहीं है। सीजेआई मॉरीशस में आयोजित सर मॉरिस रॉल्ट मेमोरियल लेक्चर 2025 में बोल रहे थे। उन्होंने कहा कि सुप्रीम कोर्ट ने हाल के फैसले में स्पष्ट किया था कि किसी आरोपी के खिलाफ बुलडोजर चलाना कानून की प्रक्रिया को तोड़ना है। मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक सीजेआई ने कहा कि सरकार एक साथ जज, जूरी और जल्लाद नहीं बन सकती। बुलडोजर शासन संविधान के अनुच्छेद 21 का उल्लंघन है। लेक्चर के दौरान मॉरीशस के राष्ट्रपति धरमबीर गोखूल, पीएम नवीनचंद्र रामगुलाम और मुख्य न्यायाधीश रेहाना मंगली गुलबुल भी मौजूद थे। सीजेआई गवई ने तीन तलाक खत्म करने, व्यभिचार कानून को निरस्त करने, चुनावी बॉन्ड स्कीम और निजता को मौलिक अधिकार मानने जैसे फैसलों का भी जिक्र किया। उन्होंने कहा कि इन सभी फैसलों ने दिखाया कि कोर्ट ने रूल ऑफ लॉ को एक ठोस सिद्धांत बनाया है, जिससे मनमाने और अन्यायपूर्ण कानून खत्म किए गए। चीफ जस्टिस गवई ने कहा कि भारत में रूल ऑफ लॉ केवल नियमों का सेट नहीं है, बल्कि यह नैतिक और सामाजिक ढांचा है, जो समानता, गरिमा और सुशासन तय करता है। उन्होंने महात्मा गांधी और डॉ. भीमराव अंबेडकर के योगदान का हवाला देते हुए कहा कि उनका दृष्टिकोण बताता है कि लोकतंत्र में कानून का राज ही समाज को न्याय और जवाबदेही की ओर ले जाता है।

कंपनियों ने ट्रंप को लेटर लिख बता दिया एच-1बी वीजा फीस बढ़ाने का परिणाम

नई दिल्ली (एजेंसी)। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के एच-1बी वीजा फीस को बढाकर 88 लाख करने के फैसले ने अमेरिकी कंपनियों की नींद उड़ा रखी है। कंपनियों ने पत्र लिखकर ट्रंप को समझा दिया है कि फीस बढ़ाने परिणाम क्या होंगे। लेकिन राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप और उनके अधिकारी किसी की सुनने को तैयार नहीं हैं। पत्र में कहा गया है कि वीसा फीस बढाने से कंपनियों को कुशल कर्मचारी मिलने में बहुत कठिनाई होगी और उन पर अतिरिक्त आर्थिक बोझ पड़ेगा। उद्योग तबाह हो जाएंगे और अमेरिकी अर्थव्यवस्था गर्त मे चली जाएगी।

रिपोर्ट के अनुसार, शुक्रवार को ट्रंप को भेजे गए एक पत्र में, चिपमेकर, सॉफ्टवेयर कंपनियों और रिटेलर्स का प्रतिनिधित्व करने वाले करीब दर्जनभर उद्योग संगठनों ने कहा कि नया वीजा शुल्क विदेशी प्रतिभा से अमेरिकी कंपनियों को वंचित कर देगा और बहुत से महत्वपूर्ण पद खाली रहे जाएंगे। जिन उद्योग संगठनों ने पत्र लिखा है कि उनमें माइक्रोसॉफ्ट, अमेजन, वॉलमार्ट जैसी बड़ी कंपनियों के प्रतिनिधि भी शामिल हैं। ये कंपनियां वर्षों से ये कंपनियां एच-1बी वीज़ा कार्यक्रम पर निर्भर रही हैं। पत्र में उद्योगों ने प्रशासन से आग्रह किया है कि वह एच-1बी कार्यक्रम में सुधार करें, लेकिन ऐसे बदलाव न करें जो कंपनियों के लिए अतिरिक्त बोझ बनें। उन्होंने लिखा, हम चाहते हैं कि प्रशासन उद्योग के साथ मिलकर सुधार करे, न कि कंपनियों की भर्ती, प्रशिक्षण और प्रतिभा बनाए रखने की चुनौतियों को और बढ़ाए। सेमीकंडक्टर उद्योग संगठन, नेशनल रिटेल फेडरेशन, बिज़नेस सॉफ्टवेयर एलायंस और एंटरटेनमेंट सॉफ्टवेयर एसोसिएशन जैसे समूहों ने भी पत्र पर हस्ताक्षर किए हैं। इन सभी ने स्पष्ट किया कि वे प्रशासन के साथ मिलकर सुधार करने के लिए तैयार हैं, लेकिन नए शुल्क से कंपनियों की प्रतिभा आपूर्ति श्रृंखला खतरे में पड़ सकती है।

वांगचुक की गिरफ्तारी पर मगरमच्छ के आँसू बहाने वाली कांग्रेस... आपातकाल भूल गई क्या

बीजेपी सांसद निशिकांत दुबे ने फिर कांग्रेस पार्टी की जमकर खिंचाई की

नई दिल्ली (एजेंसी)। बीजेपी सांसद निशिकांत दुबे ने फिर कांग्रेस पार्टी की फिर जमकर घेराबंदी की है। सांसद दुबे ने सोनम वांगचुक का समर्थन करने पर कांग्रेस की कड़ी आलोचना की है। उन्होंने आपातकाल के दौरान बीजेपी के वरिष्ठ नेता विजया राजे सिंधिया और आंध्रप्रदेश के पूर्व राज्यपाल भीम सेन सच्चर की गिरफ्तारी का हवाला देकर पूर्व प्रधानमंत्री इंदिरा गांधी के कार्यों को लेकर कांग्रेस पर तंज कस दिया है।

बीजेपी सांसद दुबे ने कांग्रेस से सवाल किया कि आप किस संविधान का हवाला दे रहे हैं, जब 1975 में बीजेपी की संस्थापक सदस्य और ग्वालियर राजघराने की महारानी राजमाता सिंधिया को गिरफ्तार किया था। उनके घर पर आयकर विभाग के छापे पड़े थे। सांसद दुबे ने कहा कि उन्हें और गायत्री देवी को तिहाड़ जेल की उस कोठरी में बंद किया गया था, जहां शौचालय की सुविधा तक नहीं थी और आप आज महिला सशक्तिकरण की दम भर रहे हैं।

बीजेपी सांसद ने सामाजिक कार्यकर्ता सोनम वांगचुक के पीछे विदेशी ताकत का होने का आरोप लगाकर कहा कि प्रधानमंत्री मोदी ने लद्दाख को केंद्र शासित प्रदेश का दर्जा देने की मांग पूरी की। सांसद ने कहा कि आज आप वांगचुक की बात कर रहे हैं। लद्दाख में लोग मारे गए। वांगचुक पहले केंद्र शासित प्रदेश का दर्जा मांगते थे।

सांसद ने कहा लेकिन वांगचुक अब एक विदेशी ताकत के शामिल होने के बाद, वे राज्य का दर्जा मांग रहे हैं। कांग्रेस ने बीते 30 सालों में कुछ नहीं किया, लेकिन प्रधानमंत्री मोदी ने आपको केंद्र शासित प्रदेश का दर्जा दे दिया।

बीजेपी सांसद ने स्वतंत्रता सेनानी और आंध्र प्रदेश के पूर्व राज्यपाल सच्चर की गिरफ्तारी का जिक्र कर कहा कि पुलिस ने उन्हें जमीन पर घसीटकर गिरफ्तार किया था। और आप लोकतंत्र की बात करते हैं। उन्होंने कहा कि कांग्रेस को देश से माफी मांगनी चाहिए।

बीजेपी सांसद दुबे ने पोस्ट में लिखा कि इंदिरा गांधी ने ग्वालियर की महारानी और भाजपा की संस्थापक राजमाता विजयाराजे सिंधिया जी को तिहाड़ जेल में मृत्युदंड की कोठरी में बंद करवाया था, जहाँ शौचालय की भी सुविधा नहीं थी। उन्होंने लिखा कि हैरानी की बात है कि सिर्फ एक पत्र लिखने के लिए, स्वतंत्रता सेनानी और आंध्र प्रदेश के पूर्व राज्यपाल भीम सेन सच्चर साहब को 82 साल की उम्र में पुलिस यातनाओं के साथ जेल भेजा गया था। आज यही कांग्रेस लद्दाख हिंसा के बाद गिरफ़्तार लोगों के लिए मगरमच्छ के आँसू बहा रही है।

बीजेपी सांसद की यह टिप्पणी तब आई है, जब कांग्रेस के वरिष्ठ नेताओं ने वांगचुक की गिरफ्तारी का विरोध किया है और केंद्र से लद्दाख के लोगों से उनकी राज्य का दर्जा और संविधान की छठी अनुसूची में शामिल करने की माँग पर बातचीत करने का अनुरोध किया है।

अभिनेता संजय दत्त पर भड़की कांग्रेस कहा- नायक नहीं... नालायक है तू...

मुंबई (एजेंसी)। फिल्म अभिनेता संजय दत्त ने राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ यानी आरएसएस की जमकर तारीफ कर दी। उनका एक वीडियो वायरल हुआ जिसमें वे संघ के सौ साल पूरे होने पर उसकी तारीफ करते नजर आ रहे हैं। कांग्रेस को यह पसंद नहीं आया और देश की सबसे पुरानी पार्टी ने संजय दत्त को नालायक तक कह दिया। कांग्रेस नेता सुरेंद्र राजपूत ने संजय दत्त पर बेहद कड़ा प्रहार करते हुए कहा, नायक नहीं, खलनायक है तू। अपने पिता का नालायक है तू। बता दें कि संजय दत्त के पिता सुनील दत्त कांग्रेस के दिग्गज नेता हुआ करते थे। वह सांसद भी रहे। वहीं, उनकी बहन प्रिया दत्त भी कांग्रेस से जुड़ी हैं। संजय दत्त ने दोनों की विचारधारा के विपरीत जाकर संघ की प्रशंसा की है। सुरेंद्र राजपूत के बयान पर अब तक संजय दत्त की कोई प्रतिक्रिया सामने नहीं आई है। संजय दत्त ने 2 अक्टूबर के दिन अपने एक्स पर एक वीडियो पोस्ट किया था, जिसमें उन्होंने कहा था, संघ हमेशा देश के साथ खड़ा रहा है, खासकर संकट और मुश्किल समय में। इस बयान के बाद से ही सोशल मीडिया पर विवाद और राजनीतिक प्रतिक्रियाओं की बाढ़ आ गई है। बता दें कि संजय दत्त पहले कई विवादों में घिरे थे। 1993 के मुंबई सीरियल ब्लास्ट केस में उन्हें गैरकानूनी हथियार रखने के आरोप में टाडा कानून के तहत गिरफ्तार किया गया था। बाद में वे टाडा के आरोपों से बरी हुए, लेकिन आर्म्स एक्ट के तहत दोषी पाए गए और उन्हें जेल की सजा भी काटनी पड़ी थी।

सावधान महाराष्ट्र! आज से लेकर 7 तक कभी भी दस्तक दे सकता है चक्रवात शक्ति

मुंबई (एजेंसी)। महाराष्ट्र के कई इलाकों के लिए संकट खड़ा कर सकता है चक्रवात शक्ति। आज यानी शनिवार से लेकर 7 अक्टूबर तक कभी ये तूफान दस्तक दे सकता है। भारतीय मौसम विभाग के मुताबिक मुंबई, ठाणे, पालघर, रायगढ़, रत्नागिरी और सिंधुदुर्ग आदि जिलों में इसका असर दिखाई देगा। यहां 45-55 किमी प्रति घंटे की रफ्तार से आंधी चल सकती है।

आईएमडी के मुताबिक, समुद्री स्थिति खराब होने के कारण उत्तरी महाराष्ट्र तट पर 5 अक्टूबर तक समुद्र की सतह पर बदलाव देखने को मिलेगा। मछुआरों को समुद्र में न जाने की सलाह दी गई है। महाराष्ट्र के आंतरिक हिस्सों जैसे पूर्वी विदर्भ और मराठवाड़ा के कुछ इलाकों में भारी से बहुत भारी बारिश का पूर्वानुमान है। साथ ही, उत्तरी कोंकण के निचले इलाकों में घने काले बादल छाए रहेंगे। इस दौरान वातावरण में नमी की घुसपैठ के कारण भारी बारिश होगी और बाढ़ की संभावना जताई गई है। रिपोर्ट के अनुसार, यह चेतावनी मुंबई, ठाणे, पालघर, रायगढ़, रत्नागिरी और सिंधुदुर्ग जिलों के लिए है। 4 से 5 अक्टूबर के बीच उत्तरी महाराष्ट्र तट पर हवा की गति 45-55 किमी प्रति घंटा और झोंके के साथ 65 किमी प्रति घंटा तक पहुंचने की संभावना है। चक्रवात की तीव्रता के आधार पर हवा की गति बढ़ सकती है। हालातों को देखते हुए महाराष्ट्र सरकार ने चक्रवात शक्ति की चेतावनी को देखते हुए कुछ निर्देश जारी किए हैं। जिला प्रशासनों को अपने आपदा प्रबंधन सिस्टम सक्रिय करने, तटीय और निचले इलाकों में नागरिकों के लिए निकासी योजनाएं तैयार करने, पब्लिक एडवाइजरी जारी करने और समुद्री यात्रा से बचने की सलाह शामिल है। इसके अलावा, भारी बारिश के दौरान सुरक्षा उपाय बनाए रखने के निर्देश दिए गए हैं।

करुर भगदड़ के बाद हाईकोर्ट का आदेश: हाईवे पर नहीं होगी रैली और रोड शो

चैन्नई (एजेंसी)। तमिलनाडु के करुर की रैली में मची भगदड़ के बाद मद्रास हाईकोर्ट ने कड़ी आपत्ति व्यक्त की है। कोर्ट ने आदेश देते हुए कहा कि हाईवे राजैनिक रैलियां और रोड शो के लिए नहीं है। इस पर तत्काल रोक लगाएं। अदालत ने यह आदेश 4 जनहित याचिकाओं की सुनवाई के दौरान पारित किया गया। इनमें अभिनेता से नेता बने विजय और उनकी पार्टी तमिलगा वेट्री कझगम (टीवीके) की रैली के दौरान भगदड़ जैसी घटनाओं को रोकने के लिए एसओपी तैयार करने के निर्देश मांगे गए थे। यह पाबंदी तब तक लागू रहेगी जब तक ऐसे आयोजनों के लिए मानक संचालन प्रक्रिया (एसओपी) तैयार नहीं हो जाती।

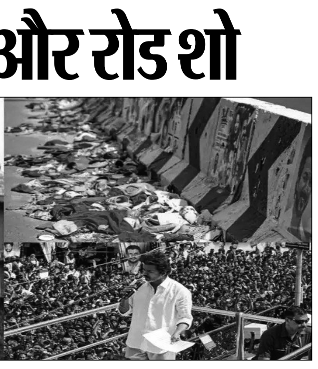

राज्य सरकार ने अदालत को आश्वासन दिया कि जब तक एसओपी तैयार नहीं हो जाती, तब तक राज्य और राष्ट्रीय राजमार्गों पर निर्धारित स्थानों को छोड़कर किसी भी सभा की इजाजत नहीं दी जाएगी। जज सेंथिलकुमार ने तमिलनाडु पुलिस की हाल ही में विजय के कैंपेन बस से संबंधित दुर्घटना को लेकर कड़ी आलोचना की। उन्होंने पूछा कि क्या कोई मामला दर्ज किया गया है। उन्होंने कहा, केस दर्ज करने से क्या रोकता है? भले ही कोई शिकायत न दी जाए, पुलिस को स्वयं मामला दर्ज करना चाहिए।

जमानत याचिका खारिज, एसआईटी गठित

हाई कोर्ट ने टीवीके के दो सीनियर पदाधिकारियों की अग्रिम जमानत याचिकाएं खारिज कर दीं। ये याचिकाएं 27 सितंबर को करूर में पार्टी की रैली में हुई भगदड़ के सिलसिले में दायर की गई थीं। अदालत ने टीवीके के प्रदेश महासचिव बुस्सी एन आनंद और उप महासचिव सीटीआर निर्मल कुमार की याचिकाओं को खारिज कर दिया, जिन्हें घटना के सिलसिले में दर्ज प्राथमिकी में नामजद किया गया है।मद्रास उच्च न्यायालय ने भारतीय पुलिस सेवा के सीनियर अधिकारी असरा गर्ग के नेतृत्व में विशेष जांच दल (एसआईटी) गठित करने का आदेश दिया, जो 27 सितंबर को प्रदेश के करूर में विजय की रैली के दौरान हुई भगदड़ की जांच करेगा।

रेलवे भर्ती संकट: मौतों और बेरोज़गारी की बढ़ती चुनौती, एनसीबीआर के आंकडे कर रहे पुष्टि

नई दिल्ली (एजेंसी)। नई दिल्ली,(ईएमएस)। भारतीय रेलवे न केवल एशिया का सबसे बड़ा नियोक्ता है बल्कि करोड़ों युवाओं के लिए रोज़गार का प्रमुख स्रोत भी है। हर साल लाखों युवा इसकी नौकरी पाने का सपना देखते हैं, लेकिन पिछले कुछ वर्षों में रेलवे भर्ती प्रक्रिया में लेट-लतीफी ने युवाओं के विश्वास को झकझोर कर रख दिया है और वहीं दूसरी तरफ मौतों की संख्या बढ़ा दी है। नेशनल क्राइम रिकॉर्ड ब्यूरो (एनसीबीआर) के आंकड़े इस गंभीर स्थिति की पुष्टि करते नजर आ रहे हैं।

रेलवे में नौकरी पाने के लिए हर साल ग्रुप-डी से लेकर तकनीकी और क्लर्क पोस्ट तक हज़ारों-लाखों आवेदन युवा करते हैं। हालांकि, कई बार विज्ञापन निकलने के बावजूद परीक्षाएं स्थगित कर दी जाती हैं या रिज़ल्ट समय पर जारी नहीं होते हैं। कभी-कभी नियुक्ति पत्र मिलने में सालों लग जाते हैं। इस लगातार लंबित प्रक्रिया ने बेरोज़गार युवाओं को निराशा की गहरी खाई में धकेलने का काम किया है। एनसीबीआर के आंकड़ों से पता चलता है कि रेलवे से जुड़ी मौतों में लगातार इज़ाफ़ा हुआ है। इनमें आत्महत्या, दुर्घटनाएं और असुरक्षित कार्य परिस्थितियों में होने वाली मौतें शामिल हैं। विशेषकर युवाओं का बड़ा हिस्सा उन उम्मीदों के टूटने की वजह से ट्रैक या अन्य स्थानों पर अपनी जान गंवा रहा है। कई राज्यों में युवाओं ने स्पष्ट रूप से लिखा है, कि रेलवे भर्ती न होने के कारण जीवन बेकार हो गया। आरोप है कि सरकार की संवेदनहीनता इस संकट को और गंभीर बना रही है। बार-बार स्थगित परीक्षाओं और अधूरी भर्ती प्रक्रिया ने युवा आंदोलनों और धरनों को जन्म दिया। 2022 में देशभर में आरआरबीएग्जाम और रेलवे रिक्वायरमेंट जैसे हैशटैग के माध्यम से लाखों उम्मीदवारों ने अपनी नाराज़गी जताई। कई जगह पुलिस कार्रवाई भी हुई, लेकिन समस्याओं का स्थायी समाधान नहीं निकला।

विशेषज्ञों का कहना है कि रेलवे भर्ती प्रक्रिया को तुरंत पारदर्शी और समयबद्ध बनाना होगा। इसके साथ ही बेरोज़गार युवाओं के लिए वैकल्पिक रोज़गार, स्किल डेवलपमेंट और कैरियर गाइडेंस प्रोग्राम को मज़बूत किया जाना आवश्यक है। युवाओं के प्रति सरकार का संवेदनशील रवैया ही इस संकट का स्थायी समाधान साबित हो सकता है। रेलवे भर्ती केवल नौकरी का अवसर नहीं है, बल्कि लाखों युवाओं के सपनों की डोर है। जब यह डोर टूटती है तो न केवल परिवार बिखरते हैं बल्कि देश का भविष्य भी संकट में पड़ता है। एनसीबीआर के आंकड़े चेतावनी हैं कि अगर समय रहते ठोस कदम नहीं उठाए गए, तो बेरोज़गारी और आत्महत्याओं का यह सिलसिला और तेज़ हो जाएगा।

दिल्ली की मुख्यमंत्री ने पल्ला गांव से हाथी घाट तक विभिन्न छठ घाटों का निरीक्षण किया

एनसीआर समाचार

नई दिल्ली। दिल्ली की मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता ने शनिवार को बोट से यमुना नदी के प्रवेश बिंदु पल्ला गांव से लेकर आईटीओ के नजदीक स्थित हाथी घाट तक विभिन्न छठ घाटों का दौरा किया। इस दौरान उनके साथ दिल्ली के कैबिनेट मंत्री प्रवेश साहिब सिंह और कपिल मिश्रा के अलावा लक्ष्मी नगर से विधायक अभय वर्मा और विभिन्न विभागों के अधिकारी मौजूद रहे।

इस दौरान मुख्यमंत्री ने कहा कि यमुना तट पर महापर्व छठ की तैयारियों को लेकर सरकार पूरी गंभीरता और युद्धस्तर पर काम में जुटी है। आज पल्ला गांव से लेकर हाथी घाट तक लगभग तीन घंटे तक विभिन्न छठ घाटों का निरीक्षण किया और बोट से यमुना जी के किनारों का विस्तृत सर्वे किया।

उन्होंने कहा कि यह जमीनी सर्वेक्षण केवल व्यवस्थाओं की समीक्षा नहीं, बल्कि दिल्ली में एक भव्य और सुव्यवस्थित छठ आयोजन सुनिश्चित करने की ठोस नींव है। यह पर्व उत्तर प्रदेश, बिहार और झारखंड के भाइयों-बहनों को दिल्ली की मिट्टी से जोड़ता है और एक भारत, श्रेष्ठ भारत की भावना को सशक्त करता है। संबंधित विभागों को साफ-सफाई, घाटों के निर्माण, सुरक्षा और अन्य सभी सुविधाओं की रूपरेखा शीघ्र तैयार करने के निर्देश दिए गए हैं, ताकि लाखों श्रद्धालु बिना किसी कठिनाई के छठ मईया की पूजा-अर्चना कर सकें।

उन्होंने कहा कि पहले की सरकारों ने छठ को यमुना से दूर कर दिया था। यमुना किनारे इस बार आस्था के महापर्व छठ का भव्य आयोजन होगा। उनकी सरकार पल्ला गांव से लेकर ओखला तक छठ के आयोजन की तैयारियों में पूरी निष्ठा और तत्परता से जुटी है। जब यमुना के घाटों पर लाखों श्रद्धालु डूबते सूरज और उगते सूर्य को अर्घ्य देंगे तब वह क्षण हर श्रद्धालु के लिए अविस्मरणीय बने, यही हमारा संकल्प और प्रयास है।

मुख्यमंत्री ने कहा कि राजधानी में पूर्वांचलवासियों की संख्या में लगातार इजाफा हो रहा है, इसलिए उनकी धार्मिक आस्था व सुविधा को ध्यान में रखते हुए दिल्ली में यमुना के प्रवेश स्थल पल्ला से लेकर अंतिम स्थल ओखला तक दोनों किनारों पर छठ पर्व का आयोजन किया जाएगा। इन दोनों किनारों पर जहां भी छठ पर्व के लिए समतल किनारे उपलब्ध होंगे, वहां सरकार की ओर से व्रतधरियों को समुचित सुविधाएं उपलब्ध कराई जाएगी। छठ घाटों को लेकर अधिकारियों को निर्देश दिए जा रहे हैं।

उल्लेखनीय है कि छठ पर्व की तैयारियों को लेकर 29 सितंबर को मुख्यमंत्री ने दिल्ली सचिवालय में एक उच्चस्तरीय बैठक आयोजित की। बैठक के दौरान मुख्यमंत्री ने पल्ला से लेकर वजीराबाद तक के किनारों पर विशेष व्यवस्था के साथ ही आईटीओ, ओखला जैसे पुराने स्थलों पर भी व्यवस्थाएं और दुरुस्त करने का निर्देश अधिकारियों को दिया था।

मुख्यमंत्री ने छठ पूजा के दौरान घाटों की सफाई व स्वच्छता के साथ धूल से बचाने के लिए पानी का छिड़काव, पुलिस व ट्रैफिक पुलिस को सुरक्षा व यातायात व्यवस्था चौकस रखने के आदेश जारी किए गए हैं। उन्होंने कहा कि सिंचाई विभाग को छठ पर्व से पूर्व यमुना से जलकुंभी निकालने के भी आदेश जारी किए गए हैं। इस बार इन स्थलों पर प्रकाश की विशेष व्यवस्था की जाएगी ताकि श्रद्धालुओं को किसी प्रकार की परेशानी का सामना न करना पड़े।

मुख्यमंत्री ने बताया कि दिल्ली में यमुना के किनारो के अलावा मुनक नहर, मुंगेशपुर ड्रेन के अलावा कृत्रिम तालाबों में भी छठ पूजा आयोजित की जाती है। राजधानी में कुल मिलाकर 929 स्थलों पर पूजा-अर्चना की जाती है। इन स्थलों पर सरकार की ओर से समुचित व्यवस्थाएं की जाएंगी। अगर किसी संस्थान को एनओसी चाहिए तो उसे भी बिना किसी परेशानी से उसे दिया जाएगा। उन्होंने कहा कि कुछ ऐसे विशेष स्थान भी चिन्हित किए जाएंगे जहां छठ पूजा का विशेष आयोजिन किया जाएगा।

मुख्यमंत्री ने यह भी बताया कि अगर यमुना में अतिरिक्त पानी की जरूरत होती तो हरियाणा सरकार से निवेदन किया जाएगा। उन्होंने कहा कि छठ महापर्व पूर्वांचलवासियों की आस्था और संस्कृति का एक महत्वपूर्ण पर्व है और इसे पूरी श्रद्धा और भव्यता के साथ मनाने के लिए दिल्ली सरकार पूरी तरह तैयार है।

'शीश महल' अब बनेगा सरकारी अतिथि गृह, आम जनता के लिए खुलेगा कैफेटेरिया

एनसीआर समाचार

नई दिल्ली। दिल्ली के पूर्व मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल का 6, फ्लैगस्टाफ रोड स्थित विवादास्पद सरकारी आवास, जिसे 'शीश महल' के नाम से जाना जाता है, अब एक नए स्वरूप में नजर आएगा। दिल्ली की भाजपा सरकार ने इस बंगले को एक राजकीय अतिथि गृह (स्टेट गेस्ट हाउस) में परिवर्तित करने का निर्णय लिया है। इस अतिथि गृह में आम जनता के लिए एक फूड आउटलेट (भोजनालय) भी खोला जाएगा। वरिष्ठ सरकारी अधिकारियों ने शनिवार को इस योजना की जानकारी देते हुए बताया कि सिविल लाइंस स्थित इस बंगले को एक सार्वजनिक सुविधा केंद्र के रूप में विकसित करने का प्रस्ताव लगभग अंतिम चरण में है। योजना के अनुसार, परिसर में एक कैफेटेरिया स्थापित किया जाएगा, जहाँ अन्य राज्यों के भवनों की तरह पारंपरिक व्यंजन परोसे जाएंगे और यह सुविधा आम लोगों के लिए उपलब्ध होगी।

एक वरिष्ठ अधिकारी ने बताया, "सरकार बंगला नंबर 6 को राजकीय अतिथि गृह में बदलने के निर्णय के करीब है। इसका उपयोग अन्य राज्यों के अतिथि गृहों की भांति ही किया जाएगा, जहाँ बैठकें आयोजित हो सकेंगी और प्रशिक्षण कार्यशालाओं के लिए आने वाले अधिकारी व मंत्री भुगतान के आधार पर ठहर सकेंगे।" इस प्रस्ताव के तहत परिसर में पार्किंग स्थल, प्रतीक्षा कक्ष और अन्य आवश्यक सुविधाओं का भी निर्माण किया जाएगा। हालांकि, इस योजना को अभी उच्च अधिकारियों से अंतिम मंजूरी मिलनी शेष है।

फिलहाल, इस बंगले के रखरखाव के लिए लगभग 10 कर्मचारियों की एक टीम तैनात है, जो नियमित रूप से साफ-सफाई और विद्युत उपकरणों का संचालन सुनिश्चित करती है।

गौरतलब है कि यह बंगला अपने नवीनीकरण में हुए कथित अत्यधिक खर्च और अनियमितताओं को लेकर भ्रष्टाचार के आरोपों के केंद्र में रहा है। भारतीय जनता पार्टी ने इसे एक बड़ा चुनावी मुद्दा बनाते हुए 'शीश महल' की संज्ञा दी थी। वर्ष 2022 में, दिल्ली सरकार के सतर्कता विभाग ने उपराज्यपाल वीके सक्सेना के निर्देश पर लोक निर्माण विभाग (पीडब्ल्यूडी) द्वारा बंगले के नवीनीकरण में हुई कथित अनियमितताओं और अत्यधिक लागत की जांच भी शुरू की थी।

जीएसटी 2.0 लागू होने के बाद भी जनता को नहीं मिली राहत : सुमित शर्मा

नई दिल्ली, एजेंसी। दिल्ली प्रदेश कांग्रेस कमेटी के डेलिगेट और लक्ष्मी नगर विधानसभा से चुनाव लड़े सुमित शर्मा ने केंद्र सरकार द्वारा लागू किए गए जीएसटी 2.0 सुधारों पर सवाल खड़े किए हैं। उन्होंने कहा कि सत्ताधारी दल इन सुधारों का भले ही अंधाधुंध प्रचार कर रहा हो और उत्सव मनाने की बात कर रहा हो, लेकिन हकीकत यह है कि इन्हें लागू हुए इतना समय बीत जाने के बाद भी आम जनता को इसका कोई खास फायदा मिलता नहीं दिख रहा है।

उपभोक्ताओं को नहीं मिल रहा टैक्स कटौती का लाभ

सुमित शर्मा का कहना है कि सरकार को उम्मीद थी कि जीएसटी दरों में कटौती का सीधा लाभ देश के आम उपभोक्ताओं तक पहुँचेगा, लेकिन जमीन पर स्थिति इसके उलट है। उन्होंने बताया कि राष्ट्रीय उपभोक्ता हेल्पलाइन के पास बड़ी संख्या में ऐसी शिकायतें आई हैं, जिनमें उपभोक्ता लगातार यह आरोप लगा रहे हैं कि उन्हें जीएसटी दरों में हुई कमी का लाभ नहीं मिल रहा है।

दामों में हेरफेर की आशंका

शर्मा ने रिटेलरों और सर्विस प्रोवाइडरों पर टैक्स कटौती का लाभ ग्राहकों तक न पहुँचाने का सीधा आरोप लगाया। उन्होंने कहा, "शिकायतों में सबसे बड़ी चिंता यही है कि कई रिटेलर और सर्विस प्रोवाइडर सरकार द्वारा की गई टैक्स कटौती का लाभ उपभोक्ताओं तक नहीं पहुँचा रहे। कई बार ग्राहक से वही ज्यादा दर वसूली जा रही है, जो कटौती से पहले लागू थी, या फिर प्रोडक्ट के अंतिम दाम में कोई बदलाव नहीं दिख रहा। उन्होंने यह भी आशंका जताई कि कुछ कंपनियाँ जीएसटी 2.0 लागू होने से पहले या बाद में उत्पादों के दाम बढ़ा चुकी हैं।

एम्स के डॉक्टर से छात्र पढ़ेंगे मानसिक स्वास्थ्य का पाठ

नई दिल्ली, एजेंसी। विश्व मानसिक स्वास्थ्य जागरूकता सप्ताह के मद्देनजर एम्स के डॉक्टर शनिवार से दस अक्तूबर तक सुबह 11 से दोपहर 12 बजे के बीच सीबीएसई स्कूलों के छात्रों, अभिभावकों और शिक्षकों को मानसिक स्वास्थ्य का पाठ पढ़ाएंगे। शनिवार को पहले दिन एम्स के निदेशक डॉ. एम श्रीनिवास ने स्वास्थ्य, पोषण व भावनात्मक स्वास्थ्य विषय पर छात्रों को जानकारी दी। सीबीएसई ने एक सप्ताह तक चलने वाले इस वर्चुअल मानसिक स्वास्थ्य श्रृंखला का कार्यक्रम तय कर सभी स्कूलों को इससे जुड़ने का निर्देश जारी किया है। प्रतिदिन एक हजार छात्र, अभिभावक, शिक्षक व स्कूलों के काउंसलर इससे जुड़ पाएंगे। इसलिए पहले जल्दी लॉगिंग करने वाले लोग ही इससे जुड़ पाएंगे। इस कार्यक्रम के दूसरे दिन पांच अक्तूबर को सीबीएसई के सचिव हिमांशु गुप्ता तनाव से बचने का तरीका बताएंगे।

इसके बाद छह अक्तूबर को एम्स के मनोचिकित्सा विभाग के विभागाध्यक्ष डॉ. प्रताप सरन सकारात्मक मानसिक स्वास्थ्य, सात अक्तूबर को प्रोफेसर डॉ. नंद कुमार खुशहाल मस्तिष्क के विषय पर, आठ अक्तूबर को प्रोफेसर डॉ. राजेश सागर किशोरों में जोखिम भरे व्यवहार और दस अक्तूबर को मनोवैज्ञानिक डॉ. दीपिका दहिमा डिजिटल तकनीक के दौर में बढ़ते स्क्रीन टाइम के संदर्भ में चर्चा करेंगी।

राजकुमार प्रधान का अखिल भारतवर्षीय ब्राह्मण महासभा की टीम ने किया सम्मानपूर्वक स्वागत

नई दिल्ली, एजेंसी। यमुना विहार ब्लॉक कांग्रेस के अध्यक्ष पद पर पुनर्नियुक्ति होने पर राजकुमार प्रधान का अखिल भारतवर्षीय ब्राह्मण महासभा की दिल्ली प्रदेश इकाई द्वारा भव्य स्वागत किया गया। इस अवसर पर महासभा के पदाधिकारियों एवं सदस्यों ने उन्हें पटका पहनाकर सम्मानित किया और उनके उज्ज्वल भविष्य की कामना की।

कार्यक्रम में मुख्य रूप से महासभा के दिल्ली प्रदेश संरक्षक श्री राधेश्याम कौशिक, राष्ट्रीय मंत्री डॉ. एस. कुमार, राष्ट्रीय कार्यालय मंत्री बृजमोहन शर्मा, दिल्ली प्रदेश वरिष्ठ उपाध्यक्ष मुकेश कौशिक, जिला महामंत्री विजय कुमार, जिला उपाध्यक्ष सुनील शर्मा, जिला कार्यकारिणी सदस्य सुशील शर्मा, संजीव शर्मा, योगेश शर्मा, सचिन शर्मा, मंडलम अध्यक्ष काशीराम डोगरा और सचिव हरिशंकर उपस्थित रहे।

इस अवसर पर राधेश्याम कौशिक ने कहा कि राजकुमार प्रधान पार्टी के समर्पित और कर्मठ कार्यकर्ता हैं, जिन्होंने सदैव संगठन के कार्यों में अग्रणी भूमिका निभाई है। उन्होंने आशा व्यक्त की कि राजकुमार प्रधान अपने नए कार्यकाल में भी पार्टी की नीतियों को जन-जन तक पहुँचाने में सक्रिय भूमिका निभाते रहेंगे और संगठन को नई ऊँचाइयों तक ले जाएंगे।

सभा में उपस्थित सभी पदाधिकारियों ने एक स्वर में कहा कि राजकुमार प्रधान की पुनर्नियुक्ति से क्षेत्र के कार्यकताओं में उत्साह का संचार हुआ है और संगठनात्मक मजबूती को नया बल मिलेगा। समारोह का समापन धन्यवाद ज्ञापन और शुभकामनाओं के साथ किया गया।

ओडिया समाज ट्रस्ट के कार्यालय से 25 लाख रुपये की चोरी के मामले में दो गिरफ्तार

एनसीआर समाचार

नई दिल्ली। दक्षिण पश्चिम जिले के सरोजनी नगर थाना पुलिस ने ओडिया समाज ट्रस्ट के कार्यालय से 25 लाख की चोरी के मामले में दो आरोपितों को गिरफ्तार किया है। आरोपितों ने अपराध सीरीज क्राइम पेट्रोल देखकर पहले भेष बदला और फिर आरके पुरम स्थित ओडिया समाज ट्रस्ट के कार्यालय से 25 लाख रुपये पर हाथ साफ किया। पकड़े गए आरोपितों की पहचान राजेन्द्र कुमार और राजेश कुमार के रूप में हुई है। पुलिस ने आरोपितों के कब्जे से 23.50 लाख रुपये और कार्यालय की अलमारी काटने में इस्तेमाल की गई एक कटर मशीन बरामद की गई है।

दक्षिण पश्चिम जिले के पुलिस उपायुक्त अमित गोयल ने शनिवार को बताया कि 23 सितंबर को ओडिया समाज ट्रस्ट के कार्यालय में चोरी होने की सूचना मिली। एएसआई नरेंद्र अपनी टीम के साथ मौके पर पहुंचे। जहां ओडिया समाज ट्रस्ट के कार्यकारी निदेशक एसएमएस दास की बेटी जेआर दास मौके पर मिली। एसएचओ अतुल त्यागी की टीम ने उनके बयान पर संबंधित धारा में केस दर्ज कर जांच शुरू की। पुलिस टीम ने 11 दिनों में 40 से अधिक संदिग्धों से पूछताछ की, मौके पर मौजूद संदिग्ध मोबाइल नंबरों की तकनीकी निगरानी का विश्लेषण किया और कई सीसीटीवी फुटेज की जांच की। सीसीटीवी फुटेज के विश्लेषण के दौरान टीम ने एनजीओ कार्यालय में प्रवेश करते और बाद में ऑटो-रिक्शा में निकलते समय भेष बदलते (टोपी, गर्दन पर तौलिया और दस्ताने पहने) दो संदिग्धों की पहचान की। पुलिस टीम ऑटो के नम्बर की मदद से चालक तक जा पहुंची।

चालक ने बताया कि उसने दोनों संदिग्धों को नेताजी नगर में छोड़ा था। पुलिस टीम ने नेताजी नगर इलाके में लगे सीसीटीवी कैमरों की फुटेज का विश्लेषण किया तो एक आरोपित राजेन्द्र कुमार की पहचान की गई। पुलिस ने गोल चंबारी के पास राजेन्द्र कुमार को दबोच लिया। राजेन्द्र ने सख्ती से पूछताछ करने पर जुर्म कबूल कर लिया। जिसके बाद उसके दूसरे साथी को गिरफ्तार कर उनकी निशानदेही पर चोरी की रकम बरामद कर ली गई।

पुलिस की जांच में सामने आया कि वारदात का मुख्य आरोपित राजेन्द्र कुमार एनजीओ में चालक का काम करता है। जिसके चलते उसे वहां पैसे होने की जानकारी थी। राजेन्द्र ने बताया कि वह क्राइम पेट्रोल धारावाहिक देखता है, जिससे उसे वारदात के बाद पुलिस से बचने के तरीके पता थे। ऐसे में उसने अपने दोस्त के साथ मिलकर वारदात को अंजाम दिया।

एक नजर

एनडीएमसी ने कन्वेंशन सेंटर में लगाया सुविधा शिविर, 78 शिकायतों का हुआ निवारण

नई दिल्ली, एजेंसी। नई दिल्ली नगरपालिका परिषद (एनडीएमसी) ने अपने निवासियों और सेवा उपयोगकताओं को त्वरित सूचना, सुविधा और प्रभावी शिकायत निवारण प्रदान करने के उद्देश्य से जयसिंह रोड स्थित एनडीसीसी कन्वेंशन सेंटर में एक दिवसीय सुविधा शिविर का आयोजन किया। इस शिविर का मुख्य उद्देश्य यह सुनिश्चित करना था कि नागरिकों को विभिन्न विभागों से संबंधित अपनी समस्याओं के समाधान के लिए एक ही स्थान पर अधिकारियों से सीधा संवाद करने का अवसर मिल सके। परिषद के अधिकारियों के अनुसार, शिविर के दौरान 78 शिकायतें प्राप्त हुईं, जो मुख्य रूप से कार्मिक, सिविल इंजीनियरिंग, बागवानी, सार्वजनिक स्वास्थ्य, कर और संपदा विभाग से जुड़ी थीं। यह एक महत्वपूर्ण सफलता थी कि अधिकांश शिकायतों का मौके पर ही निवारण कर दिया गया, जबकि नीति-स्तर के मामलों में नागरिकों को संभावित समाधान की समय-सीमा बताई गई। शिविर की प्रभावशीलता सुनिश्चित करने के लिए परिषद के 30 विभागों से सौ से अधिक अधिकारी और कर्मचारी उपस्थित रहे, जिनके हेल्प डेस्क की निगरानी स्वयं विभागाध्यक्षों ने की। एनडीएमसी ने यह भी बताया कि नागरिकों की सुविधा के लिए वह आधुनिक तकनीक का भी निरंतर उपयोग कर रही है। परिषद पहले से ही 'जन सुविधा पोर्टल' के रूप में एक संपर्क रहित शिकायत निवारण प्रणाली संचालित कर रही है, जो उसकी आधिकारिक वेबसाइट पर उपलब्ध है। इसके अलावा, परिषद ट्विटर, फेसबुक और इंस्टाग्राम जैसे सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म के माध्यम से भी शिकायतें स्वीकार कर रही है। परिषद का दावा है कि इन सभी शिकायतों की निगरानी विभागाध्यक्षों द्वारा व्यक्तिगत रूप से की जाती है, ताकि उनका निपटारा यथासंभव शीघ्र किया जा सके। इस तरह के सुविधा शिविरों का आयोजन एनडीएमसी की प्रशासन और नागरिकों के बीच पारदर्शिता बढ़ाने और सेवा-प्रदाय की प्रक्रिया को अधिक प्रभावी बनाने की प्रतिबद्धता को दशार्ता है।

दमकल की गाड़ी से टकराई बाइक, एक की मौत

नई दिल्ली, एजेंसी। उत्तर पूर्वी जिले के सोनिया विहार इलाके में शनिवार सुबह एक दर्दनाक सड़क हादसा हो गया। पुलिस के मुताबिक सुबह करीब 8:15 बजे थाना सोनिया विहार क्षेत्र में एक मोटरसाइकिल और दमकल की टक्कर हो गई। घटना में घायल बाइक सवार को दमकलकर्मियों ने नजदीकी अस्पताल में भर्ती कराया। जहां डॉक्टरों ने उसे मृत घोषित कर दिया। जांच में मृतक की पहचान 5वां पुश्ता, सोनिया विहार निवासी रोहित पाल (18)के रूप में हुई है। पुलिस अधिकारी के अनुसार शनिवार सुबह दमकल की एक गाड़ी युवक के डूबने की घटना की इमरजेंसी कॉल पर पुश्ता रोड, सोनिया विहार की ओर जा रही थी। इस दौरान चौहान पट्टी के पास सामने से तेज रफ्तार में आ रहे बाइक सवार को देखकर चालक ने टक्कर से बचने के लिए गाड़ी बाईं ओर मोड़ दी। इसी कोशिश में दमकल की गाड़ी दीवार से जा टकराई और वाहन को नुकसान पहुंचा, लेकिन हादसा टल नहीं सका। फिलहाल पुलिस मुकदमा दर्ज कर मामले की जांच कर रही है।

दिव्यांगों को हर माह मदद दिल्ली सरकार का बेहतरीन फैसला : गुरमीत सिंह सूरा

नई दिल्ली, एजेंसी। दिव्यांगजनों को हर माह ?6,000 की आर्थिक सहायता देने के दिल्ली सरकार के निर्णय को भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) शाहदरा जिले के वरिष्ठ नेता गुरमीत सिंह सूरा ने एक "बेहतरीन फैसला" बताया है। गुरमीत सिंह सूरा ने कहा कि यह योजना 'ट्रिपल इंजन सरकार' के जनहितकारी कार्यों का प्रमाण है, जिसके फायदे अब दिल्ली की जनता को मिलने शुरू हो गए हैं। मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता ने इस योजना की घोषणा करते हुए स्पष्ट किया था कि इसका उद्देश्य दिव्यांगजनों को केवल आर्थिक मदद देना नहीं है, बल्कि उन्हें सम्मान, सुरक्षा और आत्मनिर्भरता प्रदान करना है, क्योंकि वे समाज का अभिन्न हिस्सा हैं और उन्हें गरिमापूर्ण जीवन जीने का पूरा हक है। यह विशेष वित्तीय सहायता उन पात्र दिव्यांगजनों को दी जाएगी जिन्हें उच्च सहयोग की आवश्यकता है। इस योजना के तहत दी जाने वाली ?6,000 की मासिक राशि सीधे लाभार्थी के आधार-लिंक्ड बैंक खाते में हस्तांतरित की जाएगी। गुरमीत सिंह सूरा ने बताया कि यह पैसा देखभाल सहायक के खर्च, फिजियोथेरेपी, स्पीच थेरेपी, ऑक्युपेशनल थेरेपी, मनोवैज्ञानिक परामर्श और अन्य आवश्यक सहायक उपकरणों पर होने वाले खर्चों में मदद करेगा। मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता ने इस योजना को सामाजिक भागीदारी और आत्मनिर्भरता को बढ़ावा देने वाली पहल बताया, जिससे परिवारों पर इलाज और देखभाल का पड़ने वाला भारी बोझ कम होगा। उन्होंने कहा कि दिव्यांगजन करुणा के नहीं, बल्कि समाज के सक्रिय और सम्मानित नागरिक हैं। इस योजना को दिल्ली कैबिनेट की पिछली बैठक में हरी झंडी मिल चुकी है, और इसकी शुरूआत प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के जन्मदिवस के अवसर पर केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह द्वारा की जाएगी। सूरा ने मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता के लगभग आठ माह के कार्यकाल में जनहित में लिए गए अनेक फैसलों की सराहना की।

राहुल का विदेशी मंचों पर भरोसा जताना 'भारत-विरोधी संस्कारों' की निशानी : भाजपा

नई दिल्ली, एजेंसी। भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के दिल्ली प्रदेश अध्यक्ष वीरेंद्र सचदेवा ने शनिवार को कहा कि लोकसभा में विपक्ष के नेता राहुल गांधी का भारत की धरती से अधिक भरोसा विदेशी मंचों पर जताना उनके 'भारत-विरोधी संस्कारों' को दशार्ता है। सचदेवा ने एक्स पोस्ट में राहुल गांधी के हालिया बयानों की आलोचना करते हुए लिखा कि लोकतंत्र पर भाषण देने से पहले उन्हें अपनी पार्टी का इतिहास देखना चाहिए। इमरजेंसी की याद आज भी भारत की आत्मा में जिंदा है। भारत को कमजोर बताने वाले आपके बयान हर देशवासी के आत्मसम्मान पर प्रहार हैं। सचदेवा ने कहा कि भारत आज आत्मविश्वास के साथ विश्व मंच पर खड़ा है, लेकिन राहुल उस आत्मविश्वास को तोड़ने का काम कर रहे हैं। उन्होंने इसे राजनीतिक मतभेद से आगे बताते हुए कहा, 'यह विरोध नहीं, वतन से वैर है; यह राजनीतिक मतभेद नहीं, बल्कि मानसिक दिवालियापन है।' भाजपा के प्रदेश अध्यक्ष सचदेवा ने जोर देकर कहा कि लोकतंत्र में विरोध जरूरी है, लेकिन देश की बदनामी कतई स्वीकार्य नहीं। बार-बार भारत की धरती से ज्यादा भरोसा विदेशी मंचों पर जताना आपके भारत-विरोधी संस्कारों की निशानी है। आप अब अपमान के प्रतीक बन चुके हैं।

एक समान वेतन की मांग को लेकर विरोध-प्रदर्शन

नई दिल्ली, एजेंसी। नई दिल्ली, वरिष्ठ संवाददाता। दिल्ली नगर निगम के पांच हजार से अधिक एमटीएस (मल्टी टास्क फोर्स) और डीबीसी कर्मचारियों का विरोध-प्रदर्शन शनिवार को छठे दिन भी जारी रहा। कर्मचारी अपनी विभिन्न मांगों को लेकर प्रदर्शन कर रहे हैं। प्रदर्शनकारियों ने कहा कि अनुबंधित कर्मचारियों को एक समान वेतन दिया जाए। एमटीएस (पीएच) कर्मचारियों से ऑनलाइन और ऑफलाइन में से एक ही प्रकार के कार्य करवाए जाएं। एमटीएस कर्मचारी की मौत के बाद उसके परिवार के सदस्य को नौकरी दी जाए। साथ ही सभी डीबीसी, एमटीएस कर्मचारियों को स्वास्थ्य अवकाश के साथ ही अर्जित अवकाश भी मिले।

राजकीय आईटीआई में चौथे कौशल दीक्षांत समारोह 2025 का आयोजन

बिनोद कुमार मिश्रा

हरियाणाः आज राजकीय औद्योगिक प्रशिक्षण संस्थान कलाली बलाली मे प्रशिक्षण महानिदेशालय (डीजीटी), कौशल विकास एवं उद्यमिता मंत्रालय (एमएसडीई), भारत सरकार एवं औद्योगिक प्रशिक्षण विभाग पंचकूला हरियाणा से निर्देशित चौथे कौशल दीक्षांत समारोह-2025 (कौशल दीक्षांत समारोह) का आयोजन किया गया।

इस मौके पर मुख्य अतिथि के रूप में पहुंचे विनोद श्यामपुरिया जी ने कहा कि आपके जीवन में आज का दिन सुनहरे अक्षरों में लिखा जाएगा यह दिन जीवन प्रत्यंत याद रखना चाहिए इस दिन आप लोग केवल प्रमाण पत्र प्राप्त नहीं कर रहे हैं यह आपके नए भविष्य की शुरूआत है यहीं से आपको आगामी भविष्य के बारे में सोचना है कि आप केवल आजीविका कमानी हैं या दूसरों के लिए आजीविका प्रदान करने योग्य बनना है आप सभी अपने आप को कभी भी कमतर मत आंकना आप भी स्वरोजगार की तरफ बढ़ सकते हैं अंत में उन्होंने कहा की भी जिंदगी के किसी भी मोड पर मेरी जरूरत हो तो आप लोग मुझसे संपर्क कर सकते हैं।

इस मौके पर प्रिंसिपल सुरजीत बजाड़ ने विनोद श्यामपुरिया जी एवं बलवान सिंह रल्हड झोझू कलान का प्रधारने पर धन्यवाद किया और बच्चों के सुनहरे भविष्य कामना की ओर और कहा कि आप सभी बच्चों की आज यह नई शुरूआत है अब आप बड़ी-बड़ी कंपनियों में जाएंगे जहां मेक इन इंडिया के सपने को साकार करेंगे।

इस कार्यक्रम के विशिष्ट अतिथि बलवान सिंह रल्हड झोझू कलान ने कहा कि आप लोग स्वरोजगार की तरफ बढ़े ना की नौकरी करने वाले। उन्होंने कहा कि आप सभी युवा हैं युवा होने के नाते दायित्व बनता है कि इस समाज को उनती की तरफ लेकर जाएं एवं उन्होंने अपील की की युवा होने के नाते सभी नशा मुक्ति अभियान को कामयाब बनाने में सहयोग करें। इस कार्यक्रम में मंच संचालन सतीश श्योराण एऊ अनुदेशक एवं सुरेंद्र कुमार पेंटर अनुदेशक ने किया। कार्यक्रम में सभी ट्रेड के प्रथम द्वितीय एवं तृतीय स्थान पर आने वाले विद्यार्थियों को सम्मानित किया गया। विभिन्न व्यवसाय में प्रथम द्वितीय एवं तृतीय स्थान पर रहने वाले इस प्रकार रहे कोपा ट्रेड में प्रथम जतिन कुमार , द्वितीय निशा तृतीय संचित कुमारी, टर्नर ट्रेड में प्रथम रनदीप द्वितीय शेखर तृतीय

सत्येंद्र प्लंबर ट्रेड में प्रथम अरविंद कुमार द्वितीय रोहित कुमार मोहित यादव ड्रेस मेकिंग में प्रथम निशा द्वितीय माधुरी तृतीय सचिन पेंटर ट्रेड में प्रथम पीयूष द्वितीय कपिल तृतीय नवीन कुमार वेल्डर ट्रेड में प्रथम हेमंत कुमार द्वितीय शिवम कुमार तृतीय समीर फिटर ट्रेड में प्रथम इशू द्वितीय ताजुद्दीन तृतीय मोहित कुमार इलेक्ट्रीशियन ट्रेड में प्रथम सुमित द्वितीय स्नेह खाना एवं सुनील कुमार तृतीय जोगेंद्र शर्मा रहे इस मौके पर संस्थान के सभी अनुदेशक एवं अन्य कर्मचारी गण मौजूद रहे।

रतलाम नगर निगम में भ्रष्टाचार विवाद रावण न जलने की घटना और पार्षद धर्मेंद्र व्यास के नाम पर आरोप

कमल पाटनी

मध्य प्रदेशः रतलाम नगर निगम में भ्रष्टाचार की ज्वाला, रावण के पुतले में भीतर की आग नहीं जली पर भ्रष्टाचार की आग भड़क उठी। रतलाम में विजयादशमी के अवसर पर रावण का पुतला न जलना सिर्फ एक संयोग नहीं था, यह नगर निगम के भीतर व्याप्त भ्रष्टाचार का प्रतीक बन गया है। भवन निर्माण अनुमतिः भ्रष्टाचार का सबसे बड़ा अड्डा नगर निगम में भवन निर्माण अनुमति देने की प्रक्रिया आज जनता के लिए त्रासदी और ठगी का पर्याय बन चुकी है। बिना रिश्वत, बिना दलाली और बिना पार्षद व अधिकारियों की जेब गरम किए एक भी अनुमति पास नहीं होती। यह भ्रष्टाचार अब इतना गहरा हो चुका है कि रक्त प्रवाह की तरह निगम कर्मचारियों और जनप्रतिनिधियों की रगों में दौड़ रहा है। धर्मेंद्र व्यास का नाम क्यों चर्चा में? जिन पार्षद धर्मेंद्र व्यास के नाम पर रावण न जलने की जिम्मेदारी और विवाद खड़ा हुआ, वही पार्षद महोदय सूरजपोल-जैन कॉलोनी क्षेत्र में भवन अनुमति के सबसे बड़े भ्रष्टाचार के जिम्मेदार भी माने जाते हैं।

क्षेत्रीय नागरिकों की शिकायत है कि बिना 'दस्तूर' दिए न तो नक्शा पास होता है और न ही निर्माण की अनुमति मिलती है। भ्रष्टाचार की यह जालसाजी आमजन की जेब से पैसा निचोड़कर निगम के गिने-चुने लोगों को फायदा पहुँचा रही है।

इस्तीफे और दबाव की राजनीति

सामान्य प्रशासन समिति में हाल ही में सामूहिक इस्तीफे देकर जो विद्रोह की शुरूआत हुई थी, वह सिर्फ एक झलक है। अंदरखाने सभी जानते हैं कि यह बगावत बाजार समिति सहित , भवन अनुमति और टेंडर घोटालों से गहराई से जुड़ी है। लेकिन दबाव और राजनीतिक सौदेबाजी के कारण इस्तीफे वापस ले लिए गए। जनता की आहटः अब रावण से ज्यादा अत्याचारी, अहंकारी,व भ्रष्ट अधिकारियों व जनप्रतिनिधियों के भ्रष्टाचार का होगा दहन? रतलाम की जनता अब सवाल पूछ रही है क्या सिर्फ पुतले जलाने से बुराई खत्म होगी? या इस बार असली रावण यानी भ्रष्टाचार को ही जलाना होगा? यह समय है जब नागरिक जागें, आवाज उठाएँ और कहें कि ह्लनिगम में सर्वत्र फैले और रग-रग में दौड़ते खून के रूप में बढ़ रहे भ्रष्टाचार को बिल्कुल बर्दाश्त नहीं किया जाएगा।

कार मोटरसाइकिल भिड़ंत में एक युवक घायल

लक्ष्य लोहिया

राजस्थानः शुक्रवार दोपहर 2:00 फतेहपुर जयपुर हाईवे पर हरसावा ग्राम के पास एक् 20 कार और मोटरसाइकिल के बीच भिड़ंत हुई जिसमें मोटरसाइकिल सवार युवक गंभीर घायल हो गया। स्थानीय लोगों ने जानकारी देते हुए बताया कि फतेहपुर से सीकर की तरफ कार जा रही थी तभी वहां से गुजर रही मोटरसाइकिल की कार से भिड़ंत हो गई।

जिसमें मोटरसाइकिल सवार युवक अर्जुन पुत्र रामकरण उम्र 40 साल निवासी बीबीपुर छोटा घायल हो गया वहीं से क्षेत्रीय विधायक हाकम अली खान गुजर रहे थे उन्होंने दुर्घटना की सूचना 108 एंबुलेंस को दी जिस पर 108 एंबुलेंस की मदद से घायल को कस्बे के राजकीय धानुका उप जिला चिकित्सालय के ट्रॉमा सेंटर पहुंचाया जहां घायल का इलाज चल रहा है।

विकास योजनाओं में तेजी लाने हेतु अधिकारियों को विशेष निर्देश

सूरज मौर्य

उत्तर प्रदेशः जिलाधिकारी पवन कुमार गंगवार ने कलेक्ट्रेट सभागार में जनपद के सभी विकास खण्डो के खण्ड विकास अधिकारियों व ग्राम विकास अधिकारियों/ग्राम पंचायत अधिकारियों की बैठक कर ग्रामीण अचंलो में चल रहे विकास कार्यो में तेजी लाने का निर्देश दिया। जिलाधिकारी ने सभी खण्ड विकास अधिकारियों से कहा कि विकास योजनाओं में व्यक्तिगत रूचि लेते हुए कार्यो में तेजी लाए ताकि मा0 मुख्यमंत्री डैशबोर्ड के अनुश्रवण पुस्तिका के रैकिंग में सुधार लाया जा सकें। जिलाधिकारी ने एनअ0आर0एल0एम0 में गठित समूहो को सक्रिय करने तथा सक्रिय समूहो के रिवालविंग फण्ड आदि में बैंको से सर्म्पक स्थापित करते हुए ससमय उपलब्ध कराने का निर्देश दिया। सामूहिक विवाह योजना के अन्तर्गत जिलाधिकारी

ने खण्ड विकास अधिकारी हलिया, नरायनपुर, जमालपुर व छानबे को 150-150 तथा अन्य शेष विकास खण्डो में 100-100 सामूहिक विवाह के आवेदन पत्र को आगामी 20 अक्टूबर 2025 तक प्रत्येक दशा में भरवाते हुए सत्यापन

आदि कराकर सुनिश्चित करने का निर्देश दिया ताकि नवम्बर माह के प्रथम सप्ताह में सामूहिक विवाह सम्पन्न कराया जा सकें। उन्होंने फैमिली आई0डी0, गौशालाओं का सुन्दरीकरण, ग्राम पंचायत स्तर पर होने वाले बैठको को समयबद्ध तरीके से कराएं जाने के भी निर्देश दिए गए। जिलाधिकारी ने कहा कि 02 अक्टूबर 2025 से 17 अक्टूबर 2025 तक प्रत्येक ग्राम पंचायतो में प्रत्येक दिन खुली बैठक कराए जाने के अभियान के तहत स्वास्थ्य विभाग के चिकित्सक व ए0एन0एम0 खुली बैठक में पहुंचकर कैम्प लगाते हुए लोगो की जांच व स्वास्थ्य विभाग के संचालित योजनाओं के बारे में जानकारी दी जाए। इसी प्रकार अन्य विभाग द्वारा भी सम्बन्धित अधिकारी पहुंचकर योजनाओं की जानकारी देकर जागरूक करे तथा ग्राम स्तर पर आने वाली समस्याओं का समाधान कराएं। जिलाधिकारी ने गौशालाओं के सुन्दरीकरण के निर्देश देते हुए कहा कि प्रत्येक विकास खण्ड में कम से कम एक-एक मॉडल गौशाला बनाया जाए जिसमें स्वस्थ गौवंशो के साथ समस्त सुविधाएं उपलब्ध हों। प्रत्येक गौशालाओं में खण्ड विकास अधिकारी निरीक्षण कराते हुए रिपोर्ट मुख्य विकास अधिकारी को भेजना सुनिश्चित करें। उन्होंने कहा कि सभी गौशालाओं में चारा, खरी, चूनी, पेयजल उपलब्ध होने के साथ ही नियमित रूप से स्वास्थ्य परीक्षण कराया जाए। बैठक में परियोजना निदेशक डी0आर0डी0ए0 धर्मजीत सिंह, संयुक्त मजिस्ट्रेट अंशुल हिन्दल, जिला पंचायत राज अधिकारी संतोष कुमार श्रीवास्तव सहित सभी खण्ड विकास अधिकारी व ग्राम विकास अधिकारी/ग्राम पंचायत अधिकारी उपस्थित रहें।

एक नजर

तहसील दिवस-सम्पूर्ण समाधान में 41 प्रार्थना पत्र, 10 मामलों का मौके पर निस्तारण

सूरज मौर्य/उत्तर प्रदेशः जनपद मीरजापुर तहसील सदर में आयोजित संपूर्ण समाधान दिवस में कुल 41 प्रार्थना पत्र प्राप्त हुए, जिनमें से 10 का मौके पर ही निस्तारण किया गया। इस अवसर पर जिलाधिकारी मिजार्पुर पवन कुमार गंगवार (आईएएस) एवं वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक सोमेन वर्मा की संयुक्त अध्यक्षता में आयोजित हुआ। अपर पुलिस अधीक्षक सिटी नीतेश सिंह, एसडीएम सदर गुलाब चन्द्र, सीओ सदर अमर बहादुर द्वारा भी जन समस्याओं की सुनवाई की गई।

इस दौरान मुख्य चिकित्सा अधिकारी मिजार्पुर, परियोजना निदेशक मिजार्पुर, अधिशासी अभियंता जल निगम, सिंचाई विभाग, जिला बेसिक शिक्षा अधिकारी, जिला सूचना अधिकारी, सभी खंड विकास अधिकारी, और तहसीलदार सदर विशाल शर्मा सहित अन्य जनपद एवं तहसील स्तरीय अधिकारियों ने प्रतिभाग किया।

कांग्रेस नेता रामेश्वर डूडी का निधन, किसान राजनीति की बड़ी आवाज अब नहीं रही

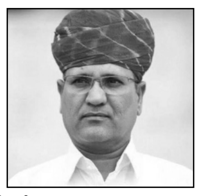

लक्ष्य लोहिया/राजस्थानः कांग्रेस के कद्दावर नेता और उत्तर-पश्चिमी राजस्थान के किसानों की आवाज रहे रामेश्वर डूडी का 62 वर्ष की आयु में निधन हो गया। वे लंबे समय से कोमा में थे। रामेश्वर डूडी ने छात्र राजनीति से अपना सफर शुरू किया और 1995 में पंचायती राज के तहत नोखा के प्रधान बने। इसके बाद वे दो बार जिला प्रमुख, एक बार विधायक और राजस्थान विधानसभा में प्रतिपक्ष नेता भी रहे। परिवार में उनकी पत्नी, विधायक सुशीला डूडी और एक पुत्र हैं। उनके भतीजे अतुल डूडी ने जानकारी दी कि अंतिम संस्कार आज सुबह 11 बजे जाट बगीची में किया जाएगा। प्रदेश की राजनीति और किसान आंदोलन में बड़ा योगदान देने वाले रामेश्वर डूडी के निधन से राजनीतिक जगत में शोक की लहर है।

असम रेल हादसा बच्चा व अन्य यात्री हादसे का शिकार, घटना गंभीर

महफि ल हजारिका/आसामः निचले असम से ऊपरी असम जाने वाली एक पेसेंजेर ट्राई जा रोही थी, ओचानोक लाइन में एक बेबी के साथ दो उरोत पोटरी पोर आजनीस उनको धक्का लोगा वह हमारे टूरोंट बोचे के साथ टीनो का मृत्यु घोटना स्तोल पोर ही हो गोया हे ईए दुर घाटना होजाई जेल के दो गांव जमुना मुख हमारे जुगिजन के बिसोबिस हुवा हे, दुख की बात है कि खबरें लिखने के लिए उनकी गलती नहीं हुई हे, ट्रेन की धक्का लोगों ने पोर सोब लोग कुछ दुरी पोर जा गिरा वही मृत हो गोई हे।

पति ने पत्नी की कुल्हाड़ी से की हत्या, आरोपी पुलिस की गिरफ्त से फरार

तेलंगानाः तेलंगाना के महबूबाबाद जिले से एक दिल दहला देने वाली घटना सामने आ रही है, जहां एक पति ने अपनी पत्नी का कुल्हाड़ी से गाला काट कर उसको मौत की नींद सुला दिया। दरअसल ये मामला हबूबाबाद जिले का है। आइये बताते है आखिर पूरा मामला क्या है। नेल्लिकुदुरु मंडल के अलेरु गांव में रहने वाली मृतक महिला की पहचान स्वप्ना के रूप में हुई है। आरोपी का नाम नरेश बताया जा रहा है। स्वप्ना और नरेश के दो बेटे है। स्वप्ना और नरेश अलेरु गांव में किराने की दुकान और चिकन सेंटर चलाते थे। काफी समय से घर में आर्थिक तंगी चल रही थी, जिसकी वजह से दोनों के बीच आए दिन लड़ाई- झगड़े हो रहे थे। नरेश कभी-कभी गुस्से में आकर स्वप्ना पर हाथ भी उठाता था। इसी बीच स्वप्ना का बड़ा बेटा दुर्व्यवहार करने लगा था। इस कारण पति-पत्नी में मतभेद और भी बढ़ गए थे।

प्रधानमंत्री ने कोपा व्यवसाय के प्रशिक्षार्थी अमन कुमार को राष्ट्रीय सम्मान

आनंद कुमार

उत्तर प्रदेशः कौशल दिक्षांत समारोह के अवसर पर नई दिल्ली विज्ञान भवन में आयोजित कौशल दिक्षांत समारोह में मुख्य अतिथि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी द्वारा संस्थान के कोपा व्यवसाय के प्रशिक्षार्थी अमन कुमार को अखिल भारतीय व्यवसायिक प्रीक्षा जुलाई-2025 में राष्ट्रीय टापर लिस्ट में स्थान बनाने के उपलक्ष्य में प्रधानमंत्री द्वारा समानित किया गया. जिससे जनपद सोनभद्र का मान सम्मान राष्ट्रीय स्तर पर गौरवान्वित हुआ. इस अवसर पर राजकीय औद्योगिक प्रशिक्षण संस्थान दुद्धी के प्रधानाचार्य रविन्द्र पटेल प्रशिक्षार्थी अमन कुमार का उत्साहवर्धन के लिए नई दिल्ली विज्ञान भवन में उपस्थित हुए। रजकीय औद्योगिक प्रशिक्षण संस्थान दुद्धी सोनभद्र में कौशल दिक्षान्त समारोह का आयोजन किया गया। जिसमें उत्तीर्ण वर्ष-2025 के प्रशिक्षार्थियों को अंक

पत्र एवं प्रमाण-पत्र प्रदान किया गया. दिक्षान्त समारोह में सर्वप्रथम मॉ सरस्वती की प्रतिमा के समक्ष दीप प्रज्जवलन किया गया.तत्तपश्चात राजकीय आई0टी0आई0 दुद्धी के वर्ष 2025 में एन0सी0वी0टी0 परीक्षा उत्तीर्ण सर्वश्रेष्ठ 02 मेधावी प्रशिक्षार्थियों सत्यम कुमार,भानु कुमार मौर्या को ट्राफी, मेडल एवं प्रशस्ति पत्र का वितरण किया गया।

कौशल दिक्षान्त समारोह प्रधानाचार्य गोपाल दास नकटु-बीजपुर ने उत्तीर्ण छात्रों को याद दिलाया कि यह दीक्षांत समारोह है न कि शिक्षांत समारोह और यहां उनकी शिक्षा का अंत नहीं होना चाहिए.उन्होंने कहा कि यह ऐसा अवसर है कि जहां वे किताबों की दुनिया से निकलकर असली दुनिया में प्रवेश कर रहे हैं. पश्चिमी सभ्यता में दीक्षांत कन्वोकेशन का अर्थ केवल डिग्री प्राप्त करना होता है, जबकि भारतीय संस्कृति में दीक्षांत का अर्थ है.डिग्री के साथ-साथ संस्कार प्राप्त करना भी होता हैं. स्किल इंडिया भारत सरकार की एक पहल है। जिसे देश के युवाओं को कौशल सेट के साथ सशक्त बनाने के लिए शुरू किया गया है. जो उन्हें अपने कार्य वातावरण में अधिक रोजगार योग्य और अधिक उत्पादक बनाता है. किसी राष्ट्र की सफलता हमेशा उसके युवाओं की सफलता पर निर्भर करती है और कौशल भारत निश्चित रूप से इन युवा भारतीयों के लिए बहुत सारे लाभ और अवसर लाएगा. वह समय दूर नहीं जब भारत एक कुशल समाज के रूप में विकसित होगा जहां सभी के लिए समृद्धि और सम्मान होगा.कार्यक्रम में संजय कुमार श्रीवास्तव कार्यदेशक एवं संस्थान के सभी कर्मचारी उपस्थित रहे।

सम्पूर्ण समाधान दिवस दुद्धी में जिलाधिकारी ने किया जनसुनवाई

आनंद कुमार

उत्तर प्रदेशः सोनभद्र जिले के दुद्धी तहसील सम्पूर्ण समाधान दिवस की अध्यक्षता जिलाधिकारी सोनभद्र बद्रीनाथ सिंह ने किया. जनसुनवाई में सभी मामलों की शिकायत सुनते हुए सम्बंधित विभाग के अधिकारियों को निर्देशित किया गया है कि निस्तारण में लापरवाही कत्तई बर्दाश्त नही की जाएगी.लापरवाही बरतने वाले अधिकारियों के विरुद्ध कार्यवाही की जाएगी. उन्होंने कहा कि किसी भी प्रार्थना पत्रों का निस्तारण मौके पर जाकर, संबंधित पक्षों को सुनने के बाद ही करें। पक्षपात की शिकायत एवं पुष्टि होने पर संबंधित के खिलाफ कड़ी कार्रवाई की जाएगी।

उन्होंने लंबित प्रार्थना पत्रों का समयबद्ध तरीके से गुणवत्ता परक निस्तारण के निर्देश दिये. इस दौरान प्रकरणों में राजस्व व पुलिस की संयुक्त टीम बनाकर समयबद्ध और गुणवत्तापूर्वक निस्तारण करने के निर्देश दिए गये. सम्पूर्ण समाधान दिवस पर पुलिस अधीक्षक अभिषेक वर्मा, डीडीओ हेमन्त सिंह, बीएसए मुकुल आनंद पांडेय, डीएफओ रेनुकूट, सीओ राजेश कुमार राय, सीओ पिपरी अमित कुमार, तहसीलदार अंजनी गुप्ता, बीडीओ दुद्धी रामविशाल चौरसिया सहित अन्य अधिकारी/कमार्चारीगण मौजूद रहे।

धम्म चक्र प्रवर्तन दिवसः दीक्षा भूमि, नागपुर में आत्मिक अनुभव

फूलचंद मालवीय

मध्य प्रदेशः मनलाल जी भाई प्रदीप बौद्ध के साथ दिनांक 29 सितंबर 2025 को जाना हुआ और घर वापिसी दिनांक 3 अक्टूबर 2025 को हुयी। यह यात्रा अत्यंत महत्वपूर्ण और यादगार रही, क्योंकि मुझे धम्म चक्र प्रवर्तन दिवस के अवसर पर वहां उपस्थित रहने का सौभाग्य मिला दीक्षाभूमि पर बहुत सारे सक्रिय भीम मिशन के साथी थे जिनमें गोवा से डॉ उल्हास जी भाई पुष्पेन्द्र बहुजन और उनकी जीवन संगनी प्रीति बहुजन दिल्ली से जेके गौतम नागपुर से डॉ कल्पना बाली बालाघाट से भन्ते जी संजय बागमाडे एडवोकेट लखनऊ से कामिनी गौतम जी और उनके

जीवन साथी भिक्खू धम्मकीर्ति चहल जी बिमला आगरे जी (सूरजपुर, छत्तीसगढ़) से बहुजन समाज पार्टी छत्तीसगढ़ जोन प्रभारी, और बहुत सारे भीम मिशनरी और बुद्ध अनुयायी शामिल थे इन सभी महानुभावों से मुलाकात हुयी और विस्तार से बातचीत हुई। तथागत बुद्ध और बौद्ध धर्म तथागत बुद्ध जिन्हें सिद्धार्थ गौतम के नाम से भी जाना जाता है, ने ज्ञान प्राप्त कर विश्व को चार आर्य सत्य और अष्टांगिक मार्गका संदेश दिया। बौद्ध धर्म करुणा, समता और शांति का मार्ग है। यह धर्म व्यक्ति को आंतरिक शांति और मोक्ष की ओर ले जाता है। बौद्ध धर्म के प्रमुख सिद्धांत हैं अनित्य दुःख और अनात्मश

बाबासाहेब डॉ भीमराव आंबेडकर बाबासाहेब डॉ भीमराव आंबेडकर ने भारतीय संविधान के निर्माण में गौरवपूर्ण भूमिका निभाई। उन्होंने 14 अक्टूबर 1956 को नागपुर में अपने लाखों अनुयायियों के साथ बौद्ध धर्म अपनाया, जिसे धम्म दीक्षा कहा जाता है। *बाबासाहेब का मानना था कि बौद्ध धर्म सामाजिक समता और न्याय का मार्ग है। उनके विचारों ने बहुजन समाज को नई दिशा दी। दीक्षाभूमि पर इन सभी साथियों से हुई मुलाकात और बातचीत ने गहरा प्रभाव डाला। धम्म चक्र प्रवर्तन दिवस के इस महत्वपूर्ण अवसर पर हम सभी ने बौद्ध धर्म के मूल सिद्धांतों और बाबासाहेब डॉ भीमराव आंबेडकर के विचारों पर चर्चा की। बिमला आगरे जी ने भी अपने विचार रखे और छत्तीसगढ़ में बहुजन समाज के कार्यों पर प्रकाश डाला।

आयोग्य एवं पुलिस उपमहानिरीक्षक ने दी जनता की समस्याओं को त्वरित निपटान के निर्देश

राधा कृष्ण

उत्तर प्रदेशः चित्रकूटधाम मण्डल, बाँदा श्री अजीत कुमार एवं पुलिस उपमहानिरीक्षक, चित्रकूटधाम परिक्षेत्र, बाँदा श्री राजेश एस द्वारा आज तहसील दिवस-मौदहा में संयुक्त रूप से प्रतिभाग किया गया। तहसील दिवस में बड़ी संख्या में आए फरियादियों की समस्याओं को गम्भीरता से सुना गया तथा तत्काल प्रभाव से निस्तारण हेतु सम्बन्धित अधिकारियों को निर्देशित किया गया। आयुक्त महोदय ने विशेष रूप से राजस्व विभाग से सम्बन्धित भूमि विवाद प्रकरणों में स्पष्ट निर्देश दिये कि राजस्व एवं पुलिस विभाग की संयुक्त टीम गठित कर त्वरित एवं गुणवत्तापूर्ण निस्तारण सुनिश्चित किया जाए, जिससे आमजन को शीघ्र राहत प्राप्त हो। साथ ही तहसील दिवस में उपस्थित विकास कार्यों से संबंधित अधिकारियों को

निर्देशित किया गया कि आगामी दीपावली त्यौहार से पूर्व क्षेत्र में बिजली आपूर्ति को सुदृढ़ बनाया जाए, जर्जर खम्भों एवं तारों की मरम्मत की जाए, पेयजल आपूर्ति, साफ-सफाई एवं चिकित्सा सुविधाओं को पूरी तरह दुरुस्त रखा जाए। उन्होंने मिशन शक्ति 5.0 के अन्तर्गत महिलाओं को आत्मनिर्भर बनाने हेतु विशेष प्रयास करने, स्वयं सहायता समूहों को प्रोत्साहित करने एवं प्रशिक्षण/रोजगारपरक गतिविधियों का विस्तार करने का भी निर्देश दिया।

औचक निरीक्षण तहसील दिवस कार्यक्रम के उपरान्त आयुक्त महोदय द्वारा सामुदायिक स्वास्थ्य केन्द्र, मौदहा एवं पीसीएफ खाद वितरण केन्द्र, मौदहा का औचक निरीक्षण किया गया। सामुदायिक स्वास्थ्य केन्द्र, मौदहा के निरीक्षण में सभी डॉक्टर ड्यूटी पर उपस्थित पाये गये। पूर्व में पाई गई कमियों की तुलना में सुधार पाया गया, किन्तु प्रवेश द्वार पर घास व गन्दगी मिली। आयुक्त महोदय ने निर्देश दिये कि तत्काल सफाई करायी जाए एवं केंद्र में नियमित साफ-सफाई, पेयजल, दवाओं की उपलब्धता, सीसीटीवी की कार्यशीलता सुनिश्चित हो। उन्होंने यह भी कहा कि किसी भी दवा को बाहर से न मंगवाया जाए तथा डॉक्टरों का ड्यूटी रोस्टर सार्वजनिक स्थान पर मोबाइल नंबर सहित प्रदर्शित किया जाए। खाद वितरण केन्द्र, पीसीएफ मौदहा में प्रभारी श्री रमाशंकर उपस्थित पाये गये।

उनके द्वारा अवगत कराया गया कि केन्द्र में पर्याप्त मात्रा में खाद उपलब्ध है। आयुक्त महोदय ने निर्देशित किया कि किसानों को समय से खाद उपलब्ध करायी जाए। किसी भी प्रकार की ओवर रेटिंग, कालाबाजारी अथवा टैगिंग जैसी शिकायतें प्राप्त नहीं होनी चाहिए, अन्यथा संबंधित के विरुद्ध कठोर कार्यवाही अमल में लायी जाएगी।

आयुक्त महोदय ने स्पष्ट किया कि सरकार की प्राथमिकता जनता को त्वरित, पारदर्शी एवं गुणवत्तापूर्ण सेवाएं उपलब्ध कराना है। उन्होंने अधिकारियों से अपेक्षा की कि वे संवेदनशील होकर जनता की समस्याओं को सुनें और उनके निस्तारण में किसी भी प्रकार की शिथिलता न बरती जाए। उन्होंने कहा कि त्यौहारों के दौरान किसी भी नागरिक को बिजली, पानी, स्वास्थ्य एवं खाद जैसी मूलभूत सुविधाओं में किसी भी प्रकार की कठिनाई न हो, यह प्रशासन की जिम्मेदारी है। जनता का विश्वास ही शासन-प्रशासन की सबसे बड़ी पूंजी है और इसे बनाए रखने हेतु पूरी तत्परता एवं जिम्मेदारी से कार्य किया जाए।

पत्नी ने की पति की हत्या प्रारंभिक जांच में हुआ खुलासा

नरेंदर

उत्तर प्रदेशः मनीष हत्याकांड का चौंकाने वाला खुलासा... लव मैरिज वाली वाइफ बनी किलर गाजियाबाद के नंदग्राम में युवक की हत्या की गुत्थी ने पुलिस को उलझा दिया था। शुरूआत में पत्नी ने मनीष के दोस्तों भोला और अक्षय पर हत्या का आरोप लगाया। लेकिन जब पुलिस ने तह तक जाकर जांच की, तो सामने आया एक चौंकाने वाला सचहत्या किसी और ने नहीं, खुद पत्नी ने की थी। मनीष शराब का आदी था, आए दिन घर में झगड़े होते थे। घटना वाले दिन उसने घर का फ्रिज बेचकर शराब खरीदी और पत्नी-बेटियों को अपशब्द कहे। गुस्से में आकर सुनीता ने पास पड़ी ईंट से मनीष के सिर पर वार कर दिया। हत्या के बाद उसने दोस्तों पर झूठा आरोप लगाकर पुलिस क गुमराह करने की कोशिश की। सख्ती से पूछताछ में सुनीता ने अपना जुर्म कबूल कर लिया। हत्या में इस्तेमाल कपड़े बरामद हुए। आरोपी महिला को गिरफ्तार कर जेल भेज दिया गया है। एसीपी उपासना पांडेय का बयान सुनीता पहले से शादीशुदा थी, मनीष से लव मैरिज की थी। घरेलू कलह और शराब की लत ने इस रिश्ते को खून तक पहुंचा दिया।

मुंद्रा तालुका में 'पोषण माह' का भव्य आयोजन

35 बच्चों को 'पोषण किट' का वितरण

अवदिया इमरान निजाराली

गुजरातः राष्ट्रीय पोषण अभियान के तहत, सितंबर माह को पोषण माह के रूप में मनाया गया। इस अवसर पर, प्रोग्राम ऑफिसर श्री दशरथभाई पंड्या के मार्गदर्शन में मुंद्रा घटक में विभिन्न गतिविधियों का आयोजन किया गया था। तालुका पंचायत हॉल में आयोजित कार्यक्रम में 'पोषण माह सितंबर 2025' की भव्यता से मनाया गया।

इस कार्यक्रम में तालुका पंचायत के अध्यक्ष श्री महिपतिसिंह जाडेजा, तालुका विकास अधिकारी श्री अनिलभाई त्रिवेदी, तालुका पंचायत सदस्य श्री नवीनभाई फफल, प्रभारी सी.डी.पी.ओ. श्रीमती ज्योतिबेन सुंबल, वेट लिफ्टिंग नेशनल गोल्ड मेडलिस्ट श्रीमती नेहलबेन पंड्या सहित सभी सेजा सुपरवाइजर और ब्लॉक कोऑर्डिनेटर उपस्थित थे।

कार्यक्रम के दौरान, तालुका पंचायत द्वारा पंजीकृत 35 अति-कुपोषित बच्चों को तालुका

विकास अधिकारी श्री अनिलभाई त्रिवेदी के हाथों 'पोषण किट' का वितरण किया गया। यह किट बच्चों के पोषण स्तर में सुधार लाने में मदद करेगी।

इसके अलावा, वर्ष 2022-23 के लिए तालुका स्तर का 'माता यशोदा अवार्ड' छसरा-2 की आंगनवाड़ी कार्यकर्ता हसीनाबानू गुलामशाह शेख और हेल्पर सलमाबेन पीरसा शेख को दिया गया। भुजपुर सेजा को वर्ष 2025 के जिला स्तरीय भूलका मेला में टी.एल.एम. प्रतियोगिता में विजेता बनने पर प्रमाणपत्र और शील्ड से सम्मानित किया गया। पोषण उत्सव 2025 के तहत आयोजित व्यंजन प्रतियोगिता में विजेताओं को भी सम्मानित किया गया। इसमें प्रथम स्थान मीनाबेन वी. डुंगरिया (सुखड़ी), दूसरा स्थान किरणबेन विनोदकुमार सुतरिया (ज्वार की खिचड़ी) और तीसरा स्थान मुक्ताबेन राजेशभाई महेश्वरी (मुठिया) ने प्राप्त किया। इस प्रतियोगिता में पोषण विशेषज्ञ और नेशनल गोल्ड मेडलिस्ट श्रीमती नेहलबेन पंड्या ने निर्णायक के रूप में अपनी सेवाएँ दीं। कार्यक्रम के अंत में, मेहमानों ने पोषण विषय पर बनी सुंदर रंगोली का निरीक्षण किया और आयोजन की सराहना की।

मस्जिद मुए-मुबारक में स्वैच्छिक रक्तदान शिविर

सभी धर्मों के लोगों ने बढ़-चढ़कर लिया हिस्सा

मोहम्मद नवाज खान

राजस्थानः 1500 वे ईद मिलादुन्नबी के पावन अवसर पर मस्जिद मुए-मुबारक, कचहरी, अजमेर में शुक्रवार सुबह 10 बजे से शाम 5 बजे तक स्वैच्छिक रक्तदान शिविर का आयोजन किया गया। इस शिविर में सभी धर्मों और समुदायों के लोगों ने बढ़-चढ़कर हिस्सा लिया, जिसमें मुस्लिम युवतियों की भी भागीदारी विशेष रूप से उल्लेखनीय रही। इस आयोजन ने न केवल स्वास्थ्य के क्षेत्र में महत्वपूर्ण योगदान दिया, बल्कि सामाजिक एकता और भाईचारे का संदेश भी अजमेर शहर मे प्रसारित किया।

शिविर के संयोजक ख्वाजा सैयद गयासुद्दीन चिश्ती और मोहम्मद नजीर कादरी ने बताया कि यह रक्तदान शिविर गरीब नवाज वेलफेयर सोसाइटी, अजमेर और मस्जिद मुए-मुबारक की संयुक्त पहल थी। उन्होंने कहा,

"इस शिविर का उद्देश्य मानवता की सेवा के साथ-साथ समाज में एकता और समरसता को बढ़ावा देना है। रक्तदान जैसे पुनीत कार्य के माध्यम से हम सभी धर्मों और समुदायों को एक मंच पर लाने में सफल रहे।

शिविर में राष्ट्रीय मुस्लिम मोर्चा के जिला प्रभारी यासीन खान सिलावट,मंसूरी समाज के अध्यक्ष रियाज मंसूरी,असलम खंडेला,बदरुद्दीन कुरैशी,मास्टर तौसीफ अहमद,सरदार भजन सिंह, मोनिस लखन, रविंद्र कुमार खाट सहित विभिन्न धर्मों के लोगों ने रक्तदान कर इस आयोजन को और अधिक सार्थक बनाया। यह रक्तदान शिविर न केवल जरूरतमंदों के लिए रक्त उपलब्ध कराने में सहायक होगा, बल्कि समाज में एकता और सहयोग की भावना को भी मजबूत करेगा। इस तरह के आयोजन सामाजिक सद्भाव और मानवता की सेवा के लिए प्रेरणा का स्त्रोत बनते हैं।

पहले किया रेप फिर नाबालिग ने दिया बच्ची को जन्म, पुलिस ने आरोपी को किया गिरफ्तार

यशोदा

उत्तराखंडः उत्तराखंड के नैनीताल जिले से एक हैरान करने वाली खबर सामने आ रही है, जहां 14 साल की नाबालिग का रेप करने के बाद मासूम ने अब बच्ची को जन्म दिया है। इतना ही नहीं रेप करने वाले को जब इस बात की खबर मिली तो खुद भी हॉस्पिटल पहुंच गया और मिठाई बांटने लगा। नैनीताल जिले में रहने वाली नाबालिग का कुछ महीने पहले सूरज नाम के युवक ने रेप किया था। सूरज अल्मोड़ा जिले के शीतलाखेत का रहने वाला है। दरअसल शुक्रवार सुबह नाबालिग की माँ अपनी बेटी को लेकर अस्पाल पहुंची थी। डॉक्टर ने जांच की थी हैरान करने वाली खबर सामने आई की नाबालिग गर्भवती है। इसी बीच नाबालिग की सामान्य डिलीवरी हुई और उसने एक बच्ची को जन्म दिया। सूरज को जब इस बात का पता चला तो

उसने पुरे हॉस्पिटल में मिठाई बटवाई। इतना ही नहीं वो पुरे अस्पताल में कह रहा था कि वह पिता बन गया है। अस्पताल प्रशासन की ओर से इसकी सूचना पुलिस को दी गई। पुलिस मौके पर हॉस्पिटल पहुंची और आरोपी सूरज को गिरफ्तार कर लिया। पुलिस ने सूरज से पुछताछ की तो पता चला की सूरज तीन साल पहले काम की तलाश में नैनीताल आया था। सूरज नैनीताल के एक रेस्टोरेंट में काम करता था। 2 साल पहले उसकी मुलाकात नाबालिग से फेसबुक पर हुई थी, जिसके बाद धीरे-धीरे दोनों के बीच संपर्क बढ़ा गया। दोनों के बीच नजदीकियां बढ़ गई और शारीरिक संबंध बन गए। इस वजह से वो गर्भवती हो गई। आरोपी के खिलाफ पॉक्सो और अन्य धाराओं में केस दर्ज किया गया है। इसके बाद पुलिस द्वारा आरोपी युवक को गिरफ्तार कर लिया गया।

खरतरगच्छ में आयुर्वेदिक नि:शुल्क जांच एवं परामर्श शिविर का आयोजन

मनोज कुमार चोरडिया

राजस्थानः प्रणम्यश्रीजी, प्रसिद्धिश्रीजी के सानिध्य में साध्वी मनोहरश्रीजी की 20 वीं पुण्यतिथि के अवसर पर चार दिवसीय धार्मिक कार्यक्रमों का आयोजन चल रहा है`

संघ के मिडिया प्रभारी प्रदीप डागा एवं भास्कर खजांची ने बताया कि खरतरगच्छ जैन साध्वी मनोहरश्रीजी की 20 वीं पुण्यतिथि पर हिरावाडी. स्थित कुशल भवन में एक आयुर्वेदिक निशुल्क जांच एवं परामर्श शिविर का आयोजन श्री जैन श्वेताम्बर खरतरगच्छ श्रीसंघ नागौर के द्वारा

किया गया। इस अवसर पर नागौर नगरपरिषद् की सभापति मीतू बोथरा एवं श्री जैन श्वेताम्बर खरतरगच्छ श्री संघ के अध्यक्ष प्रकाश चंद बच्छावत, उपाध्यक्ष केवल राज बच्छावत, सचिव हस्तीमल रेखावत ने जैन साध्वी

मनोहरश्रीजी के तस्वीर के आगे दीप प्रज्वलित कर इस आयुर्वेदिक शिविर की शुरूआत की जिसमें राजकीय चिकित्सालय में कार्यरत आयुर्वेदिक चिकित्साधिकारी डॉ. मुदिता सोलंकी ने अपनी निशुल्क सेवाएं दी सुमन चौहान के द्वारा शरीर के डिटाक्स के लिये अनिद्रा, मानसिक थकान को दूर करने के लिए कांसी थाली डिटाक्स मशीन के द्वारा इलाज किया गया` इस अवसर पर विकास बोथरा, प्रदीप डागा रामपाल वैष्णव, डी सेवन डोर फाऊंडेशन के सुखदेव मनिहार, नीलू खड़लोया, संस्था अध्यक्ष रामधन सुथार, योगेश टाक, मुकुन्द सेन, सुरज शर्मा, महेंद्र सा चंदेल, गजेन्द्र माथुर,गणपत सोलंकी आदि सदस्यों ने अपनी सेवाएं दी` इस शिविर में कुल 35 लोगों को परामर्श एवं निशुल्क दवाइयों का वितरण किया गयो इस अवसर पर कनक आराधना भवन में दोपहर 2 बजे विचक्षण महिला मंडल के द्वारा दादा गुरु देव की बड़ी पुजा पढाई गई दादा गुरु देव के पुजा के लाभार्थी भास्कर मनोज कल्प कुशल खजांची परिवार ने लिया।

एक नजर

खाटूश्यामजी सरकारी अस्पताल से दिनदहाड़े बाइक चोरी, चोरी की घटना सीसीटीवी में कैद

हेमराज कुमावत/राजस्थानः उप जिला अस्पताल के सामने दिनदहाड़े बाइक चोरी की घटना ने इलाके में हड़कंप मचा दिया। पीड़ित बीजू कुमावत (पुत्र बनवारी लाल, निवासी चोमू पुरोहितान) ने बताया कि वह आज सुबह करीब 10 बजे अपनी बाइक (RJ23BA 5817) से रिश्तेदार को सरकारी अस्पताल में दिखाने आए थे। बाइक अस्पताल के पुराने गेट के पास परिसर में खड़ी की थी।

मरीज को दिखाने के बाद जब बीजू वापस बाइक के पास पहुंचे तो वह गायब थी। अस्पताल के सीसीटीवी फुटेज में देखा गया कि नीली टी-शर्ट पहने और पीठ पर बैग लटकाए एक युवक बाइक को लेकर भागता नजर आया खाटूश्यामजी में बाइक चोरी की घटनाएं लगातार बढ़ रही हैं, जिससे लोगों में पुलिस के प्रति नाराजगी और सुरक्षा को लेकर चिंता गहरी हो गई है।खाटू श्याम जी के नजदीकी छोटा सा एरिया वार्ड नंबर 17 जहां पर इंडिया प्रोग्राम बहुत ही शानदार पशु से किया जा रहा है छोटे-छोटे नन्हे बच्चों के द्वारा प्रस्तुति की जा रही है बहुत-बहुत बधाई बहुत-बहुत आभार काकड़ वाली दानीखाटू श्याम जी

मॉर्निंग वॉक के दौरान तेज रफ्तार कार ने ली दो महिलाओं की जान, दो घायल

नरेंदर/उत्तर प्रदेशः गाजियाबाद के जीटी रोड पर शनिवार सुबह लगग 6 बजे तेज रफ्तार कार ने सड़क पार कर रहे चार मॉर्निंग वॉकर्स को टक्कर मार दी। हादसा इतना भीषण था कि दो महिलाओं की मौके पर ही मौत हो गई, जबकि दो लोग गंभीर रूप से घायल हो गए। मृतक महिलाओं की पहचान मीनू (55 वर्ष) सावित्री (60 वर्ष) दोनों महिलाएं सड़क पार कर रही थीं, तभी तेज रफ्तार कार ने उन्हें अपनी चपेट में ले लिया। हादसे के बाद आरोपी चालक कार मौके पर छोड़कर फरार हो गया। पुलिस ने कार को कब्जे में लेकर फरार चालक की तलाश शुरू कर दी है। मामले की जांच के लिए सीसीटीवी फुटेज खंगाले जा रहे हैं। शवों को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया गया है। स्थानीय निवासियों की मा मॉर्निंग वॉकर्स के लिए सुरक्षित ट्रैक बनाया जाए। जीटी रोड पर स्पीड कंट्रोल और सुरक्षा उपाय कड़े किए जाएं।

कार और बाइक की भिड़ंत में युवक गंभीर घायल, विधायक ने पहुंचाई मदद

लक्ष्य लोहिया/राजस्थानः शुक्रवार दोपहर 2:00 फतेहपुर जयपुर हाईवे पर हरसावा ग्राम के पास एक ,20 कार और मोटरसाइकिल के बीच भिड़ंत हुई जिसमें मोटरसाइकिल सवार युवक गंभीर घायल हो गया। स्थानीय लोगों ने जानकारी देते हुए बताया कि फतेहपुर से सीकर की तरफ कार जा रही थी तभी वहां से गुजर रही मोटरसाइकिल की कार से भिड़ंत हो गई जिसमें मोटरसाइकिल सवार युवक अर्जुन पुत्र रामकरण उम्र 40 साल निवासी बीबीपुर छोटा घायल हो गया वहीं से क्षेत्रीय विधायक हाकम अली खान गुजर रहे थे उन्होंने दुर्घटना की सूचना 108 एंबुलेंस को दी जिस पर 108 एंबुलेंस की मदद से घायल को कस्बे के राजकीय धानुका उप जिला चिकित्सालय के ट्रॉमा सेंटर पहुंचाया जहां घायल का इलाज चल रहा है।

दशहरा मेले में मासूम से गैंगरेप, दो आरोपी गिरफ्तार, एक फरार

यशोदा/बिहारः बिहार में एक छोटी बच्ची के साथ कुछ लोगों ने मिल कर बारी-बारी दुष्कर्म किया। दरअसल ये मामला बिहार के मुजफ्फरपुर इलाके का हैं। मुजफ्फरपुर में रहने वाली मासूम अपने परिवार के साथ दशहरा मेला घूमने गई थी। मेले में बच्ची को कुछ लोगों ने पकड़ लिया और पंडाल के पीछे लकेर गए, जिसके बाद सबने मिलकर बारी बारी से मासूम का रेप किया और बच्ची को वही छोड़ दिया। काफी देर बच्ची न मिलने पर परिवार वालो ने पुलिस को खबर दी। पुलिस ने अपनी जांच तेज की। कुछ घंटे बीतने के बाद बच्ची खुद घर पहुंची और परिवार वालो को अपने साथ हुए दुष्कर्म के बारे में बताया। परिवार वालो ने इस घटना की खबर पुलिस को दी, जिसके बाद मामले की जानकारी लगते ही पुलिस ने कार्रवाई करते हुए दो आरोपियों को गिरफ्तार किया। अभी एक आरोपी पुलिस की गिरफ्त से फरार है। ग्रामीण एसपी राजेश सिंह प्रभाकर ने बताया एक बच्ची के साथ कुछ आरोपियों के द्वारा दुष्कर्म की घटना को अंजाम दिया है। पुलिस अभी मामले की जांच में लगी है। पुलिस की तरफ से अभी कोई बयान नहीं आया है। घटना के बाद से पुरे गांव में गुस्से का माहौल है।

नम आंखों से मां दुर्गा को विदाई, भक्तों ने किया विसर्जन

दीपक कौशल/उत्तर प्रदेशः पकड़ी बाजार में श्री दुर्गा पूजा महोत्सव के अवसर पर विजयादशमी के दिन भी माँ दुर्गा की पूजा की गई। शाम को भक्तों ने मूर्तियों का विसर्जन किया और नम आंखों से देवी को विदाई दी गई। पकड़ी की महरानी के नाम से विख्यात माँ भगवती के स्वरूप शेर पर सवार मूर्ति के विसर्जन मे सभी भक्तजन सम्मिलित रहे। श्री संकट मोचन हनुमान मंदिर पर कार्यकताओं द्वारा मां की आरती व भोग लगाया गया। सामाजिक कार्यकर्त्ता रघुनाथ आर्य द्वारा पंडाल पर विशाल भंडारे का आयोजन किया गया जो देर रात्रि तक चला। इसके बाद माँ दुर्गा मूर्ति को श्री संकट मोचन हनुमान मंदिर से भ्रमण करवाते हुए एली परसोली मे विसर्जित किया गया। भक्तों ने नम आंखों से देवी को विदाई दी। विसर्जन के दौरान ग्राम प्रधान विवेक कुमार सिँह उर्फ पप्पू सिँह, श्रवण सिँह, देवेंद्र सिँह, मोहित सिँह, राहुल दूबे, मालिक राम गुप्ता, अखंड सिँह, अमृतलाल, दीपक जयसवाल, सौरभ जयसवाल, रोहित जयसवाल शिवा आदि समस्त भक्त जन उपस्थित रहे।

संपादकीय

'स्वदेशी' महज एक नारा

हम सात दशकों से 'स्वदेशी' के नारे सुन रहे हैं। आजादी से पहले भी यह आरएसएस का बुनियादी मुद्दा था। 1951 में 'जनसंघ' का गठन हुआ, तो संघ के इस मुद्दे को राजनीतिक तौर पर ग्रहण किया गया। 'जनसंघ' का यह चुनावी मुद्दा भी होता था। जब 1980 में भाजपा का गठन हुआ, तो उसने भी 'स्वदेशी' का खूब प्रचार किया। दरअसल हम 'स्वदेशी' के विरोधी नहीं हैं, क्योंकि यह देश की आत्मनिर्भरता का प्राथमिक मुद्दा है। अब आरएसएस के शताब्दी समारोह और 'दशहरा संबोधन' में क्रमशः प्रधानमंत्री मोदी और सरसंघचालक मोहन भागवत ने एक बार फिर 'स्वदेशी' का गुणगान किया है। स्वदेशी और खादी को देश की आजादी से जोड़ा है, लेकिन सवाल है कि क्या 'स्वदेशी' से ही 146 करोड़ से अधिक आबादी वाले देश का गुजारा संभव है? क्या देश की अर्थव्यवस्था का विस्तार संभव है? हमारा मानना है कि वैश्विक उदारीकरण के दौर में 'स्वदेशी' के आधार पर ही अंतरराष्ट्रीय व्यापार, विदेशी निवेश, निर्यात और अंततः आत्मनिर्भरता संभव नहीं हैं। खादी का उत्पादन 3783 करोड़ रुपए का है और व्यापार 7146 करोड़ रुपए का है। वैश्विक व्यापार में भारत विश्व में 10वें स्थान पर है। हम 4 ट्रिलियन डॉलर से अधिक की अर्थव्यवस्था हैं। महज इतनी व्यापारिक पूंजी से देश कैसे चल सकता है? भारत का कुल निर्यात 37 लाख करोड़ रुपए और आयात 61 लाख करोड़ रुपए का है। लिहाजा हमारा व्यापार घाटा करीब 9000 करोड़ रुपए का है। यदि 'स्वदेशी' को 100 फीसदी लागू करना है, तो सूक्ष्म, लघु, मध्यम उद्यमों की चिंता स्पष्ट करें, जो 'स्वदेशी' की रीढ़ हो सकते हैं। कोरोना वैश्विक महामारी के दौरान तालाबंदी से 75082 लघु और कुटीर कंपनियां बंद हो गईं। उससे पहले वे नोटबंदी से व्यापक तौर पर प्रभावित हुईं।

अनुमान है कि ऐसे कुटीर उद्योगों की करीब 6 लाख कंपनियां, फैक्टरियां बंद हो चुकी हैं। बेशक सरकार ने आर्थिक पैकेज और आसान बैंकिंग कर्ज घोषित किए, लेकिन एमएसएमई के अस्तित्व को बचाया नहीं जा सका। सरकार औपचारिक बयान देकर कुटीर उद्योगों की अद्यतन स्थिति स्पष्ट कर सकती है। मोदी सरकार ने देश के सकल घरेलू उत्पाद (जीडीपी) में मैन्यूफैक्चरिंग के योगदान का लक्ष्य 23 फीसदी तय किया था। वह 16-17 फीसदी से घटकर करीब 13 फीसदी पर आ गया है। जब भारत मैन्यूफैक्चरिंग के क्षेत्र में फिलहाल पिछड़ा है, तो 'स्वदेशी' कैसे संभव है? भारत में 'स्वदेशी' उत्पादन और अर्थव्यवस्था की सोच को 1991 से पहले ही लागू करनी चाहिए थी। जो भूमंडलीकरण और उदारीकरण 1991 में भारत में शुरू किया गया, उसे 1979 में ही चीन में लागू कर दिया गया था, नतीजतन उसे बहुत पहले आत्मनिर्भर होने में मदद मिली। आज उसकी औद्योगिक नीति ऐसी है कि वह किसी भी देश पर आश्रित नहीं है। अमरीका के साथ मात्र 13-14 फीसदी व्यापार की ही उसे जरूरत है।

राजनीति से प्रेरित है गांधी से नफरत का अभियान

> प्रधानमंत्री ने नवंबर, 2014 से सितंबर, 2025 तक विदेशी संसदों में दिए 17 भाषणों में से 6 में महात्मा गांधी का सीधे उल्लेख किया है। उन्होंने कई अन्य अवसरों पर अप्रत्यक्ष रूप से गांधीजी का उल्लेख किया है। उन्होंने बापू को अंतरराष्ट्रीय ब्रांडिंग के लिए इस्तेमाल किया है। स्थिरता और समानता के बारे में बात करते हुए उन्होंने गांधी के मूलभूत सिद्धांतों का उल्लेख किया है। मोदी के अंतरराष्ट्रीय भाषणों में अक्सर गांधी के 'वसुधैव कुटुम्बकम' के संदेश का उल्लेख होता है। उनके राजनयिक उद्देश्यों में यह संदेश उनकी अच्छी मदद कर रहा है।

-डा. सुदर्शन अयंगर-

अपने जीवन का एक महत्वपूर्ण हिस्सा गांधीजी ने जाति आधारित हिंसा के खिलाफ स्पष्ट और संरचनात्मक दोनों तरह से बिताया। दलितों को संवैधानिक अधिकार दिलाने के संघर्ष का नेतृत्व करने वाले डॉ. बीआर अंबेडकर के साथ अपने तीखे मतभेदों के बावजूद लोगों के दिलो-दिमाग से अस्पृश्यता को दूर करने के अपने अभियान को गांधीजी ने जारी रखा था।

संयुक्त राष्ट्र ने 2 अक्टूबर 'अंतरराष्ट्रीय अहिंसा दिवस' के रूप में घोषित किया है। दुनिया ने गांधी को शांति के दूत के रूप में मान्यता दी है। अहिंसा और शांति के वैश्विक प्रतीक के रूप में गांधी के सम्मान में कुल 102 देशों ने उनकी प्रतिमाएं स्थापित की हैं। वे पिछली दो सहस्राब्दियों में जन्म लेने वाले 10 उत्कृष्ट व्यक्तित्वों में से एक हैं जिनके बारे में सबसे अधिक लिखा गया है।

हमारे प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने सार्वजनिक रूप से कहा है कि, 'गांधीजी एक वैश्विक प्रतीक हैं और अहमदाबाद में उनके निवास साबरमती आश्रम को एक विश्व स्तरीय स्मारक में बदल दिया जाएगा।' 1200 करोड़ रुपये की इस महत्वाकांक्षी योजना पर काम चल रहा है। भारत का शीर्ष नेतृत्व गांधीजी को छोड़ने का जोखिम नहीं उठा सकता। यह स्पष्ट रूप से समझा जाता है कि गांधीजी भारत का वैश्विक चेहरा हैं। इसलिए उनका निरतंर उल्लेख किया जाना जारी है।

प्रधानमंत्री ने नवंबर, 2014 से सितंबर, 2025 तक विदेशी संसदों में दिए 17 भाषणों में से 6 में महात्मा गांधी का सीधे उल्लेख किया है। उन्होंने कई अन्य अवसरों पर अप्रत्यक्ष रूप से गांधीजी का उल्लेख किया है। उन्होंने बापू को अंतरराष्ट्रीय ब्रांडिंग के लिए इस्तेमाल किया है। स्थिरता और समानता के बारे में बात करते हुए उन्होंने गांधी के मूलभूत सिद्धांतों का उल्लेख किया है। मोदी के अंतरराष्ट्रीय भाषणों में अक्सर गांधी के 'वसुधैव कुटुम्बकम' के संदेश का उल्लेख होता है। उनके राजनयिक उद्देश्यों में यह संदेश उनकी अच्छी मदद कर रहा है।

उन्होंने देश में भी 2 अक्टूबर, 2014 को 'स्वच्छ भारत अभियान' की शुरूआत की। हाल ही में वे स्वदेशी पर मुखर रहे हैं। प्रतीकवाद अपने चरम पर है। दिल्ली अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डे के टर्मिनल-3 में चेक-इन सेक्शन में प्रवेश करते हुए कोई भी व्यक्ति एक विशाल चरखा देख सकता है। यह हस्तचालित चरखा बर्मा सागौन से बना है और इसका वजन चार टन है। द्वार 4 और 5 के बीच चरखे के नीचे स्थापित पट्टिका में गांधीजी के योगदान का स्पष्ट रूप से उल्लेख है।

स्थापना के अवसर पर प्रधानमंत्री ने कहा था-'चरखा आईजीआई हवाई अड्डे पर यात्रियों को भारत की कालातीत विरासत तथा स्थिरता और सद्भाव के मूल्यों की याद दिलाने का काम करेगा और इसी उद्देश्य से इसे बनाया गया है।' उन्होंने देश के नागरिकों से खादी को अपनाने की अपील की है। दुनिया के किसी भी कोने से आने वाला यात्री अहमदाबाद अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डे पर 'गांधीजी के पदचिह्न' नामक एक छोटी सी प्रदर्शनी को देखने का अवसर नहीं छोड़ता है।

इसके बावजूद जिस देश में वे पैदा हुए, रहे और अपना बलिदान दिया, वहां उनके खिलाफ पिछले 25 वर्षों के दौरान एक घृणा अभियान तेज हो गया है। गांधी नफरत करने लायक व्यक्ति बन गए हैं। मुसलमानों के प्रति उनके कथित पक्षपात के लिए उनसे नफरत की जाती है। अस्पृश्यता को दूर करने के लिए उनके 15 साल के अथक प्रयत्नों का मजाक उड़ाया जाता है। सरदार वल्लभ भाई पटेल और नेताजी सुभाषचंद्र बोस की अनदेखी करने के लिए उनकी निंदा की जाती है। भगत सिंह की फांसी के लिए उन्हें जिम्मेदार ठहराया गया है। देश के स्वतंत्रता आंदोलन में उनका योगदान हाशिए पर है। बोस द्वारा उन्हें दी गई 'राष्ट्रपिता' की उपाधि का उपहास उड़ाया जाता है। सोशल मीडिया ने हम भारतीयों के मन में गांधी की छवि को नष्ट कर दिया है।

'गांधी का गुजरात' आज एक बुरा शब्द है। जहरीली नफरत के साथ प्रकट और छिपी हुई हिंसा ने लोगों के दिलो-दिमाग पर कब्जा कर लिया है। कट्टरपंथी हिंदू भीड़ बेहिचक आगे बढ़ रही है और कानून के रक्षक भी उन पर विशेष रोक-टोक नहीं करते। यह जानकर दुख होता है कि कट्टरपंथियों की भीड़ नवरात्रि गरबा महोत्सव के आयोजकों से कड़ी पूछताछ करती है कि मुसलमानों को कितने पास और टिकट जारी किए गए हैं। एक तरफ गरबा नृत्य चल रहा है तो उसी समय भीड़ मुस्लिम प्रतिभागियों की जांच करती है।

इस साल की शुरूआत में राजनीतिक रैलियों, धार्मिक जुलूसों, विरोध मार्च और सांस्कृतिक समारोहों जैसे कार्यक्रमों में हुए भाषणों में अभद्र भाषा के उपयोग की संख्या बढ़ी है। 2024 में 1, 165 मामले सामने आए जबकि एक साल पहले इनकी संख्या 668 थी। रिपोर्ट में कहा गया है कि पिछले साल चुनाव अभियान के दौरान नफरत फैलाने वाले भाषण चरम पर थे। अपने जीवन का एक महत्वपूर्ण हिस्सा गांधीजी ने जाति आधारित हिंसा के खिलाफ स्पष्ट और संरचनात्मक दोनों तरह से बिताया। दलितों को संवैधानिक अधिकार दिलाने के संघर्ष का नेतृत्व करने वाले डॉ. बीआर अंबेडकर के साथ अपने तीखे मतभेदों के बावजूद लोगों के दिलो-दिमाग से अस्पृश्यता को दूर करने के अपने अभियान को गांधीजी ने जारी रखा था। क्या अंबेडकर और गांधी दोनों के प्रयासों को हम भारतीय विफल नहीं कर रहे हैं? 2025 में भी तथाकथित उच्च और श्रेष्ठ जाति के लोगों ने दलितों का अपमान करने, निंदा करने, शोषण, बलात्कार, घायल करने और मारने का कोई मौका नहीं छोड़ा।

गांधी के प्रति नफरत का अभियान सुनियोजित और राजनीति से प्रेरित है। इस तरह के प्रायोजित हमले के पीछे का दिमाग धोखेबाज है। जातिगत मानसिकता पूरी तरह से खेल खेलती है। नफरत करने वाले लोग भारत में मुसलमानों को 'सबसे निचली जाति' बनाना चाहते हैं जिसे समाज में हलके दर्जे के काम करने के लिए मजबूर किया जाए। ये तत्व चाहते हैं कि उन्हें गरीबी और दरिद्रता में सड़ना और दबाव में आकर इस देश को छोड़ देना चाहिए। हम भारत के नागरिक क्या इस बात को समझते हैं कि हम नफरत, निंदा व भेदभाव कर, चोट पहुंचाकर और हत्या कर-के दुश्मनी का माहौल बना रहे हैं? कोई भी प्रत्यक्ष, छिपी हुई और संरचनात्मक हिंसा मजबूत भावनाओं और कड़वाहट को जन्म देती है जो हिंसा की जड़ है।

हमें समझना चाहिए कि जब किसी वर्ग को निशाना बनाया जाता है और उसका बहिष्कार किया जाता है तथा जब लोग सीधे तौर पर व राज्य धोखे से यह खेल खेलते हैं, तो पीड़ित समूह नाराज होकर बदला लेने पर उतारू हो जाता है। ऐसे समुदायों में रोटी कमाने वालों को उचित अवसर नहीं दिए जाते। वे ऐसी मुश्किल या कठिन परिस्थितियों में डाल दिए जाते हैं जहां से उनके पास निकलने का कोई विकल्प नहीं रह जाता। यह परिस्थिति नफरत और हिंसा के एक नए चक्र को जन्म दे सकती है जो भारत को बर्बाद कर देगी।

अहिंसा के वैश्विक प्रतीक महात्मा गांधी ने जाति आधारित हिंसा को समाप्त करने और हिंदू-मुस्लिम एकता को बढ़ावा देने के लिए अपना जीवन समर्पित कर दिया। फिर भी आधुनिक भारत में उनकी विरासत को षड्यंत्रपूर्वक रचे घृणा अभियानों के माध्यम से बदनामी का सामना करना पड़ता है। अस्पृश्यता को मिटाने और समानता को बढ़ावा देने के उनके प्रयासों के बावजूद 2025 में भी दलितों और मुसलमानों को भेदभाव, शोषण और हिंसा का सामना करना पड़ रहा है जो गांधी और डॉ. अंबेडकर दोनों के दृष्टिकोण को धोखा दे रहा है।

सामाजिक और राजनीतिक ताकतें अल्पसंख्यकों को हाशिए पर डाल देती हैं, बहिष्कार एवं प्रतिरोध के माध्यम से उन्हें 'सबसे निचली जाति' के रूप में मानती हैं जिससे दुश्मनी और संभावित प्रतिशोध का माहौल पैदा होता है। सत्य, अहिंसा और वैश्विक एकता पर जोर देने वाले गांधी के सत्याग्रह के दर्शन ने दुनिया भर के आंदोलनों को प्रेरित किया लेकिन संकीर्ण लाभ के लिए इतिहास को तोड़-मरोड़कर पेश करने वालों से भारत को खतरा है। गांधी की 156वीं जयंती पर भारत को नफरत को अस्वीकार करना चाहिए, अंतरधार्मिक संवाद को अपनाना चाहिए और अलगाव को दूर करने तथा शांतिपूर्ण भविष्य को सुरक्षित करने के लिए न्याय को बनाए रखना चाहिए।

स्वदेशी एवं स्वावलम्बन ही नये भारत का आधार

-ललित गर्ग-

राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के स्थापना महोत्सव यानी प्रत्येक वर्ष विजयदशमी के अवसर पर संघ प्रमुख का उद्बोधन एक नए संदेश और नये दृष्टिकोण के साथ सामने आता है, इस उद्बोधन का पूरा राष्ट्र इंतजार करता है। इस बार संघ प्रमुख मोहन भागवत ने कई ऐसी बातें कहीं, जो सरकार के साथ समाज के लोगों का ध्यान खींचने वाली हैं। इस पर आश्चर्य नहीं कि उन्होंने अपने संबोधन में अमेरिकी राष्ट्रपति ट्रंप की ओर से भारत पर थोपे गए टैरिफ की चर्चा की। 50 प्रतिशत अमेरिकी टैरिफ ने भारत के समक्ष जो कठिन चुनौती खड़ी कर दी है, उसका प्रभावी ढंग से सामना स्वदेशी और स्वावलंबन की राह पर चलकर ही किया जा सकता है। भागवत ने संबोधन में स्वदेशी और स्वावलंबन को नए भारत का आधार बताया है। उन्होंने कहा कि आज की वैश्विक अर्थव्यवस्था में परस्पर निर्भरता एक स्वाभाविक स्थिति है, लेकिन यह निर्भरता कभी भी बंधन या मजबूरी में परिवर्तित नहीं होनी चाहिए। भारत को आत्मनिर्भर बनने की दिशा में आगे बढ़ना होगा ताकि विदेशी निर्णयों और नीतियों पर हमारी नियंत्रण क्षमता सीमित न हो जाए। उनका कहना था कि स्वदेशी का अर्थ यह नहीं है कि हम दुनिया से कट जाएं, बल्कि यह है कि हम अपनी शर्तों पर और अपनी आवश्यकताओं के अनुसार संबंध बनाएं।

संघ की स्थापना का यह अवसर केवल एक उत्सव मात्र नहीं था, बल्कि यह आयोजन भारत की आत्मा और उसके भविष्य की एक गहन घोषणा थी। भागवत ने स्पष्टता और गंभीरता से अपने विचार रखे, भारत को विश्वगुरु बनाने की दिशा में एक नया क्षितिज भी उद्घाटित किया। यह आयोजन संघ के सौ वर्ष सम्पूर्णता की साधना का मूल्यांकन ही नहीं, बल्कि आने वाले सौ वर्षों की दिशा का भी उद्घोष था। नई इबारत लिखते हुए भागवत ने स्पष्ट कहा कि संघ की कार्यप्रणाली का सार है, नए मनुष्य एवं सशक्त-स्वावलम्बी भारत का निर्माण। यह विचार सुनने में सरल लग सकता है, किंतु इसके निहितार्थ अत्यंत गहरे हैं। समाज और राष्ट्र की सारी समस्याओं का मूल व्यक्ति के भीतर छिपा है। इसीलिये देश के सभी वर्गों को एकसूत्र में जोड़ने के संकल्प के साथ संघ आगे बढ़ेगा क्योंकि जब तक व्यक्ति का चरित्र, दृष्टि और आचरण नहीं बदलते, तब तक कोई भी व्यवस्था स्थायी रूप से परिवर्तित नहीं हो सकती। संघ व्यक्ति-निर्माण के माध्यम से समाज और राष्ट्र को बदलने की दीर्घकालिक साधना कर रहा है। यही कारण है कि संघ के कार्य का परिणाम केवल शाखाओं या कार्यक्रमों में नहीं मापा जा सकता, बल्कि उस अदृश्य लेकिन ठोस नैतिक शक्ति एवं सशक्त राष्ट्रीय भावना में देखा जा सकता है, जो धीरे-धीरे समाज की दिशा बदल रही है।

भागवत ने स्पष्ट किया कि आत्मनिर्भरता केवल आर्थिक दृष्टि तक सीमित नहीं है, बल्कि यह सामाजिक, सांस्कृतिक और जीवन मूल्यों से भी जुड़ी हुई है। उन्होंने विविधता को भारत की विशेषता बताया और समाज में विभाजनकारी प्रवृत्तियों पर चेताया। उन्होंने पंच परिवर्तन की संकल्पना भी प्रस्तुत की जिसमें आत्मजागरूकता, पारिवारिक मूल्य, नागरिक अनुशासन और पर्यावरण के प्रति संवेदनशीलता को जोड़ा गया है। इस संदेश के सकारात्मक पक्ष अनेक हैं। यदि इसे गंभीरता से अपनाया जाए तो यह देश की आर्थिक और सामाजिक स्थिति को नई दिशा दे सकता है। स्थानीय उद्योगों, हस्तशिल्प और कृषि को बढ़ावा देने से रोजगार का सृजन होगा और आर्थिक आत्मसम्मान मजबूत होगा। स्वदेशी पर बल देने से विदेशी निर्भरता घटेगी और देश की सुरक्षा व नीति संबंधी स्वतंत्रता बढ़ेगी। यदि समाज के स्तर पर भी इस सोच को अपनाया जाए तो उपभोक्तावाद के स्थान पर संवेदनशीलता और सेवा भाव विकसित होगा। विविधता के सम्मान और सामाजिक सद्भाव के आग्रह से राष्ट्र अधिक एकजुट और शक्तिशाली बन सकता है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी भी जिस आत्मनिर्भर भारत का आह्वान कर रहे हैं, उसका मूल उद्देश्य केवल आर्थिक स्वतंत्रता तक सीमित नहीं है। यह संदेश देश की घरेलू क्षमताओं को सशक्त बनाने, आयात पर निर्भरता घटाने और स्थानीय उद्योगों को प्रोत्साहन देने के साथ-साथ विकास की दिशा को व्यापक सामाजिक सरोकारों से भी जोड़ता है, जिसमें महात्मा गांधी की ह्यस्वदेशी अपनाओह्न और पंडित दीनदयाल उपाध्याय की ह्यअंत्योदयह्न की परिकल्पना स्पष्ट तौर पर समाहित है।

स्वदेशी और स्वावलंबन की राह पर चलकर ही नया भारत-सशक्त भारत का निर्माण किया जा सकता है। इस बात को सरकार भी रेखांकित कर चुकी है और अब संघ प्रमुख ने भी दोहरा दिया। यह समय की मांग है कि स्वदेशी और स्वावलंबन पर तब तक बल दिया जाए, जब तक वांछित सफलता न मिल जाए। जहां सरकार को स्वदेशी की राह को आसान करना होगा, वहीं समाज को सहयोग देने के लिए तत्पर रहना होगा। इस उम्मीद में नहीं रहा जाना चाहिए कि अमेरिका के साथ शीघ्र ही आपसी व्यापार समझौता हो जाएगा। एक तो जब तक ऐसा हो न जाए तब तक चैन से नहीं बैठा जा सकता और दूसरे, यदि ऐसा हो जाए तो भी भारत को स्वदेशी और स्वावलंबन की राह पर चलना छोड़ना नहीं चाहिए।

पेरिस जलवायु समझौता हुआ नाकाम

-प्रमोद भार्गव-

जलवायु परिवर्तन की एक नई रपट ने चेतावनी दी है कि पेरिस जलवायु समझौते के दस साल बाद भी कई देश जीवाश्म ईंधन के उत्पादन को बढ़ावा दे रहे हैं। उत्पादन अंतराल रपट 2025 के अनुसार, अनेक देशों की सरकारें 2030 तक कोयला, तेल और गैस के उत्पादन की योजना बना रही हैं, जो वायुमंडल की तापमान वृद्धि को 1.5 डिग्री सेल्सियस तक सीमित रखने के लिए जरूरी ईंधन से दोगुने से अधिक हो सकता है। यह उत्पादन लक्ष्य से 120 प्रतिशत अधिक और 2 डिग्री सेल्सियस वृद्धि के लक्ष्य से 77 प्रतिशत अधिक है।

पेरिस समझौता 2025 में 10 साल पूरे कर रहा है। इसके अंतर्गत देशों ने तापमान वृद्धि को 1.5 डिग्री तक सीमित रखने और इसे दो डिग्री से बहुत नीचे रखने के प्रयास की प्रतिबद्धता जताई थी। दुबई में आयोजित हुए सीओपी 28 में सरकारों ने ह्यऊर्जा प्रणालियों में जीवाश्म ईंधन से दूसरे स्त्रोतों की ओर जानेह्य के आवाहन पर सहमति व्यक्त की थी। स्टाकहोम एनवायरमेंट इंस्टीट्यूट (एसईआई) और इंटरनेशनल इंस्टीट्यूट फॉर सस्टेनेबल डेवलपमेंट एंड क्लाइमेट एनालिटिक्स (यूएनईपी) की रपट के अनुसार जीवाश्म ईंधन का उपयोग कम करने की बजाए सरकारें अब सामूहिक रूप से 2035 तक कोयला उत्पादन, 2050 तक गैस उत्पादन और सदी के मध्य तक तेल उत्पादन में निरंतर वृद्धि की योजना बना रही हैं। अतएव कहा जा सकता है कि व्यतीत हो चुके समय की भरपाई के लिए आने वाले दशकों में जीवाश्म ईंधन उत्पादन में और भी तेजी से कमी लानी होगी।

भारत, अमेरिका, चीन, रूस, सऊदी अरब और आस्ट्रेलिया सहित 20 प्रमुख उत्पादकों को शामिल करते हुए किए गए विषलेशण से पता चला है कि 17 देश अभी भी 2030 तक एक जीवाश्म ईंधन का उत्पादन बढ़ाने की योजना बना रहे हैं। अर्थात कोयला, तेल या गैस का उत्पादन दो साल पहले की तुलना में कहीं अधिक होगा। रपट में बताया है कि 2030 तक कोयला उत्पादन 1.5 डिग्री सेल्सियस के अनुरूप स्तर से 500 प्रतिशत अधिक होगा, तेल 31 और गैस का उत्पादन 92 प्रतिशत से अधिक होगा। जबकि वैश्विक लक्ष्यों को प्राप्त करने के लिए 2040 तक कोयले का उपयोग लगभग समाप्त करने और 2050 तक तेल एवं गैस उत्पादन में तीन चौथाई कटौती की प्रतिबद्धता जताई थी।

धरती पर रहने वाले जीव-जगत पर करीब तीन दशक से जलवायु परिवर्तन के वर्तमान और भविष्य में होने वाले संकटों की तलवार लटकी हुई है। मनुष्य और जलवायु बदलाव के बीच की दूरी निरंतर कम हो रही है। पर्यावरण विज्ञानियों ने बहुत पहले जान लिया था कि औद्योगिक विकास से उत्सर्जित कार्बन और षहरी विकास से घटते जंगल से वायुमंडल का तपमान बढ़ रहा है, जो पृथ्वी के लिए घातक है। इस सदी के अंत तक पृथ्वी की गर्मी 2.7 प्रतिशत बढ़ जाएगी, नतीजतन पृथ्वीवासियों को भारी तबाही का सामना करना पड़ेगा। इस मानव निर्मित वैश्विक आपदा से निपटने के लिए प्रतिवर्श एक अंतरराश्ट्रीय पर्यावरण सम्मेलन जिसे कांफ्रेंस ऑफ पार्टीज (सीओपी/कॉप) के नाम से भी जाना जाता है की पिछली बैठक सीओपी 28वीं दुबई में संपन्न हुई थी। पेरिस समझौते के तहत वायुमंडल का तापमान औसतन 1.5 डिग्री सेल्सियस से कम रखने के प्रयास के प्रति भागीदार देशों ने वचनबद्धता जताई थी। लेकिन वास्तव में अभी तक 56 देशों ने संयुक्त राश्ट्र के मानदंडों के अनुसार पर्यावरण सुधार की घोषणा की है। इनमें यूरोपीय संघ, अमेरिका, चीन जापान और भारत भी शामिल हैं। लेकिन रूस और यूक्रेन तथा इजरायल और फिलिस्तीन युद्ध के चलते कार्बन उत्सर्जन पर नियंत्रण और नवीकरणीय ऊर्जा को जो बढ़ावा दिया जाना था, वह उम्मीद के अनुरूप नहीं हो पा रहा है। क्योंकि जिन देशों ने वचनबद्धता निभाते हुए कोयला से ऊर्जा उत्सर्जन के जो संयंत्र बंद कर दिए थे, उन्हें रूस द्वारा गैस देना बंद कर दिए जाने के बाद फिर से चालू करने की तैयारियां हो रही हैं। ब्रिटेन में हुई पहली औद्योगिक क्रांति में कोयले का महत्वपूर्ण योगदान रहा है। 1500 ईंसवीं में बड़ी मात्रा में कोयले के उत्खनन की षुरूआत हुई थी। इसके बाद जिन देशों में भी कारखाने लगे, उनमें लकड़ी और कोयले का प्रयोग लंबे समय तक होता रहा। दुनिया की रेलें भी कोयले से ही लंबे समय तक चलती रही हैं। भोजन पकाने, ठंड से बचने और उजाले के उपाय भी लकड़ी जलाकर किए जाते रहे हैं।

तरक्की को मुंह चिढ़ा रहे महिला अपराध

-योगेंद्र योगी-

विशेषज्ञों का कहना है कि सांस्कृतिक शर्मिंदगी और प्रतिशोध का डर रिपोर्ट दर्ज कराने में बड़ी बाधाएं हैं। भारत में महिलाओं के खिलाफ अपराधों का कारण पितृसत्तात्मक सोच, सामाजिक रूढ़िवादिता, शिक्षा और जागरूकता की कमी, कानूनों का कम प्रभावी कार्यान्वयन और महिलाओं के प्रति समाज की घटती संवेदनशीलता जैसे सामाजिक-आर्थिक और संरचनात्मक कारक हैं। भारत की चुनौती वैश्विक रुझानों के समान और उनसे भी बदतर है। कई देशों की तरह, भारत भी कम रिपोर्टिंग और कलंक से जूझ रहा है। लेकिन गहरी जड़ें जमाए हुए लैंगिक पूर्वाग्रह और विशाल जनसंख्या घनत्व का मतलब है कि अघोषित अपराधों का एक छोटा सा प्रतिशत भी बहुत बड़ी संख्या में तब्दील हो जाता है। अंतरराष्ट्रीय आंकड़ों की तुलना इस बात पर जोर देती है कि समाधानों में हर देश की हिस्सेदारी है, अंतरराष्ट्रीय समझौतों को लागू करने से लेकर सर्वोत्तम प्रथाओं को साझा करने तक। कानूनों और जागरूकता के मामले में भारत में हाल ही में हुए सुधार सकारात्मक हैं, लेकिन जमीनी हकीकत अभी भी कई समकक्षों से पीछे है

राष्ट्रीय अपराध रिकॉर्ड ब्यूरो (एनसीआरबी) के वर्ष 2023 के महिला अपराधों के आंकड़े देश की तरक्की के आंकड़ों को मुंह चिढ़ा रहे हैं। देश एक तरफ जहां रक्षा, विज्ञान, तकनीकी, चिकित्सा और अन्य क्षेत्रों में लगातार आगे बढ़ रहा है, वहीं महिलाओं के साथ होने वाले अपराधों के मामलों में शर्मसार हो रहा है। एनसीआरबी की रिपोर्ट के अनुसार 2023 में उससे पिछले दो सालों की तुलना में महिलाओं के खिलाफ अपराध के ज्यादा मामले सामने आए हैं। सबसे ज्यादा केस उत्तर प्रदेश में दर्ज किए गए। उसके बाद महाराष्ट्र, राजस्थान, पश्चिम बंगाल और मध्य प्रदेश हैं। रिपोर्ट के अनुसार 2023 में पूरे देश में ऐसे करीब 4.5 लाख मामले दर्ज किए गए। वर्ष 2023 में महिलाओं के खिलाफ अपराध के कुल 448211 मामले दर्ज किए गए, जबकि 2022 में 445256 और 2021 में 428278 मामले थे। उत्तर प्रदेश में सबसे अधिक 66381 मामले दर्ज किए गए, उसके बाद महाराष्ट्र में 47101, राजस्थान में 45450, पश्चिम बंगाल में 34691 और मध्यप्रदेश में 32342 मामले दर्ज किए गए। तेलंगाना प्रति लाख महिला जनसंख्या पर 124.9 अपराध दर के साथ शीर्ष पर रहा, जबकि इसके बाद राजस्थान 114.8, ओडिशा 112.4, हरियाणा 110.3 और केरल में 86.1 अपराध दर दर्ज की गई। भारतीय दंड संहिता (आईपीसी) की धारा 498 के तहत पति या रिश्तेदारों द्वारा क्रूरता के मामले सबसे ज्यादा थे, जिनमें 133676 मामले दर्ज किए गए और इनकी दर 19.7 रही।

महिलाओं के अपहरण और बंधक बनाने के 88605 मामले दर्ज किए गए और इनकी दर 13.1 रही। महिलाओं की गरिमा भंग करने के इरादे से हमला करने के 83891 मामले आए, जबकि बलात्कार के 29670 मामले दर्ज किए गए। अठारह वर्ष और उससे अधिक आयु की महिलाओं से बलात्कार के 28821 मामले आए और 18 वर्ष से कम आयु की लड़कियों से बलात्कार के 849 मामले आए। बलात्कार के प्रयास के 2796 मामले दर्ज किए गए। यौन अपराधों से बच्चों का संरक्षण (पॉक्सो) अधिनियम के तहत बच्चों से बलात्कार के 40046 मामले, यौन उत्पीड? के 22149 मामले, यौन प्रताड?ा के लिए 2778 मामले, पोर्नोग्राफी के लिए बच्चों का इस्तेमाल करने के 698 मामले और कानून के अन्य प्रावधानों के तहत 513 मामले दर्ज किए गए। पुलिस के निपटारा आंकड़ों से पता चला कि पिछले वर्षों से 185961 मामले जांच के लिए लंबित थे, जबकि 448211 नए मामले दर्ज किए गए और 987 स्थानांतरित किए गए। इस तरह कुल 635159 मामले थे। एसिड अटैक के 113 मामले दर्ज किए गए। साल 2012 में दिल्ली में निर्भया के बलात्कार और हत्या के बाद जमीन पर ज्यादा कुछ बदला नहीं दिखता। कठोर कानून मौजूद हैं, पर वे कितने प्रभावी हैं? साल 2022 के लिए उपलब्ध आंकड़े दिखाते हैं कि ह्यमहिलाओं के खिलाफ अपराधह्न के कुल 445256 मामले दर्ज किए गए, जो साल 2021 से चार फीसदी ज्यादा थे। महिलाओं के खिलाफ अपराध का सबसे बड़ा हिस्सा ह्यपति या उसके रिश्तेदारों द्वारा क्रूरताह्न (31.4 फीसदी) के तहत दर्ज हुआ, जबकि सभी अपराधों में ह्यशील हनन की नीयत से महिलाओं पर हमलेह्न का हिस्सा 18.7 फीसदी था, और बलात्कार 7.1 फीसदी पर रहा। डब्ल्यूपीएस इंडेक्स (महिला शांति और सुरक्षा सूचकांक) की 2023 की रिपोर्ट में भारत की रैंकिंग साल 2023 में 128वें स्थान पर रही।

डेनमार्क, स्विट्जरलैंड और स्वीडन शीर्ष पर रहे, जबकि अफगानिस्तान, यमन और मध्य अफ्रीकी गणराज्य सबसे निचले स्थान पर रहे। रिपोर्ट में यह भी कहा गया है कि 2022 में महिलाओं को निशाना बनाकर की जाने वाली राजनीतिक हिंसा के मामले में भारत शीर्ष 10 सबसे खराब देशों में शामिल है। मैक्सिको 537 ऐसी घटनाओं के साथ इस सूची में शीर्ष पर है, उसके बाद ब्राजील (327) का स्थान है, जबकि भारत इस सूची में 125 घटनाओं (प्रति 100000 महिलाओं पर) के साथ सातवें स्थान पर है, जहां विशेष रूप से राजनीतिक हिंसा के लिए महिलाओं को निशाना बनाया जाता है। राष्ट्रीय परिवार स्वास्थ्य सर्वेक्षण (2019-21) में पाया गया कि 18-49 वर्ष की आयु की 29.3 फीसदी महिलाओं ने अपने जीवनकाल में पति द्वारा हिंसा का अनुभव किया है। अगर अपराध दर्ज भी हो जाते हैं, तो न्याय धीमा हो सकता है। पितृसत्तात्मक दृष्टिकोण अक्सर पीड़ितों को ही दोषी ठहराते हैं या उनकी गवाही को हतोत्साहित करते हैं। परिणामस्वरूप, कई मामले आधिकारिक रिकॉर्ड में दर्ज ही नहीं होते।

NCR समाचार

संपादकीय कार्यालय

जी-12/276, संगम विहार, नई दिल्ली-110062. सोमवार से शनिवार प्रात: 9:00 से सायं 9:00

फोन: 8888883968, 9811111715

आवश्यक सूचना

एनसीआर समाचार के समस्त पाठकों तथा पत्र के साथ जुड़े समस्त पत्रकारों, व्यावसायिक संयोजक, सरकारी एवं गैर सरकारी संस्थाओं/संस्थानों को यह सूचित किया जाता है कि गत वर्षों से श्री बलबीर सिंह के नेतृत्व व स्वामित्व में चले आ रहे वर्तमान एनसीआर समाचार पत्र का प्रकाशन व स्वामित्व मो. हनीफ, पुत्र श्री इस्माईल खान मास्टरजी, संगम विहार के स्वामित्व व नेतृत्व में हो रहा हैं। अतः भविष्य में समस्त प्रकार की व्यावसायिक, कानूनी एवं सामाजिक गतिविधियों के संचालन हेतु मो. हनीफ/ नये कार्यालय जी 12/276, संगम विहार, नई दिल्ली - 110062, दूरभाष (मोबाईल) 8888883968, 9811111715 से सम्पर्क करें

सीएम योगी आदित्यनाथ ने जनता दर्शन में सुनीं समस्याएं, अधिकारियों को निस्तारण के निर्देश

लखनऊ, एजेंसी। उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने शुक्रवार को गोरखनाथ मंदिर परिसर में आयोजित जनता दर्शन कार्यक्रम के तहत विभिन्न जनपदों से आए लोगों की समस्याएं सुनीं और उन्हें मदद का भरोसा दिया। इसकी जानकारी मुख्यमंत्री कार्यालय ने अपने सोशल मीडिया एक्स हैंडल पर दी है। सीएमओ के सोशल मीडिया एक्स हैंडल पर कहा गया, मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ का व्यक्तित्व जन सेवा की साधना का जीवंत स्वरूप है। त्याग, अनुशासन और राष्ट्र समर्पण उनकी कार्यशैली के आधार हैं, जिन्होंने प्रदेश को सुरक्षा, सुशासन और विकास के नए मानकों पर स्थापित किया है। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने अधिकारियों को जनसमस्याओं के त्वरित निराकरण के लिए निर्देशित किया है। जनता दर्शन कार्यक्रम एक सरकारी पहल है, जिसका उद्देश्य आम जनता की समस्याओं को सीधे सुनना और उनका त्वरित समाधान करना है।

इस कार्यक्रम के तहत लोग अपनी शिकायतें, सुझाव या मांगें सीधे सरकारी अधिकारियों या जनप्रतिनिधियों के सामने रख सकते हैं। यह आमतौर पर जिला, तहसील या ग्राम स्तर पर आयोजित किया जाता है, जहां लोग बिना किसी बिचौलिए के अपनी बात रखते हैं। इसकी शुरूआत भारत के विभिन्न राज्यों में अलग-अलग समय पर हुई। विशेष रूप से उत्तर प्रदेश, दिल्ली और हरियाणा जैसे राज्यों में यह लोकप्रिय है। उत्तर प्रदेश में मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने 2017 में इसे व्यवस्थित रूप से लागू किया, ताकि प्रशासन और जनता के बीच दूरी कम हो। इसका विचार पारदर्शी और जवाबदेह शासन को बढ़ावा देने से प्रेरित है। जनता दर्शन का मुख्य मकसद जनता की समस्याओं जैसे जमीन विवाद, सरकारी योजनाओं में देरी या प्रशासनिक शिकायतों को सुनकर तुरंत कार्रवाई करना है। यह कार्यक्रम भ्रष्टाचार को कम करने, प्रशासनिक कार्यों में तेजी लाने और जनता का विश्वास जीतने में मदद करता है।

लखनऊ : कांग्रेस ने राहुल को राम के रूप में दर्शाया, रावण रूपी 10 मुद्दों पर किया प्रहार

लखनऊ, एजेंसी। उत्तर प्रदेश की राजधानी लखनऊ में कांग्रेस कार्यालय के बाहर एक अनोखा होर्डिंग लगाया गया है, जिसमें लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी भगवान राम के रूप में नजर आ रहे हैं, जबकि रावण के रूप में महंगाई, जंगलराज, भ्रष्टाचार, ईडी और वोट चोर जैसे मुद्दों को दर्शाया गया है। रावण रूपी इन मुद्दों पर राहुल गांधी तीर चलाते हुए दिखाई दे रहे हैं। उत्तर प्रदेश कांग्रेस कार्यालय के बाहर लगा यह होर्डिंग खुद को लखनऊवासी बताने वाले कांग्रेस के युवा नेता आर्यन मिश्रा ने लगाया है, जो सोशल मीडिया पर वायरल हो रहा है। इस होर्डिंग के माध्यम से केंद्रीय और राज्य सरकार पर वर्तमान समस्याओं को रावण के प्रतीक के रूप में चित्रित कर हमला बोला गया है, जबकि राहुल गांधी को बुराई पर विजय पाने वाले भगवान राम के रूप में पेश किया गया है। वहीं, कांग्रेस प्रदेश अध्यक्ष अजय राय को लक्ष्मण की भूमिका में चित्रित किया गया है। इस होर्डिंग में रावण के 10 सिरों पर महंगाई, जंगलराज, भ्रष्टाचार, ईडी, वोट चोर, चुनाव आयोग (ईसी), सीबीआई, बेरोजगार, पेपरलीक और तानाशाही जैसे मुद्दे लिखे हुए हैं। कांग्रेस नेता आर्यन मिश्रा ने कहा, जो अन्याय के विरुद्ध लड़ता है, वह भगवान राम है। जो गरीब, शोषित और वंचित की बात करता है, वह भगवान राम है। जो बेसहारा को सहारा देता है, वह भगवान राम है। आज के युग में नफरती, अत्याचारी और दमनकारी सरकार के खिलाफ राहुल गांधी लड़ रहे हैं। भगवान राम ने हमेशा प्यार को बांटा है और अत्याचार के खिलाफ लड़ाई लड़ी है।

बांदा में पटाखा विस्फोट से मासूम की मौत, भाई घायल

बांदा, एजेंसी। उत्तर प्रदेश के बांदा जिले में दशहरा पर्व की खुशियां एक परिवार के लिए मातम में बदल गईं। सड़क किनारे एक पटाखे के फटने से 6 वर्षीय मासूम की मौत हो गई, जबकि उसका बड़ा भाई गंभीर रूप से घायल हो गया। उत्तर प्रदेश के बांदा जिले में यह दिल दहला देने वाला हादसा उस समय हुआ, जब दोनों भाई देवी विसर्जन के बाद घर लौट रहे थे। घटना बांदा नगर कोतवाली क्षेत्र के बड़ोखर खुर्द गांव की है। जानकारी के मुताबिक, 9 वर्षीय सूरज और उसका 6 वर्षीय छोटा भाई आकाश देवी विसर्जन के बाद सड़क किनारे पड़े पटाखों के साथ खेल रहे थे। खेल-खेल में आकाश ने एक पटाखा उठा लिया। अचानक पटाखे में जोरदार विस्फोट हुआ, जिससे आकाश का चेहरा बुरी तरह क्षतिग्रस्त हो गया। इस हादसे में सूरज को भी गंभीर चोटें आईं।

हादसे के बाद गांव में कोहराम मच गया। परिजनों ने तत्काल दोनों बच्चों को रानी दुर्गावती मेडिकल कॉलेज पहुंचाया। चिकित्सकों ने आकाश की गंभीर हालत को देखते हुए उसे कानपुर रेफर किया, लेकिन परिजन कानपुर ले जाने की व्यवस्था कर पाते, उससे पहले ही आकाश ने दम तोड़ दिया। वहीं, सूरज को मेडिकल कॉलेज में भर्ती कर इलाज शुरू किया गया है, जहां उसकी हालत नाजुक बनी हुई है। सूचना मिलते ही पुलिस मौके पर पहुंची और आकाश के शव को कब्जे में लेकर पोस्टमॉर्टम के लिए भेज दिया। पुलिस ने हादसे की जांच शुरू कर दी है और यह पता लगाने की कोशिश कर रही है कि सड़क पर पटाखे कहां से आए। इस घटना ने पूरे गांव को झकझोर कर रख दिया है और हर तरफ शोक की लहर छा गई है। परिजनों का रो-रोकर बुरा हाल है, और गांववासी इस दुखद घटना से स्तब्ध हैं।

उत्तर प्रदेश में धूमधाम से मनाया गया असत्य पर सत्य की विजय का प्रतीक दशहरा

लखनऊ, एजेंसी। असत्य पर सत्य की जीत का प्रतीक विजयादशमी पर्व गुरुवार को समूचे उत्तर प्रदेश में परंपरागत रावण दहन के कार्यक्रम के साथ संपन्न हो गया। इस दौरान पूर्वी उत्तर प्रदेश के कुछ जिलों में बारिश ने रामलीला और रावण दहन के कार्यक्रम में खलल डाला मगर लोगों ने पूरे उत्साह के साथ पर्व में हिस्सा लिया। लखनऊ में ऐशबाग स्थित रामलीला मैदान पर रावण दहन का कार्यक्रम संपन्न हुआ। इस मौके पर पूर्व महापौर व मौजूदा राज्यसभा सांसद डा दिनेश शर्मा मौजूद थे। भव्य रामलीला के बाद बेजोड़ आतिशबाजी ने दर्शकों की खूब वाहवाही लूटी। कानपुर में रावण दहन का मुख्य कार्यक्रम परेड स्थित रामलीला मैदान पर हुआ जबकि शास्त्री नगर,लाजपत नगर,गुजैनी,लाल बंगला आदि अनेक स्थानों पर रावण के पुतले फूंके गये। बांदा में रावण दहन के साथ आज से पांच दिनों तक चलने वाला दशहरा पर्व शुरू हो गया। यहां आज से हर रोज पांच दिनो तक अलग अलग क्षेत्रों में रावण दहन का कार्यक्रम होगा। प्रयागराज में भ्रष्टाचार और रिश्वतखोरी की बुराई के प्रतीक दस सिर वाले रावण के पुतले में आग लगायी गयी। इस अवसर पर आतिशबाजों के बीच रोमांचक मुकाबला देखने योग्य था। वाराणसी, जौनपुर, बुलंदशहर, देवरिया, कुशीनगर, उन्नाव, बाराबंकी समेत लगभग पूरे प्रदेश में रामलीला और रावण दहन के कार्यक्रमों की धूम मची रही।

उत्तर प्रदेश के युवाओं के सपनों को पंख दे रहा मुख्यमंत्री युवा उद्यमी विकास अभियान

लखनऊ, एजेंसी। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ प्रदेश को वन ट्रिलियन डॉलर की इकोनॉमी बनाने की दिशा में लगातार आवश्यक कदम उठा रहे हैं। इसी के तहत सीएम योगी प्रदेश के युवाओं को आत्मनिर्भर बनाने एवं स्वरोजगार के अवसर उपलब्ध कराने के लिए विभिन्न योजनाएं संचालित कर रहे हैं। इन योजनाओं में मुख्यमंत्री युवा उद्यमी विकास अभियान योजना प्रदेश के युवाओं की पहली पसंद बन गई है। इसका अंदाजा आप इसी से लगा सकते हैं कि वर्तमान वित्तीय वर्ष के 6 माह में अब तक प्रदेश भर में ढाई लाख से अधिक आवेदन आ चुके हैं, जबकि योगी सरकार ने वित्तीय वर्ष 2025-26 मंज 1 लाख 50 हजार लोन वितरित करने का लक्ष्य रखा है।

इन आंकड़ों से साफ है कि सीएम योगी की मुख्यमंत्री युवा उद्यमी विकास अभियान युवाओं को अपनी ओर आकर्षित कर रही है और वे इससे जुड़कर अपने सपनों को साकार कर रहे हैं। वहीं योजना का लाभ देने में पूरे उत्तर प्रदेश में जौनपुर ने प्रथम स्थान प्राप्त कर बाजी मारी है, जबकि दूसरे स्थान पर आजमगढ़ और तीसरे स्थान पर कौशांबी है। पूरे देश में उत्तर प्रदेश की योगी सरकार ही है, जो प्रदेश के युवाओं को सिर्फ रोजगार उपलब्ध कराने पर जोर नहीं दे रही है, बल्कि उन्हे एक मजबूत उद्यमी बनने के लिए सक्षम बना रही है। इसी का असर है कि प्रदेश के युवा न केवल अपने व्यवसाय को बढ़ावा दे रहे हैं बल्कि समाज के लिए भी एक सकारात्मक बदलाव ला रहे हैं। इसी कड़ी में मुख्यमंत्री युवा उद्यमी विकास अभियान योजना प्रदेश के युवाओं को सशक्त बनाने और उन्हें उद्यमिता की दिशा में प्रेरित करने के लिए महत्वपूर्ण कदम साबित हो रही है। इस योजना के तहत वर्तमान वित्तीय वर्ष 2025-26 में लक्ष्य 1 लाख 50 हजार के सापेक्ष 6 माह मंफ पूरे प्रदेश से 2,55,174 युवा लोन के लिए आवेदन कर चुके हैं जबकि 2,08,097 आवेदनों को बैंक को फॉरवर्ड कर दिया गया है।

सीएम युवा कॉन्क्लेव ने लिखी नई इबारत

12 हजार से अधिक बिजनेस इंक्वायरी और 9,200 पंजीकरण

लखनऊ, एजेंसी। उत्तर प्रदेश सरकार के महत्वाकांक्षी सीएम युवा मिशन के तहत आयोजित सीएम युवा कॉन्क्लेव उत्तर प्रदेश इंटरनेशनल ट्रेड शो (यूपीआईटीएस) 2025 का सबसे बड़ा आकर्षण बनकर उभरा। पांच दिवसीय आयोजन ने न केवल युवाओं को नए-नए बिजनेस मॉडल्स से रूबरू कराया, बल्कि उद्यमशीलता और स्वरोजगार की दिशा में नए अवसर भी खोले। इस पांच दिवसीय आयोजन के दौरान कुल 12,025 बिजनेस इंक्वायरी, 9,200 पंजीकरण, 377 बिजनेस-टू-बिजनेस (बी2बी) मीटिंग्स और 90 बिजनेस प्रजेंटेशंस दर्ज किए गए। उल्लेखनीय है मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ की महत्वाकांक्षी योजना सीएम युवा तेजी से युवाओं के बीच लोकप्रिय हो रही है। ग्रेटर नोएडा में आयोजित इस कॉन्क्लेव और एक्सपो ने साबित कर दिया कि प्रदेश के युवा स्टार्टअप, उद्यमशीलता, स्वरोजगार और नवाचार की दिशा में तेजी से आगे बढ़ रहे हैं।

सरकार को उम्मीद है कि इस आयोजन के बाद बड़ी संख्या में युवा इस योजना का लाभ उठाने के लिए आवेदन करेंगे। इनमें डॉक्टर मोरिंगा, एमबीए मखानेवाला, हनीमैन, चीजी क्रेजी कैफे और ओसियन एंटरप्राइज जैसे ब्रांड्स ने अपनी सफलता की कहानियां साझा कीं। इन प्रस्तुतियों ने युवाओं को नवाचार और टिकाऊ बिजनेस मॉडल की दिशा में प्रेरित किया। सबसे अधिक व्यवसायिक पूछताछ प्राप्त करने वाले ब्रांड्स में ओसियन एंटरप्राइजेज (700+), यूपीसीएस स्टोर (650+), एमबीए मक्खनवाला (550+), प्रॉस्पर ग्रुप (500+), और आईक्यूटीएम (450+) शामिल रहे। सीएम युवा मिशन को यूपीआईटीएस 2025 की सफलता में उत्कृष्ट योगदान के लिए अवार्ड ऑफ ऑनर प्रदान किए गए। यह सम्मान केंद्रीय वाणिज्य एवं उद्योग मंत्री पीयूष गोयल ने प्रदेश के कैबिनेट मंत्री (औद्योगिक विकास, निर्यात प्रोत्साहन, एनआरआई एवं निवेश प्रोत्साहन) नंद गोपाल नंदी, मंत्री (एमएसएमई, खादी, ग्रामोद्योग, रेशम एवं वस्त्र) राकेश सचान, अपर मुख्य सचिव एमएसएमई एवं निर्यात प्रोत्साहन आलोक कुमार और मिशन डायरेक्टर-सीएम युवा के. विजयेन्द्र पांडियन की मौजूदगी में प्रदान किया।

भाई-बाप के रहते बहनों-बेटियों को प्रेम जाल में फंसाया जा रहा, लव जिहाद पर बोलीं साध्वी प्रज्ञा ठाकुर

इटावा, एजेंसी। पूर्व सांसद साध्वी प्रज्ञा ठाकुर ने दावा किया कि लव जिहाद के मामले लगातार बढ़ रहे हैं। उन्होंने आरोप लगाया कि विधर्मी इतने निर्भीक हो गए हैं कि वे बहन-बेटियों को प्रेम के जाल में फंसाकर ले जा रहे हैं। साध्वी प्रज्ञा ठाकुर ने यूपी के इटावा में एक कार्यक्रम के दौरान कहा, हमारे यहां लव जिहाद चल रहा है और विधर्मियों की इतनी हिम्मत हो गई है कि भाई के रहते बहन को उठाकर ले जाते हैं, पिता के रहते बेटियों को उठाकर ले जाते हैं, और पति के रहते पत्नी को प्रेम जाल में फंसाकर ले जाते हैं। वे अपने झूठे नाम बताते हैं और मातृशक्ति का भाव बिगाड़कर उन्हें अपने यहां ले जाते हैं, जबकि हमारे यहां के पुरुष सोते रह जाते हैं, जो हमारे लिए शर्म की बात है। प्रज्ञा ठाकुर ने सनातन धर्म के अनुयायियों को सलाह देते हुए आगे कहा कि सनातन धर्म के अनुयायियों को अपने धर्म, समुदाय और महिलाओं की गरिमा तथा सुरक्षा के प्रति सजग और संगठित रहना चाहिए। यदि किसी भी तरह की अनैतिक या आपराधिक घटना सामने आती है, जिससे किसी सनातनी महिला का अपमान या उत्पीड़न होता है, तो हमें कानूनी, सामाजिक और आत्म-रक्षा के सभी प्रभावी साधनों का उपयोग करना चाहिए। उन्होंने कहा कि हम जिस महान भूमि के वासी हैं, हमें उस भूमि की नैतिक और धार्मिक विरासत की रक्षा करनी चाहिए। अगर हम अपने पड़ोस, देश और धर्म की लाज नहीं बचा पाए, तो हमारा होना व्यर्थ है। प्रज्ञा ने चंबल क्षेत्र का जिक्र करते हुए कहा, पुरुषार्थी पुरुषार्थ करते हैं। मैं बताना चाहती हूं कि अंग्रेजों को पराजित करने का काम चंबल क्षेत्र के लोगों ने किया है। जब अंग्रेज चंबल के ग्रामीण क्षेत्रों में कर लेने के लिए आते थे, तो उस समय लोगों ने प्रताड़ना के बावजूद उन्हें कर नहीं दिया। चंबल का पानी ऐसा ही है। अगर कोई हमारी मयार्दा को आंच पहुंचाएगा और उसके बावजूद खून नहीं खोलेगा, तो पुरुषों को अपने बारे में सोचना होगा कि क्या वे वास्तव में मर गए हैं या फिर जिंदा हैं। उन्होंने आगे कहा, मैं कहूंगी कि मर-मरकर जीने के बजाय जीवन जीकर मरो।

एक नजर

योगी ने आगरा हादसे का लिया संज्ञान

लखनऊ, एजेंसी। उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने आगरा में हुई दुर्भाग्यपूर्ण दुर्घटना में हुई जनहानि पर गहरा शोक प्रकट किया है। घायलों को तत्काल अस्पताल पहुंचाकर जिला प्रशासन के अधिकारियों को उनके समुचित उपचार के निर्देश दिए हैं। योगी ने शोक संतप्त परिजनों के प्रति अपनी संवेदनाएं व्यक्त करते हुए प्रभु श्री राम से दिवंगत आत्माओं को सद्गति एवं शोकाकुल परिजनों को यह अथाह दुःख सहने की शक्ति प्रदान करने हेतु प्रार्थना की है। उन्होने घायलों को तत्काल अस्पताल पहुंचाकर जिला प्रशासन के अधिकारियों को उनके समुचित उपचार के निर्देश दिए हैं, साथ ही उनके शीघ्र स्वस्थ होने की भी कामना की है। गौरतलब है कि आगरा में दुर्गा प्रतिमा विसर्जन के दौरान बड़ा हादसा हो गया। खेरागढ़ क्षेत्र में उटंगन नदी में 14 लोगों के डूबने की सूचना है। अब तक तीन लोगों के शव निकाले जा चुके हैं। डूबे हुए लोगों की तलाश में गोताखोर जुटे हुए हैं।

वाराणसी में बारिश के बीच संपन्न हुआ ऐतिहासिक भरत मिलाप

वाराणसी, एजेंसी। धार्मिक नगरी काशी के नाटी इमली मैदान में होने वाली विश्व प्रसिद्ध भरत मिलाप लीला शुक्रवार को जोरदार बारिश के बीच संपन्न हुई। खास बात यह रही कि बड़ी संख्या में भक्त बारिश में भीगते हुए इस लीला को देखने पहुंचे। परंपरा के अनुसार, काशी नरेश अनंत नारायण सिंह भी इस आयोजन में शामिल हुए। श्री चित्रकूट रामलीला समिति के अध्यक्ष सुबोध अग्रवाल ने बताया कि गोस्वामी तुलसीदास के समकालीन संत मेघा भगत के समय से इस ऐतिहासिक लीला की शुरूआत मानी जाती है। इस अवसर पर यादव बंधुओं और काशीवासियों द्वारा पुष्पक विमान की पूजा की जाती है। दोपहर 3:45 बजे पुष्पक विमान पर प्रभु श्री राम, लक्ष्मण और माता जानकी सवार होकर धूपचंडी मैदान से नाटी इमली मैदान की ओर प्रस्थान करते हैं। विशेष बात यह है कि कई टन वजन वाले पुष्पक विमान को काशीवासी यादव बंधु अपने कंधों पर उठाकर लीला स्थल तक ले जाते हैं। ठीक 4:40 बजे, अस्ताचलगामी सूर्य की किरणों के बीच श्री राम, लक्ष्मण, भरत और शत्रुघ्न का भावपूर्ण मिलाप होता है।

बहराइच सड़क हादसे में दो की मौत

बहराइच, एजेंसी। उत्तर प्रदेश में बहराइच जिले के जरवलरोड़ थाना क्षेत्र में शुक्रवार शाम तेज रफ्तार मिनी क्रेन की चपेट में आने से बाइक सवार दो लोगों की मौत हो गयी। पुलिस ने बताया कि कुड़वा ब्रिज के पास हुयी इस दुर्घटना में मृतकों की पहचान वीरेंद्र (40) और प्रकाश गौतम (38) के रूप में हुई है। दोनों युवक मां दुर्गा की प्रतिमा विसर्जन के लिए घाघरा घाट जा रहे थे। लगभग चार बजे, बहराइच-लखनऊ राजमार्ग पर स्थित कुड़वा ब्रिज के पास, जब वे बाइक चला रहे थे, तभी एक मिनी क्रेन, जो एक क्षतिग्रस्त मिनी ट्रक को लेकर जा रही थी, ने उनकी बाइक को टक्कर मार दी। हादसे के उपरांत मिनी क्रेन का चालक वाहन छोड़कर मौके से फरार हो गया।

सपा सांसद अवधेश प्रसाद लोकसभा में उठायेगे टीईटी अनिवार्यता का मुद्दा

अयोध्या, एजेंसी। अयोध्या में समाजवादी पार्टी (सपा) सांसद अवधेश प्रसाद प्रदेश में लागू हुई शिक्षक पात्रता परीक्षा की अनिवार्यता का मुद्दा लोकसभा में प्रमुखता से उठायेगे।

उन्होने शिक्षक संगठन के पदाधिकारियों को इस संवेदनशील मुद्दे को लोकसभा में उठाने का भरोसा दिलाया। ज्ञातव्य है कि उच्चतम न्यायालय के आदेश के बाद देशभर के सभी कार्यरत शिक्षकों के लिए टीईटी अनिवार्य कर दी गई है। इस फैसले से लंबे समय से सेवा दे रहे शिक्षकों में गहरा असंतोष है। अयोध्या से सपा सांसद अवधेश प्रसाद ने इस मुद्दे पर शिक्षकों का समर्थन करते हुए कहा कि वे इसे संसद में जोरदार तरीके से उठाएँगे। शिक्षकों के एक प्रतिनिधिमंडल ने सांसद अवधेश प्रसाद को ज्ञापन सौंपा। उन्होंने बताया कि 20-25 वर्षों से सेवा दे रहे शिक्षकों को दोबारा परीक्षा देने के लिए बाध्य करना पूर्णतः अन्याय है। सांसद ने कहा कि यह निर्णय शिक्षकों की गरिमा और उनके अनुभव पर प्रश्नचिह्न खड़ा करता है। उच्चतम न्यायालय ने अपने निर्देश में कहा है कि कार्यरत शिक्षकों को टीईटी परीक्षा पास करने के लिए दो अवसर दिए जाएंगे। यदि वे सफल नहीं हो पाते हैं तो उनकी नौकरी पर खतरा मंडरा सकता है।

मस्जिद में लगाया सऊदी अरब का झंडा, मुकदमा दर्ज

आजमगढ़,एजेंसी। उत्तर प्रदेश में आजमगढ़ जिले के अतरौलिया थाना क्षेत्र में एक मस्जिद पर सऊदी अरब का झंडा फहराए जाने का वीडियो वायरल होते ही शुक्रवार को आजमगढ़ पुलिस सक्रिय हुई और उसने तत्काल झंडा उतरवा कर आरोपी युवक के खिलाफ मुकदमा दर्ज कर दिया । फिलहाल युवक फरार है पुलिस उसकी तलाश में जुटी हुई है पुलिस अधीक्षक ग्रामीण चिराग जैन ने बताया कि मामला अतरौलिया थाना क्षेत्र के ग्राम ग्राम कड़सरा शिवदास का पुरा का है, जहां स्थित नूरी मस्जिद की मीनार पर कथित तौर पर सऊदी अरब का झंडा लगाए जाने का मामला सामने आया है। घटना का वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल होने के बाद पुलिस ने सक्रियता दिखाते हुए मौके पर पहुंचकर झंडा उतरवाया। , सोशल मीडिया पर गौरव सिंह रघुवंशी द्वारा साझा किए गए एक वीडियो में मस्जिद की मीनार पर सऊदी अरब का झंडा लगाया गया था। वीडियो वायरल होते ही उपनिरीक्षक जफर अयूब हमराहियों के साथ मौके पर पहुंचे और झंडा उतरवाकर सुरक्षित किया । पुलिस जांच में सामने आया कि कड़सरा शिवदास का पुरा का ही रहने वाले एक युवक ने यह झंडा लगाया था। एसपी ग्रामीण चिराग जैन बताया कि अतरौलिया के नूरी मस्जिद पर सऊदी अरब के झंडा लगाने की सूचना मिली। यह कृत धार्मिक भावनाओं को आहत करने वाला तथा समाज में वैमनस्यता फैलाने वाला माना गया है। आरोपी के खिलाफ मुकदमा दर्ज कर आवश्यक विधिक कार्रवाई शुरू कर दी गई है।

मुरादाबाद: अवैध हथियार फैक्ट्री का भंडाफोड़, दो आरोपी गिरफ्तार

मुरादाबाद, एजेंसी। यूपी के मुरादाबाद के थाना पाकबड़ा पुलिस ने अवैध असलहा तस्करी पर बड़ी कार्रवाई की है। पुलिस ने अवैध शस्त्र फैक्ट्री का भंडाफोड़ करते हुए मौके से दो लोगों को गिरफ्तार किया है। साथ ही, भारी मात्रा में बने और अधबने तमंचों के साथ हथियार बनाने का सामान भी बरामद किया गया है। थाना पाकबड़ा पुलिस और सीओ हाइवे टीम ने संयुक्त रूप से छापामारी कर इस फैक्ट्री का भंडाफोड़ किया है। दरअसल, पुलिस को गुप्त सूचना मिली थी कि थाना क्षेत्र के एक खंडहरनुमा मकान में अवैध हथियार बनाने का काम चल रहा है। इस पर टीम ने दबिश दी और मौके से 8 बने हुए तमंचे, 9 अधबने तमंचे और हथियार बनाने का उपकरण बरामद किया। एसपी सिटी कुमार रणविजय सिंह ने प्रेस वार्ता के दौरान बताया कि गिरफ्तार आरोपियों के नाम सरकार हुसैन और जेहरुल हैं। प्रारंभिक पूछताछ में दोनों आरोपियों ने यह स्वीकार किया कि वे पिछले 4-5 महीनों से इस धंधे में लिप्त थे और आसपास के जिलों में तमंचों की सप्लाई करते थे। पुलिस के अनुसार आरोपी 2 से 5 हजार रुपए में एक तमंचा बेचते थे। मुरादाबाद के एसपी सिटी कुमार रणविजय सिंह ने बताया कि संयुक्त कार्रवाई में एक अवैध हथियार बनाने वाली फैक्ट्री का भंडाफोड़ किया गया है। और इस मामले में दो लोगों को गिरफ्तार किया गया है। आरोपियों की पहचान सरकार हुसैन और जेहरुल के रूप में हुई। एसपी सिटी ने आगे बताया कि मुखबिरों की सूचना पर यह कार्रवाई की गई।

डेल्टा एयरलाइन के विमान आपस में टकराए, एक का पंख तो दूसरे की नोज टूटी

-यात्रियों में मचा हड़कंप, सोशल मीडिया पर हादसे की तस्वीरें वायरल

वाशिंगटन (एजेंसी)। अमेरिका के न्यूयॉर्क शहर में बुधवार रात ला गार्डिया एयरपोर्ट पर डेल्टा एयरलाइंस की दो फ्लाइट्स आपस में टकरा गईं। रिपोर्ट्स के मुताबिक एक डेल्टा रीजनल जेट गेट की ओर बढ़ रहा था, जबकि उसी समय दूसरी डेल्टा फ्लाइट लैंडिंग के बाद गेट की तरफ आ रही थी। इसी दौरान दोनों के रास्ते टकरा गए और अचानक रीजनल जेट का पंख दूसरी फ्लाइट की नोज से जा टकराया। टक्कर से रीजनल जेट का पंख टूटकर गिर गया। एटीसी के ऑडियो के हवाले से कहा गया है कि पायलट्स ने स्थिति को तुरंत रिपोर्ट किया, लेकिन तब तक हादसा हो चुका था। इस टक्कर के बाद यात्रियों में दहशत फैल गई। यात्रियों को अचानक जोर का झटका लगा और लोग डर के मारे उठ खड़े हो गए। हालांकि, राहत की बात यह रही कि बड़ा नुकसान नहीं हुआ। एक यात्री के घायल होने की खबर है। सोशल मीडिया पर इसकी तस्वीरें वायरल हो रहा है। फोटो में साफ दिख रहा है कि एक विमान का पूरा पंख गायब है, जबकि दूसरी फ्लाइट का अगला हिस्सा बुरी तरह क्षतिग्रस्त हो गया, जिस विमान ने टक्कर मारी है उस पर नंबर 15480 साफ नजर आ रहा है। तस्वीरों में यात्री विमान से बाहर निकलते और रनवे पर खड़े दिख रहे हैं। वहीं, क्रू मेंबर्स और सुरक्षा अधिकारी हालात को काबू में करने की कोशिश कर रहे हैं। हालांकि, अब तक ला गार्डिया एयरपोर्ट प्रशासन की ओर से इस पर कोई आधिकारिक बयान जारी नहीं किया गया है।

जापान में बन सकती हैं पहली महिला पीएम

-साने ताकेइची पांच उम्मीदवारों में सबसे मजबूत

टोक्यो (एजेंसी)। जापान में पीएम शिगेरू इशिबा ने 7 सितंबर को अपने पद से इस्तीफा दे दिया था। अब उनकी लिबरल डेमोक्रेटिक पार्टी पार्टी में 4 अक्टूबर को पार्टी अध्यक्ष पद के लिए चुनाव है। जापान में बहुमत वाली पार्टी का अध्यक्ष ही पीएम बनता है। ऐसे में यह चुनाव जो भी जीतेगा उसे संसद में वोटिंग के बाद पीएम बनाया जाएगा। पार्टी अध्यक्ष पद बनने की रेस में पांच उम्मीदवार हैं। लेकिन मुकाबला दो उम्मीदवारों के बीच ही है। एक सर्वे के मुताबिक, पूर्व आर्थिक सुरक्षा मंत्री साने ताकाइची 34.4 प्रतिशत वोट के साथ सबसे आगे हैं। दूसरे नंबर पर कृषि मंत्री शिंजिरो कोइजुमी हैं, जिन्हें 29.3 प्रतिशत लोगों का समर्थन मिला है। अगर ताकाइची यह चुनाव जीतती हैं तो वह जापान की पहली महिला प्रधानमंत्री बनेंगी। वहीं, कोइजुमी चुनाव जीतते हैं तो वे देश के सबसे युवा (45 साल) पीएम बनेंगे।

इस्लामाबाद प्रेस क्लब में प्रदर्शन कर रहे पत्रकारों पर पुलिस ने किया हमला

लाहौर (एजेंसी)। पाकिस्तान अधिकृत कश्मीर (पीओके) में अत्याचारों और इंटरनेट ब्लैकआउट के खिलाफ इस्लामाबाद प्रेस क्लब में प्रदर्शन कर रहे पत्रकारों और लोगों पर पुलिस के अचानक हमले के बारे में है। पुलिस प्रदर्शन खत्म कराने पहुंची, झड़प शुरू हुई। कुछ प्रदर्शनकारी भागकर प्रेस क्लब में घुस गए, जिनका पीछा करते हुए पुलिस क्लब के अंदर चली गई और लाठीचार्ज किया। पत्रकारों ने जब मोबाइल और कैमरे से घटना को रिकॉर्ड करने की कोशिश की, तब पुलिस के द्वारा उन्हें भी पीटा गया। प्रेस क्लब के कम से कम दो फोटोग्राफर और तीन कर्मचारी घायल हुए। कई पत्रकारों के कैमरे और मोबाइल तोड़ दिए गए। पुलिस ने कहा कि उन्होंने पत्रकारों को गलती से निशाना बनाया। घटना पर पूरे पाकिस्तान में नाराजगी जाहिर की गई और वरिष्ठ पत्रकारों ने पुलिस की कार्रवाई को प्रेस की स्वतंत्रता पर सीधा हमला बताया। वहीं पाकिस्तान सरकार में गृह मंत्री मोहसिन नकवी ने घटना की जांच के आदेश देकर कहा कि पत्रकारों पर हिंसा बर्दाश्त नहीं होगी और दोषी पुलिसकर्मियों पर अनुशासनात्मक कार्रवाई होगी। गृह राज्य मंत्री तलाल चौधरी प्रेस क्लब पहुंचे और पत्रकारों से माफी मांगी। उन्होंने भरोसा दिलाया कि सरकार जांच कराएगी और जिम्मेदारों को सजा मिलेगी। उन्होंने बोलने की आजादी के समर्थन की बात भी कही। यह घटना पाकिस्तान में प्रेस की स्वतंत्रता और पुलिस के बल प्रयोग को लेकर सवाल खड़े करती है।

संयुक्त राष्ट्र के महासचिव ने गांधी के संदेशों में शक्ति और प्रेरणा तलाशने का आह्वान किया

न्यूयार्क (एजेंसी)। संयुक्त राष्ट्र के महासचिव एंटोनियो गुटेरेस ने महात्मा गांधी के संदेशों में शक्ति और प्रेरणा तलाशने का आह्वान किया है ताकि एक न्यायपूर्ण, टिकाऊ और शांतिपूर्ण विश्व का निर्माण किया जा सके। उन्होंने 2 अक्टूबर को गांधी जयंती के मौके पर कहा कि गांधीजी समझते थे कि अहिंसा कमजोरों का नहीं, बल्कि साहसी लोगों की ताकत है। यह शक्ति बिना घृणा के अन्याय का विरोध करने, क्रूरता के बिना उत्पीड़न का सामना करने, और सम्मान के माध्यम से शांति स्थापित करने की है। गुटेरेस ने मौजूदा खतरनाक और विभाजित समय पर चिंता व्यक्त की, जहां हिंसा संवाद का स्थान ले रही है और शांति की नींव दबाव में है। उन्होंने आह्वान किया कि सभी गांधी के नेतृत्व का अनुसरण करें ताकि दुखों को समाप्त किया जा सके, कूटनीति को आगे बढ़ाया जा सके, विभाजनों को दूर किया जा सके और सभी के लिए एक न्यायपूर्ण, स्थायी और शांतिपूर्ण दुनिया बनाई जा सके।

पीएम मोदी ऐसा कोई कदम नहीं उठाएंगे जिससे भारत अपमानित हो: पुतिन

मॉस्को (एजेंसी)। रूसी राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन ने कहा है कि भारत के प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ऐसा कोई काम नहीं करते हैं जिससे भारत की जनता अपमानित महसूस करे। वे अपने देश साख बढ़ाने के लिए सदैव तत्पर रहते हैं। सोची में आयोजित वल्दाई डिस्कशन क्लब में अपने संबोधन के दौरान पुतिन ने पश्चिमी देशों के नेताओं पर युद्ध का डर फैलाने और अपनी घरेलू समस्याओं से ध्यान हटाने का आरोप लगाया। उन्होंने दावा किया कि रूस-यूक्रेन युद्ध में नाटो देश पहले से ही सीधे तौर पर शामिल हैं और रूसी सेना रणनीतिक पहल बनाए रखते हुए आत्मविश्वास से आगे बढ़ रही है। उन्होंने कहा कि यूरोप के शासक अपने घरेलू मुद्दों को नजरअंदाज कर जनता में दहशत पैदा कर रहे हैं।

पुतिन ने अमेरिका द्वारा भारत को रूसी ऊर्जा आपूर्ति छोड़ने की सलाह पर कटाक्ष किया। उन्होंने कहा, अगर भारत हमारी ऊर्जा आपूर्ति से इनकार करता है, तो उसे नुकसान होगा। भारतीय जनता अपने नेतृत्व के फैसलों पर नजर रखेगी और किसी के सामने अपमान नहीं सहेगी। उन्होंने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की तारीफ करते हुए कहा कि वह कभी भी अपमानजनक कदम नहीं उठाएंगे। रूसी राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन ने कहा, रूस भारत और चीन जैसे देशों का आभारी है जिन्होंने ब्रिक्स की स्थापना की। ये ऐसे देश हैं जो किसी का पक्ष लेने से इनकार करते हैं और वास्तव में एक न्यायपूर्ण विश्व बनाने की आकांक्षा रखते हैं। पुतिन ने यूक्रेन संघर्ष में मध्यस्थता के लिए ब्रिक्स देशों, बेलारूस, उत्तर कोरिया और यूएई जैसे देशों के प्रयासों की सराहना की। हालांकि, उन्होंने यूरोप के कुछ देशों पर संघर्ष को बढ़ाने का आरोप लगाया। उन्होंने दावा किया कि रूसी सेना लगभग पूरे संपर्क रेखा पर आत्मविश्वास के साथ आगे बढ़ रही है।

अमेरिका के साथ संबंधों को लेकर रूसी राष्ट्रपति ने कहा कि वैश्विक मुद्दों पर हमारे विचार टकराते हैं, जो कि इतने बड़े देशों के लिए स्वाभाविक है। लेकिन महत्वपूर्ण यह है कि इन मतभेदों को शांतिपूर्ण तरीके से कैसे सुलझाया जाए। उन्होंने वर्तमान अमेरिकी प्रशासन की सीधी और बिना पाखंड वाली नीति की तारीफ की, लेकिन जोर देकर कहा कि रूस भी अपने राष्ट्रीय हितों के आधार पर काम करेगा। उन्होंने अमेरिका के साथ पूर्ण संबंध बहाल करने की इच्छा भी जताई। पुतिन ने यूक्रेन को टॉमहॉक मिसाइलें देने की संभावना पर चेतावनी दी और कहा कि यह अमेरिकी सैन्य कर्मियों के बिना संभव नहीं है। उन्होंने इसे रूस और अमेरिका के बीच संबंधों में गुणात्मक रूप से नई और खतरनाक वृद्धि करार दिया।

कागजी शेर ही है तो नाटो से लड़ रहे

अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप द्वारा रूस को पेपर टाइगर यानी कागजी शेर कहने पर पुतिन ने तंज कसते हुए कहा, अगर हम एक कागजी शेर होते हुए, भी नाटो के खिलाफ लड़ रहे हैं, आगे बढ़ रहे हैं और आत्मविश्वास से भरे हैं, तो नाटो क्या है? उन्होंने रूस की वित्तीय प्रणाली को और मजबूत करने की आवश्यकता पर जोर दिया, विशेष रूप से मुद्रास्फीति को कम करने और आर्थिक विकास को बनाए रखने के लिए। पुतिन ने यूरोप के नेताओं पर युद्ध की आशंका को बढ़ा-चढ़ाकर पेश करने का आरोप लगाया। उन्होंने कहा, वे या तो अविश्वसनीय रूप से अक्षम हैं या फिर बेईमान। उन्होंने यूरोप की बढ़ती सैन्यीकरण पर चिंता जताई और चेतावनी दी कि रूस इसका जवाब देने के लिए तैयार है। नाटो के साथ टकराव को लेकर पुतिन ने दावा किया कि सभी नाटो देश हमारे खिलाफ लड़ रहे हैं और अब इसे छिपा भी नहीं रहे। उन्होंने कहा कि यूरोप में एक केंद्र बनाया गया है जो यूक्रेनी सेना को खुफिया जानकारी, हथियार और प्रशिक्षण प्रदान करता है।

पेशावर में धमाका- 9 की मौत, मरने वालों में अधिकांश अधिकारी शामिल

इस्लामाबाद। पुलिस और अधिकारियों को टारगेट करते हुए पेशावर में हुए आतंकी हमले में कम से कम 9 लोगों की जान चली गई। इसमें अधिकांश कानून प्रवर्तन अधिकारी शामिल हैं। ये धमाका उस वक्त हुआ जब सुरक्षा बलों को निशाना बनाकर सड़क पर एक उपकरण लगाया गया था। वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक मसूद बंगश ने बताया कि कानून प्रवर्तन अधिकारी घटनास्थल की जांच में लगे हुए हैं और साक्ष्य इकट्ठे किए जा रहे हैं। यह पाकिस्तान में हाल ही में हुआ अकेला धमाका नहीं है। पुलिस अधिकारी मियां सईद ने बताया कि यह विस्फोट विशेष रूप से पुलिस और सुरक्षाबलों के अधिकारियों को निशाना बनाने के लिए कैपिटल सिटी में किया गया था। प्रारंभिक जांच से पता चला है कि जिस विस्फोटक उपकरण का उपयोग किया गया था वह पुलिस वैन के रास्ते में लगाया गया था। उन्होंने कहा कि घायल हुए अधिकारियों की हालत गंभीर बनी हुई है। बम विस्फोट के बाद तुरंत बड़ी संख्या में सुरक्षा बलों को घटनास्थल पर तैनात किया गया और पूरे इलाके की घेराबंदी कर दी गई है। इससे पहले 30 सितंबर को बलूचिस्तान की राजधानी क्वेटा में फ्रंटियर कॉर्प्स हेडक्वार्टर के पास की एक सड़क पर भी शक्तिशाली विस्फोट हुआ था। उस हमले में कम से कम 10 लोगों की मौत हुई थी और 32 लोग घायल हो गए थे। बलूचिस्तान के स्वास्थ्य मंत्री बख्त मुहम्मद काकर ने भी क्वेटा में हुए धमाकों में मृतकों की संख्या की पुष्टि की थी और बताया था कि सभी घायलों को नजदीकी सिविल अस्पताल ले जाया गया था। पाकिस्तान में सुरक्षा बलों को लगातार निशाना बनाने वाली ये घटनाएँ गंभीर चिंता का विषय बनी हुई हैं।

दुनिया के पहले सबसे अमीर बने एलन मस्क, संपत्ति 500 अरब डॉलर तक पहुंची

वॉशिंगटन (एजेंसी)। टेस्ला के सीईओ एलन मस्क 500 अरब डॉलर की नेट वर्थ का आंकड़ा छूने वाले दुनिया के पहले व्यक्ति बन गए हैं। उनकी संपत्ति में बढ़त की वजह टेस्ला और स्वामित्व वाली अन्य कंपनियों के वैल्यूएशन में इजाफा होना है। मस्क की संपत्ति सीधे तौर पर टेस्ला के शेयर से जुड़ी हुई है। 15 सितंबर तक कंपनी में उनकी हिस्सेदारी करीब 12.4 प्रतिशत थी। टेस्ला के शेयरों में 2025 में अब तक 14 प्रतिशत से अधिक चढ़ चुके हैं। आखिरी कारोबारी सत्र में भी मस्क के नेतृत्व वाली इलेक्ट्रिक वाहन कंपनी के शेयर में 3.5 प्रतिशत का इजाफा हुआ, जिससे उनकी संपत्ति 8 अरब डॉलर से अधिक बढ़ी।

फोर्ब्स की बिलेनियर इंडेक्स के मुताबिक, मस्क की संपत्ति बुधवार को शाम 4=15 पर (अमेरिकी समय के अनुसार) 500.1 अरब डॉलर थी। हालांकि, शेयरों की कीमत में उतार-चढ़ाव के चलते फिलहाल उनकी संपत्ति 499.1 अरब डॉलर हो गई है। फोर्ब्स की बिलेनियर इंडेक्स में मस्क के बाद लैरी एलिसन का नाम आता है और उनकी संपत्ति करीब 350 अरब डॉलर डॉलर है, जो कि मस्क से करीब 150 अरब डॉलर कम है।

टेस्ला के शेयर में तेजी की वजह, व्हाइट हाउस के कार्यों में समय बिताने के बाद मस्क की ओर से कंपनी पर फिर से फोकस करना है। बीते महीने टेस्ला बोर्ड के अध्यक्ष रोबिन डेनहोम ने कहा था कि व्हाइट हाउस को महीनों देने के बाद मस्क फिर से टेस्ला को पूरा समय दे रहे हैं। इसके कुछ समय बाद मस्क ने टेस्ला के एक अरब डॉलर के शेयर खरीदने का ऐलान किया था, जिससे निवेशकों का विश्वास फिर से कंपनी पर और बढ़ा। मस्क के एआई स्टार्टअप एक्सएआई और अंतरिक्ष कंपनी स्पेसएक्स ने इस साल अपने मूल्यांकन में बढ़ोतरी देखी है। रिपोर्ट्स के अनुसार, जुलाई तक एक्सएआई का मूल्यांकन 75 अरब डॉलर था। वहीं, स्पेस एक्स की वैल्यूएशन करीब 400 अरब डॉलर पहुंच गई है।

जर्मनी में मंडराने लगे करीब डेढ दर्जन ड्रोन, दहशत के चलते एयरपोर्ट किया बदं, 3 हजार यात्री फंसे

बर्लिन (एजेंसी)। जर्मनी का दूसरा सबसे बड़ा म्यूनिख एयरपोर्ट अचानक बंद कर दिया गया और वहां से उड़ने वाले विमानों का रास्ता बदल दिया गया है। इसकी वजह ये है कि जर्मनी में अचानक करीब 17 ड्रोन उड़ते दिखाई दिए, जिसके बाद दहशत फैल गई और ऐहतिहात के तौर पर तत्काल प्रभाव से उपरोक्त कदम उठाए गए। एयरपोर्ट प्रशासन के मुताबिक, इस घटना में 17 फ्लाइट्स रद्द हो गईं और करीब 3,000 यात्री फंस गए।सिर्फ इतना ही नहीं, 15 फ्लाइट्स को स्टटगार्ट, नूर्नबर्ग, फ्रैंकफर्ट और पड़ोसी ऑस्ट्रिया के विएना एयरपोर्ट पर डायवर्ट करना पड़ा। यात्रियों में अफरा-तफरी का माहौल रहा लेकिन एयरपोर्ट अधिकारियों ने कहा कि हालात काबू में हैं और सुबह 5 बजे से संचालन फिर से शुरू कर दिया जाएगा।

म्यूनिख एयरपोर्ट, जो जर्मन एयरलाइन लुफ्थांसा का हब है, ने इस साल के पहले छह महीनों में करीब 2 करोड़ यात्रियों को संभाला है। इतनी बड़ी संख्या में यात्रियों के बीच अचानक ड्रोन अलर्ट से न केवल एयरपोर्ट बल्कि पूरी एयरलाइंस व्यवस्था प्रभावित हुई। एक यात्री ने एयरपोर्ट हेल्पलाइन पर बताया- कुछ फ्लाइट्स उड़ान भरने का इंतजार कर रही हैं, कुछ रद्द हो गई हैं। हालांकि स्थिति नियंत्रण में है। म्यूनिख सिर्फ एक उदाहरण है। पिछले हफ्ते ही डेनमार्क में कई एयरपोर्ट्स पर ड्रोन दिखे थे, जिससे दसियों हजार यात्री प्रभावित हुए। इसके बाद डेनमार्क ने सभी नागरिक ड्रोन उड़ानों पर रोक लगा दी। बता दें कि यह घटना ऐसे समय हुई है जब हाल के दिनों में यूरोप के कई नाटो देशों में ड्रोन देखे जाने की घटनाएं लगातार बढ़ रही हैं। पिछले हफ्ते ही डेनमार्क और पोलैंड के हवाई क्षेत्र में अज्ञात ड्रोन देखे गए थे, जिससे हवाई यातायात घंटों बाधित रहा।

ड्रोन घटनाओं को लेकर यूरोपीय संघ के नेताओं की बैठक डेनमार्क की राजधानी कोपेनहेगन में हुई। यहां सुरक्षा एजेंसियों ने साफ कहा कि ये घटनाएं रूस की चुनौती का हिस्सा हो सकती हैं। हालांकि डेनमार्क ने सीधा आरोप नहीं लगाया, लेकिन प्रधानमंत्री मेटे फ्रेडरिकसन ने इशारों में रूस की ओर उंगली उठाई। उन्होंने कहा- 'यूरोप को अब अपनी सुरक्षा खुद मजबूत करनी होगी। हमें न सिर्फ ड्रोन बनाने की क्षमता बढ़ानी है, बल्कि एंटी-ड्रोन सिस्टम भी तैयार करने होंगे।'यूरोपीय आयोग की प्रमुख उर्सुला वॉन डेर लेयेन ने 'ड्रोन वॉल' बनाने का विचार पेश किया है। इसका मतलब है कि यूरोप की पूर्वी सीमाओं पर एक ऐसा सुरक्षा जाल तैयार किया जाए जिसमें सेंसर, रडार और हथियार तैनात हों, ताकि किसी भी संदिग्ध ड्रोन को तुरंत पहचानकर गिराया जा सके।

बजट कटौती के खिलाफ फ्रांस में ट्रेड यूनियनों की हड़ताल, हजारों लोग सड़कों पर उतरे

पेरिस। अगले साल के बजट में भारी कटौती की योजनाओं के खिलाफ ट्रेड यूनियनों की हड़ताल में गुरुवार को 85 हजार से ज्यादा लोग शामिल हुए। उन्होंने मार्च निकाला। इसमें शिक्षक और स्वास्थ्य कर्मचारी समेत अन्य लोग भी शामिल हुए। इसके कारण एफिल टावर बंद करना पड़ा। ये राष्ट्रपति इमैनुएल मैक्रों और पीएम सेबेस्टियन लेकोर्नू पर दबाव बनाए हुए हैं। मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक ट्रेड यूनियन नेता सार्वजनिक सेवाओं पर ज्यादा खर्च, सेवानिवृत्ति की आयु में वृद्धि को वापस लेने और अमीरों पर ज्यादा कर लगाने की मांग कर रहे हैं। इनमें फ्रांस के सबसे बड़े संघ, सीएफडीटी और कट्टरपंथी सीजीटी के नेता शामिल हैं। सीजीटी की महासचिव सोफी बिनेट ने बताया कि पिछले बजट प्रस्ताव में श्रमिकों से संबंधित सभी कटौती को हमेशा के लिए खत्म करना होगा। बजट में कटौती के चलते घटा था पद पिछले पीएम फ्रांस्वा बायरू को 44 अरब यूरो के बजट में कटौती की योजना के चलते संसद ने पद से हटा दिया था। हालांकि, गुरुवार को सड़कों पर उतरने वाले लोगों की संख्या पिछले दिनों हुए प्रदर्शनों की तुलना में कम थी। लड़ाई जारी रखनी होगी नैनटेस में विरोध प्रदर्शन में शामिल हुए डोमिनिक मेनियर ने कहा कि हमें लड़ाई जारी रखनी होगी, भले ही हममें से ज्यादा लोग न हों। हर बार हमें एक दिन का नुकसान होता है, लेकिन लोकतंत्र आमतौर पर इसी तरह आगे बढ़ता है।

पीओके में जारी विरोध प्रदर्शनों और हिंसा के बाद पाकिस्तान की सरकार झुकी

संयुक्त अवामी एक्शन कमेटी से बातचीत शुरू

इस्लामाबाद (एजेंसी)। पाकिस्तान के कब्जे वाले कश्मीर (पीओके) में बीते एक हफ्ते से जारी विरोध प्रदर्शनों और हिंसा के बाद पाकिस्तान की सरकार झुकती दिख रही है। पाकिस्तान की शहबाज शरीफ सरकार ने रास्ता निकालने के लिए जम्मू-कश्मीर संयुक्त अवामी एक्शन कमेटी (जेएसी) से बातचीत शुरू कर दी है। हालांकि उच्च-स्तरीय प्रयासों के बावजूद शरीफ सरकार की जेएसी और पीओके सरकार के बीच बातचीत बहुत आगे नहीं बढ़ सकी है। गुरुवार को तीनों पक्ष बातचीत के लिए बैठे लेकिन वार्ता कुछ समय बाद ही रुक गई।

जेएसी नेता शौकत नवाज मीर ने कहा है कि पाकिस्तान सरकार को कम्युनिकेशन ब्लैकआउट हटाकर मोबाइल-इंटरनेट सेवा बहाल करनी चाहिए। जेएसी कमेटी ने साफ किया है इसके बिना बातचीत जारी नहीं रखी जा सकती है। दूसरी ओर पाक सरकार के प्रतिनिधियों ने चीजें ठीक होने और शांति लौटने की उम्मीद जाहिर की है। सरकार का कहना है कि जो कुछ बातचीत हुई है, वह अच्छे माहौल में हुई और दोनों पक्षों ने एक-दूसरे की बात ध्यान से सुनी।

पाकिस्तान की शाहबाज सरकार ने कहा है कि वह पीओके के लोगों की जायज मांगों में उनके साथ है। हम चाहते हैं कि समस्याओं का समाधान बातचीत के द्वारा होना चाहिए, सड़कों पर टकराव से ये नहीं होगा। पीएम शरीफ के कार्यालय की ओर से कहा गया है कि इस्लामाबाद से उच्चस्तरीय प्रतिनिधिमंडल पीओके भेजा गया है। बयान में कहा गया है कि शहबाज सरकार लोगों की शिकायतों के समाधान के लिए तैयार है।

शरीफ सरकार ने यह कदम तब उठाया है, जब जेएसी ने विभिन्न मांगों को लेकर पीओके में हड़ताल बुलाई है। इसके चलते पूरा पीओके ठप पड़ा है। पीओके में विरोध प्रदर्शन के दौरान कई जगहों पर हिंसा हुई है। सुरक्षाबलों ने आम लोगों पर गोली चलाई है, तब कई जगहों पर सुरक्षाकर्मियों को पीटा गया है। पीओके में हिंसा के ताजा दौर में अब तक 10 से ज्यादा लोगों की जान जा चुकी है। पीओके में हिंसा पर अंतर्राष्ट्रीय अधिकार समूहों ने चिंता जाहिर की है। एमनेस्टी इंटरनेशनल ने पाकिस्तान सरकार से शांतिपूर्ण सभा के अधिकार की रक्षा करने, प्रदर्शनकारियों पर बल प्रयोग से बचने और संचार प्रतिबंधों को हटाने का आग्रह किया। पाकिस्तान के मानवाधिकार संगठनों ने हिंसा पर चिंता जाहिर की है।

अब मोरक्को में जेन-जी का गुस्सा भड़का

- हॉस्पिटल नहीं और वर्ल्ड कप पर 10 अरब डॉलर फूंक रहे; 3 की मौत, 1000 गिरफ्तार

रबात (एजेंसी)। उत्तरी अफ्रीकी देश मोरक्को में स्वास्थ्य और शिक्षा सुधारों की मांग को लेकर भड़का जेन-जी आंदोलन हिंसक हो गया। राजधानी रबात में प्रदर्शनकारियों ने बैंक फूंक दी। कई दुकानों-गाड़ियों में तोड़फोड़ की। आगादिर शहर में पुलिस की गोली से 3 युवाओं की मौत हो गई। वहीं एक हजार से ज्यादा लोग गिरफ्तार किए गए। 354 लोग घायल हुए हैं, जिनमें अधिकतर सुरक्षाकर्मी हैं। मंत्रालय के मुताबिक, लगभग 70 प्रतिशत प्रदर्शनकारी नाबालिग थे।

मोरक्को की सरकार 2030 फीफा वर्ल्ड कप और अफ्रीका कप ऑफ नेशंस के लिए 10 अरब डॉलर (करीब 8.8 लाख करोड़ रुपए) खर्च कर रही है। जबकि देश में सरकारी अस्पतालों में सुविधाओं की भारी कमी है।

प्रदर्शनकारियों का कोई नेता नहीं

युवाओं के नेतृत्व वाले इस विरोध आंदोलन को जनरेशन 212 कहा जा रहा है। 212 मोरक्को के इंटरनेशनल टेलीफोन डायलिंग कोड है। विदेश से मोरक्को में किसी को कॉल करने पर नंबर के पहले +212 लगाते हैं। नेपाल की तरह भी मोरक्को में भी विरोध प्रदर्शन करने वाले युवाओं का कोई लीडर नहीं है। लोग सोशल मीडिया के जरिए से रैली कर रहे हैं। मोरक्को में बेरोजगारी दर 12.8 प्रतिशत है, जिसमें युवा बेरोजगारी 35.8 प्रतिशत और स्नातकों में 19 प्रतिशत तक पहुंच गई है। मोरक्को में 1430 लोगों पर एक डॉक्टर है, जो दुनिया के औसत (590) से ढाई गुना कम है। आगादिर के हसन-2 हॉस्पिटल में 8 महिलाओं मौत हो गई। इसे 'डेथ हॉस्पिटल' कहा जा रहा है।

अब हमास नहीं माना तो समझो खेल खत्म: ट्रम्प का अंतिम अल्टीमेटम कितना होगा प्रभावी

वॉशिंगटन (एजेंसी)। इजराइल-हमास युद्ध को लेकर अमेरिका ने बड़ा दांव चला है। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प और इजराइली प्रधानमंत्री बेंजामिन नेतन्याहू ने बिगत रात वॉशिंगटन डीसी में मुलाकात के बाद प्रेस कॉन्फ्रेंस भी की थी। इसमें नेतन्याहू ने गाजा में सीजफायर पर सहमति जताई, जबकि ट्रम्प ने 20 पॉइंट का शांति प्लान दुनिया के सामने रखा, जिसकी भारत समेत अनेक देशों ने तारीफ की है। वहीं हमास तुरंत हथियार डालने के पक्ष में नहीं है, उसे सोचने-विचारने के लिए समय चाहिए। इस बीच वैश्विक प्रतिक्रियाएं बता रही हैं कि यह राह इतनी आसान भी नहीं है, जितनी कि ट्रंप फार्मूला का समर्थन करने वाले बता रहे हैं।

बहरहाल अमेरिका के राष्ट्रपति ट्रम्प ने साफ लफ्जों कह दिया, कि अगर हमास इस प्लान को नहीं मानता तो इजराइल को उसे खत्म करने का पूरा अधिकार है और अमेरिका इस कदम में उसका साथ देगा। मतलब साफ है कि अब हमास के पास कोई दूसरा रास्ता नहीं बचा है, उसे इसे मानना ही पड़ेगा, वर्ना खेल खत्म है। दरअसल इजराइली प्रधानमंत्री ने इस प्लान को लेकर कहा है, कि गाजा में एक शांतिपूर्ण प्रशासन बनाया जाएगा और हमास के हथियार पूरी तरह हटाए जाएंगे। इसके बाद इजराइल धीरे-धीरे गाजा से पीछे हटेगा। नेतन्याहू ने चेतावनी भी दी कि यह प्रक्रिया आसान या मुश्किल, किसी भी तरीके से पूरी की जाएगी।

हमास और फिलिस्तीन की प्रतिक्रिया

हमास ने तुरंत प्रतिक्रिया देते हुए हथियार डालने से इनकार कर दिया। उसका कहना है कि अब तक उसे इस प्लान का औपचारिक प्रस्ताव नहीं मिला है। दूसरी ओर, फिलिस्तीनी सरकार ने ट्रम्प की पहल का स्वागत किया और कहा कि इससे शांति की नई उम्मीदें जागी हैं। यहां गाजा में शांति सेना भेजने के लिए तैयार बैठे पाकिस्तान के लिए भी रास्ता आसान नहीं है। दरअसल इस मामले को लेकर शहबाज सरकार अपने ही घर में घिरती दिखी है। ट्रंप प्लान का समर्थन करने को लेकर पाकिस्तान के लोगों ने अपनी ही सरकार को आड़े हाथों लिया है। इससे स्पष्ट है कि यह रास्ता उतना भी आसान नहीं रहने वाला, जितना कि ट्रंप ने प्लान रखते हुए बताया है।

ट्रम्प का कहना है कि यह योजना गाजा में स्थायी शांति, विकास और बेहतर जीवन का रास्ता खोल सकती है। लेकिन, सबसे बड़ी बाधा हमास की स्वीकृति है। अगर हमास मानता है तो संघर्ष का अंत संभव है, और अगर नहीं, तो ट्रम्प के शब्दों में- 'खेल खत्म।'

केंद्र ने फार्मा-मेडटेक क्षेत्र में पीआरआईपी योजना के तहत उद्योग और स्टार्टअप परियोजनाओं के लिए प्रस्ताव किए आमंत्रित

नई दिल्ली

केंद्र सरकार ने फार्मा-मेडटेक क्षेत्र में अनुसंधान एवं नवाचार संवर्धन (पीआरआईपी) योजना के तहत उद्योग और स्टार्टअप परियोजनाओं के लिए लगभग 11,000 करोड़ रुपए के प्रस्ताव आमंत्रित किए हैं।

औषधि विभाग ने अपनी पीआरआईपी योजना के तहत अनुसंधान एवं नवाचार परियोजनाओं के लिए आवेदन आमंत्रित किए हैं। यह योजना इस क्षेत्र को वैश्विक स्तर पर प्रतिस्पर्धी और इनोवेशन-संचालित क्षेत्र में बदलने की एक ऐतिहासिक पहल है।

5,000 करोड़ रुपए के स्वीकृत परिव्यय के साथ, इस योजना से नई दवाओं, जटिल जेनेरिक दवाओं, बायोसिमिलर और नए चिकित्सा उपकरणों में लगभग 11,000 करोड़ रुपए के कुल अनुसंधान एवं विकास निवेश वाली लगभग 300 परियोजनाओं को समर्थन देकर फार्मा-मेडटेक इनोवेशन पाइपलाइन को गति मिलने की उम्मीद है।

विभाग ने पहले अधिसूचित योजना में संशोधनों को अधिसूचित किया है और संशोधित दिशानिर्देश जारी किए हैं। संशोधित योजना के तहत, प्रारंभिक चरण की परियोजनाओं के लिए, एमएसएमई और स्टार्टअप 5 करोड़ रुपए तक की सहायता के लिए 9 करोड़ रुपए तक की लागत वाली परियोजनाओं के लिए आवेदन कर सकते हैं।

बाद के चरण की परियोजनाओं के लिए, उद्योग, एमएसएमई और स्टार्टअप्स की 285 करोड़ रुपए तक की लागत वाली परियोजनाएं 100 करोड़ रुपए तक की सहायता के लिए आवेदन कर सकती हैं।

प्रारंभिक चरण की परियोजनाओं के लिए वित्तीय सहायता का पैमाना 1 करोड़ रुपए तक की लागत के लिए 100 प्रतिशत और 1 करोड़ रुपए से अधिक की अतिरिक्त लागत का 50 प्रतिशत है, जो अधिकतम 5 करोड़ रुपए तक सीमित है।

बाद के चरण की परियोजनाओं के लिए वित्तीय सहायता का पैमाना परियोजना लागत का 35 प्रतिशत है, जो अधिकतम 100 करोड़ रुपए तक सीमित है।

इसके अलावा, उच्च सार्वजनिक स्वास्थ्य महत्व वाले लेकिन अपेक्षाकृत कम बाजार क्षमता वाले क्षेत्रों में भारत के स्वास्थ्य सुरक्षा ढांचे को मजबूत करने के उद्देश्य से, संशोधित योजना में प्रावधान है कि बाद के चरण की परियोजनाओं के लिए सहायता 50 प्रतिशत तक हो सकती है, जो अधिकतम 100 करोड़ रुपए तक सीमित है।

मेक इन इंडिया खतरे में 0 % GST ने भारतीय नोटबुक उद्योग को किया बर्बाद

शिक्षा को सस्ता करने का फैसला बना अभिशाप, कच्चे माल पर 18 % टैक्स और आसियान आयात पर शून्य ड्यूटी से लाखों रोजगार संकट में

मुंबई/इंदौर

एक तरफ भारत सरकार जीएसटी 2.0 सुधारों के तहत आर्थिक विकास का दावा कर रही है, वहीं दूसरी तरफ ऑल इंडिया नोटबुक मैन्युफैक्चरर्स एसोसिएशन ने 0% जीएसटी और आसियान (ASEAN) मुक्त व्यापार समझौते के घातक संयोजन पर कड़ी चिंता जताई है। एसोसिएशन का कहना है कि यह नीति भारतीय नोटबुक उद्योग के लिए विनाशकारी साबित हो रही है और प्रधानमंत्री के मेक इन इंडिया संकल्प के विपरीत है। कर प्रणाली का घातक असंतुलनएसोसिएशन ने सरकार को भेजे पत्र में स्पष्ट किया है कि नोटबुक पर 0त्न जीएसटी और आसियान एफटीए के तहत इंडोनेशिया, थाईलैंड और मलेशिया जैसे देशों से आयातित नोटबुक पर 0% कस्टम ड्यूटी के कारण यह उद्योग अस्तित्व के संकट से जूझ रहा है। ड्यूटी-मुक्त आयात 0% जीएसटी के कारण, इन आयातित उत्पादों पर आईजीएसटी (IGST) भी नहीं लग रहा है, जिससे ये पूरी तरह से ड्यूटी मुक्त होकर भारतीय उत्पादों की तुलना में अत्यधिक सस्ते हो जाते हैं। घरेलू निर्माताओं पर दोहरी मार भारतीय नोटबुक निर्माताओं को अपने कच्चे माल जैसे पेपरबोर्ड, गोंद, तार, पैकेजिंग सामग्री आदि पर 18त्न जीएसटी वहन करना पड़ता है, लेकिन उत्पाद पर 0% जीएसटी होने के कारण उन्हें इसका इनपुट टैक्स केडिट (ITC) नहीं मिलता। लागत में वृद्धि नोटबुक निर्माण में उपयोग होने वाला कोटेड पेपरबोर्ड जिस पर पहले 12% जीएसटी था, अब बढ़कर 18% हो गया है, जिससे घरेलू उत्पादन की लागत और बढ़ गई है। रोजगार और MSME पर सीधा हमला यह उद्योग मुख्यतः श्रम-प्रधान और लघु-स्तरीय (MSME) है, जो ग्रामीण और अर्ध-शहरी क्षेत्रों में लाखों लोगों को रोजगार देता है। इंडोनेशिया जैसे दुनिया के सबसे बड़े पेपर उत्पादक देशों से सस्ते आयात की बाढ़ ने भारतीय उद्योगों के लिए अस्तित्व का संकट पैदा कर दिया है। एसोसिएशन ने चेतावनी दी है कि यदि स्थिति नहीं सुधरी तो बड़े पैमाने पर बेरोजगारी, निवेश का नुकसान, और विदेशी मुद्रा पर प्रतिकूल असर पड़ना निश्चित है।

ओएसएम ने दुनिया का पहला बिना ड्राइवर वाला इलेक्ट्रिक थ्री-व्हीलर किया लॉन्च

चेयरमैन बोले–अब ऑटोनॉमस व्हीकल कोई सपना नहीं, बल्कि आज की जरूरत

नई दिल्ली

भारतीय इलेक्ट्रिक मोबिलिटी सेक्टर में आज इतिहास रच दिया। ओमेगा सीकी मोबिलिटी (ओएसएम) ने दुनिया का पहला ऑटोनॉमस यानी बिना ड्राइवर वाला इलेक्ट्रिक थ्री-व्हीलर लॉन्च किया है। इसकी कीमत सिर्फ 4 लाख रुपए से शुरू है। ये व्हीकल अब कमर्शियल इस्तेमाल के लिए तैयार है। मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक ओएमएस ने इस थ्री-व्हीलर का नाम 'स्वयंगति' रखा है। इसे ओएसएम के इलेक्ट्रिक प्लेटफॉर्म और एआई-आधारित ऑटोनॉमी सिस्टम पर तैयार किया गया है।

यह शॉर्ट-डिस्टेंस ट्रांसपोर्ट जैसे एयरपोर्ट, स्मार्ट कैंपस, इंडस्ट्रियल पार्क, गेटेड कम्युनिटी और भीड़भाड़ वाले शहरी इलाकों में बिना ड्राइवर के चल सकेगा। वाहन को पहले से मैपिंग करके सेट किया जाता है, ताकि वह तय किए गए रास्ते पर सुरक्षित और सुचारू रूप से चल सके। एक रिपोर्ट के मुताबिक वैश्विक ऑटोनॉमस वाहन बाजार 2030 तक 620 बिलियन डॉलर से ज्यादा का हो जाएगा। ऐसे में 'स्वयंगति' भारत का पहला ऐसा प्रोडक्ट है, जो इस तेजी से बढ़ते ट्रेंड को मैच नहीं, बल्कि लीड करेगा। भारत जैसे देश में जहां ट्रैफिक और लास्ट-माइल कनेक्टिविटी सबसे बड़ी चुनौती है, वहां यह तकनीक सुरक्षित और किफायती समाधान लेकर आई है।

ओएसएम के फाउंडर और चेयरमैन ने कहा कि स्वयंगति का लॉन्च सिर्फ एक प्रोडक्ट नहीं, बल्कि भारत के ट्रांसपोर्टेशन भविष्य की दिशा तय करने वाला कदम है।

अब ऑटोनॉमस व्हीकल कोई सपना नहीं, बल्कि आज की जरूरत है। यह साबित करता है कि एआई और लिडार जैसी तकनीकें भारत में देश के लिए और सस्ती कीमत पर बनाई जा सकती हैं। ओएसएम के चीफ स्ट्रेटेजी ऑफिसर ने कहा कि हमारा मकसद ऑटोनॉमी को डेमोक्रेटाइज करना है। स्वयंगति ने दिखाया है कि ईवी इंडस्ट्री में इंटेलिजेंट सिस्टम्स को अब रोजमर्रा की मोबिलिटी में लाया जा सकता है। स्वयंगति ने हाल ही में 3 किमी की ऑटोनॉमस रूट टेस्टिंग पूरी की, जिसमें 7 स्टॉप, रीयल-टाइम ऑब्स्टेकल डिटेक्शन और पैसेंजर सेफ्टी शामिल थी।

ग्राहकों के लिए सुलभ है भारत की 5 सबसे सस्ती कारें

नई दिल्ली

पहले डुअल क्लच ट्रांसमिशन (डीसीटी) सुविधा महंगी कारों तक ही सीमित थी, लेकिन अब आम लोगों के लिए भी यह सुलभ हो गई है। इसकी शुरुआत टाटा अल्ट्रोज डीसीटी करता है।

इसका एक्स-शोरूम प्राइस लगभग रुपए 9.42 लाख है। 1.2 लीटर पेट्रोल इंजन और 6-स्पीड डीसीटी गियरबॉक्स के साथ यह कार 18 केएमपीएल तक का माइलेज देती है। मजबूत बिल्ड और स्मूद राइड के कारण यह सबसे सस्ती डीसीटी कार मानी जाती है।

किआ सोनेट डीसीटी में 1.0 लीटर टर्बो पेट्रोल इंजन और 7-स्पीड डीसीटी गियरबॉक्स मिलता है। इसकी कीमत रुपए 11.60 लाख से रुपए 13.65 लाख तक है और यह 18.31 केएमपीएल का माइलेज देती है।

स्टाइलिश डिजाइन और बेहतर टॉर्क इसे एसयूवी प्रेमियों में लोकप्रिय बनाता है। टाटा नेक्सन डीसीटी का एक्स-शोरूम प्राइस रुपए 11.16 लाख है। 1.2 लीटर टर्बो पेट्रोल इंजन के साथ यह कार 17.18 केएमपीएल का माइलेज देती है।

नेक्सन 5-स्टार एनकैप सेफ्टी रेटिंग प्राप्त करने वाली पहली भारतीय एसयूवी है, जो दमदार रोड प्रेजेंस और फीचर्स के साथ आती है। हुंडई वेन्यू डीसीटी 1.0 लीटर टर्बो इंजन और 7-स्पीड डीसीटी से लैस है। इसकी कीमत रुपए 10.93 लाख से शुरू होती है और यह 18.31केएमपीएल तक का माइलेज देती है। प्रीमियम इंटीरियर और आरामदायक राइड इसे कॉम्पैक्ट एसयूवी सेगमेंट में पसंदीदा बनाते हैं। हुंडई आई20 एनलाइन डीसीटी में भी 1.0 लीटर टर्बो पेट्रोल इंजन और 7-स्पीड डीसीटी गियरबॉक्स है। इसकी कीमत रुपए 10.23 लाख से रुपए 11.60 लाख तक है। कंपनी दावा करती है कि यह 20.2 केएमपीएल तक का माइलेज देती है।

स्पोर्टी लुक, डुअल एग्जॉस्ट और ऑल-ब्लैक इंटीरियर इसे युवाओं में खास बनाते हैं।

जीएसटी 2.0 से उत्तर प्रदेश में विकास को मिली रफ्तार, पीतल से लेकर चमड़ा उद्योग को हो रहा फायदा

नई दिल्ली

जीएसटी सुधार ने उत्तर प्रदेश की विविध अर्थव्यवस्था को लक्षित राहत प्रदान की है, जिसमें जीआई-पंजीकृत कालीन, पीतल के बर्तन, जरदोजी, जूते, चीनी मिट्टी के उत्पादन, खेल के सामान और सीमेंट शामिल हैं।

गुरुवार को जारी एक आधिकारिक बयान में कहा गया कि कम कर दरों से परिवारों की सामर्थ्य में सुधार होगा, कारीगरों पर कार्यशील पूंजी का दबाव कम होगा और घरेलू तथा वैश्विक दोनों बाजारों में एमएसएमई की प्रतिस्पर्धात्मकता मजबूत होगी। जीएसटी में टैक्स की दरें कम होने से भदोही के कालीन, मुरादाबाद के पीतल के बर्तन और सहारनपुर के लकड़ी के सामान के 6-7 प्रतिशत सस्ते होने की उम्मीद है, जिससे निर्यात को बढ़ावा मिलेगा और लाखों कारीगरों के रोजगार को बढ़ावा मिलेगा।

भदोही-मिर्जापुर-जौनपुर क्षेत्र भारत के सबसे बड़े हाथ से बुने और बुने हुए कालीन क्लस्टर में से एक है। जीएसटी दर 12 प्रतिशत से घटाकर 5 प्रतिशत करने के बाद, हाथ बने कालीन सस्ते हो गए हैं। कानपुर-आगरा क्षेत्र में 15 लाख श्रमिकों को रोजगार देने वाले चमड़ा और फुटवियर क्लस्टरों को भी जीएसटी दर में कटौती से लाभ मिलेगा, जिससे एमएसएमई की प्रतिस्पर्धात्मकता में सुधार होगा और निर्यात में वृद्धि होगी। जीएसटी सुधारों से उत्तर प्रदेश में लकड़ी के खिलौने और शिल्प क्षेत्र को बढ़ावा मिलेगा, जो पारिवारिक कारीगरों द्वारा संचालित है, जिनमें से कई अपने घरों से काम करते हैं। केवल वाराणसी और चित्रकूट के क्लस्टर लगभग 15,000-25,000 कारीगरों को रोजगार देते हैं, जबकि सहारनपुर में लकड़ी के काम और नक्काशी में लगे हजारों कारीगर रहते हैं। रामपुर भी इस पारंपरिक शिल्प नेटवर्क का हिस्सा है। ये क्लस्टर मेलों, धार्मिक खिलौनों और सजावट के माध्यम से मजबूत घरेलू मांग को पूरा करते हैं, और इनसे यूरोप और खाड़ी देशों तक मामूली निर्यात भी होता है। जीएसटी को 12 प्रतिशत से घटाकर 5 प्रतिशत करने से खिलौने और छोटे शिल्प सस्ते होने की उम्मीद है।

इलेक्ट्रॉनिक्स कंपोनेंट मैन्युफैक्चरिंग स्कीम से 1.41 लाख लोगों को रोजगार मिलने की उम्मीदः केंद्र

नई दिल्ली इलेक्ट्रॉनिक्स कंपोनेंट मैन्युफैक्चरिंग स्कीम (ईसीएमएस) से 1.41 लाख लोगों को रोजगार मिलने की उम्मीद है। यह योजना बनाते समय की गई परिकल्पना 91,600 से करीब 1.5 गुना है। यह जानकारी केंद्र सरकार की ओर से गुरुवार को दी गई। केंद्र सरकार ने एक आधिकारिक दस्तावेज में कहा कि ईसीएमएस के तहत सरकार को 1.15 लाख करोड़ रुपए के निवेश प्रस्ताव मिले हैं, जो तय लक्ष्य 59,350 करोड़ रुपए से करीब दो गुना है। ईसीएमएस के लिए एप्लीकेशन विंडो 30 सितंबर को बंद हो गई है। इस योजना का उद्देश्य इलेक्ट्रॉनिक्स कंपोनेंट मैन्युफैक्चरिंग इकोसिस्टम में बड़े निवेश आकर्षित करना, क्षमता विकसित करके घरेलू मूल्य संवर्धन (डीएवी) और भारतीय कंपनियों को ग्लोबल वैल्यू चेन (जीवीसी) के साथ इंटीग्रेट करके एक मजबूत कंपोनेंट इकोसिस्टम विकसित करना है। इस स्कीम में सरकार द्वारा भारतीय मैन्युफैक्चरर्स को विभिन्न श्रेणियों के कंपोनेंट्स और सब-असेंबली के लिए अलग-अलग तरह के प्रोत्साहन प्रदान किए जाएंगे, जिससे वे टेक्नोलॉजिकल क्षमताएं और स्केल को हासिल कर पाएं।

इस साल यूपीआई लेनदेन की संख्या 31 फीसदी बढ़कर 19.63 अरब पहुंची

नई दिल्ली इस साल सितंबर में यूनिफाइड पेमेंट इंटरफेस (यूपीआई) लेनदेन की संख्या 31 फीसदी बढ़कर 19.63 अरब हो गई है। साथ ही इन लेनदेन की वैल्यू सालाना आधार पर 21 फीसदी बढ़कर 24.90 लाख करोड़ पर पहुंच गई। यह जानकारी नेशनल पेमेंट कॉरपोरेशन (एनपीसीआई) ने दी। एनपीसीआई के मुताबिक औसत प्रति दिन लेनदेन की वैल्यू सितंबर में बढ़कर 82,991 करोड़ पर पहुंच गई, जो कि अगस्त में 80,177 करोड़ रुपए थी। सितंबर में प्रति दिन औसत 65.4 करोड़ लेनदेन हुए, जो कि अगस्त में औसत 64.5 करोड़ थे। इससे पहले अगस्त में यूपीआई ने पहली बार 20 अरब मासिक लेनदेन का आंकड़ा पार किया था। 2 अगस्त को रिकॉर्ड 70 करोड़ से ज्यादा लेनदेन हुए थे। इसके अलावा एनपीसीआई ने पर्सन-टू-मर्चेंट (पी2एम) लेनदेन की कुछ श्रेणियों के लिए लिमिट को बढ़ाकर 10 लाख रुपए 24 घंटों के लिए कर दिया है। हालांकि एनपीसीआई ने पर्सन-टू-पर्सन के लिए लिमिट को एक लाख रुपए प्रति दिन पर बरकरार रखा था। अब एक लेनदेन में 5 लाख रुपए तक के क्रेडिट कार्ड बिल का भुगतान यूपीआई के जरिए करने की अनुमति है, हालांकि 24 घंटे की सीमा 6 लाख रुपए तय की गई है। नए फ्रेमवर्क के तहत कैपिटल मार्केट और इंश्योरेंस पेमेंट के लिए प्रति लेनदेन सीमा 2 लाख रुपए से बढ़ाकर 5 लाख रुपए कर दी गई है, जबकि दैनिक सीमा 10 लाख रुपए है। सरकारी ई-मार्केट प्लेस लेनदेन की सीमा 1 लाख रुपए से बढ़ाकर 5 लाख रुपए प्रति लेनदेन कर दी गई है। यात्रा बुकिंग, ऋण चुकौती और ईएमआई संग्रह के लिए प्रति लेनदेन सीमा भी एक लाख रुपए से बढ़ाकर 5 लाख रुपए कर दी गई है।

रियलमी ने दिए संकेत, प्रशंसक की चाहत बढ़ी अब आगे क्या होगा

नई दिल्ली रियलमी ने एक बार फिर प्रशंसकों और तकनीक प्रेमियों का ध्यान अपनी ओर खींचा है। इसने आगामी सहयोग के बारे में बातचीत और अटकलों को जन्म दे दिया है, जिससे प्रशंसक यह जानना चाहते हैं कि आगे क्या होगा। पिछले कुछ सालों में रियलमी ने इनोवेशन को पॉप संस्कृति के साथ मिलाकर, युवा दर्शकों के साथ प्रतिध्वनित होने वाले यादगार अनुभवों का निर्माण करने वाले ब्रांड के रूप में अपनी छवि बनाई है। यह नया संकेत उसी दिशा में आगे बढ़ता है, जो अपनी कहानियों, पौराणिक पात्रों और शक्ति के प्रतिष्ठित प्रतीकों के लिए प्रसिद्ध एक ऐसे यूनिवर्स के साथ साझेदारी का सुझाव देता है। मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक वोंग द्वारा साझा किया गया यह वाक्यांश महाकाव्य युद्धों, शक्तिशाली राजवंशों और ऐसी दुनिया की कल्पना को उजागर करता है जहां रणनीति, डिजाइन और नियति एक साथ आते हैं, यह संकेत देता है कि यह सहयोग जितना कल्पनाशील है, उतना ही मनोरंजक भी हो सकता है। रियलमी ने अभी तक इस बारे में कोई जानकारी नहीं दी है, लेकिन समय और शब्दों के चयन ने प्रशंसकों और मीडिया को अटकलें लगाने पर मजबूर कर दिया है कि यह ब्रांड के अब तक के सबसे महत्वाकांक्षी सहयोगों में से एक हो सकता है। ब्रांड का दृष्टिकोण न केवल तकनीक के प्रति, बल्कि ऐसे अनुभव बनाने की प्रतिबद्धता को दर्शाता है जो कल्पना को पकड़ें और दुनिया भर के दर्शकों से गहराई से जुड़ें। प्रशंसकों को रियलमी के सोशल चैनलों को बारीकी से फॉलो करने के लिए प्रोत्साहित किया जाता है, क्योंकि आने वाले हफ्तों में और भी नए आश्चर्य और संकेत सामने आने की उम्मीद है। यह संभावित सहयोग रियलमी के उस दृष्टिकोण को रेखांकित करता है जिसमें तकनीक को संस्कृति के साथ मिलाकर ऐसे अनुभव प्रदान किए जाते हैं जो अभिनव और अविस्मरणीय दोनों हों।

ईएसआईसी ने अदालती मामलों के निपटारे के लिए नई एमनेस्टी योजना के दिशानिर्देश जारी किए

नई दिल्ली

कर्मचारी राज्य बीमा निगम (ईएसआईसी) ने अदालती मामलों के निपटारे और अभियोजन मामलों की वापसी के लिए नई एमनेस्टी योजना 2025 के लिए विस्तृत दिशानिर्देश जारी किए हैं। एक आधिकारिक बयान के अनुसार, इस उपाय का उद्देश्य अनुपालन को सरल बनाना और मुकदमेबाजी के बोझ को कम करना है, जिससे व्यापार को आसान बनाया जा सके। एमनेस्टी स्कीम 2025 एक वन-टाइम विवाद समाधान पहल है जिसका उद्देश्य अदालती मामलों के लंबित मामलों को कम करना, ईएसआई अधिनियम के तहत अनुपालन को बढ़ावा देना और व्यापार करने में आसानी को बढ़ाना है।

यह योजना नियोक्ताओं और बीमित व्यक्तियों को अदालतों के बाहर व्यवस्थित और पारदर्शी तरीके से विवादों का निपटारा करने का अवसर प्रदान करती है। यह योजना 1 अक्टूबर से 30 सितंबर, 2026 तक लागू रहेगी। यह योजना बंद और चालू दोनों इकाइयों दोनों के विवादों पर लागू होती है। पांच वर्षों से अधिक समय से बंद इकाइयों के मामले वापस ले लिए जाएंगे, इसमें वे इकाइयां शामिल हैं, जिनके मुकदमे पांच वर्षों से लंबित हैं और जिनका कोई मूल्यांकन नहीं हुआ है। वहीं, पांच वर्षों के अंदर बंद इकाइयों को रिकॉर्ड प्रस्तुत करने होंगे, स्वीकृत बकाया राशि ब्याज सहित चुकानी होगी और वे किसी भी नुकसान के लिए उत्तरदायी नहीं होंगी। चल रही इकाइयां अपने दावों के समर्थन में रिकॉर्ड प्रस्तुत करके भी विवादों का निपटारा कर सकती हैं और उन पर कोई हर्जाना नहीं लगाया जाएगा। हालांकि, ऐसे मामले जिनमें नियोक्ताओं ने ईएसआईसी पोर्टल पर फॉर्म-01 के माध्यम से स्वेच्छा से पंजीकरण

कराया है, उन्हें इससे बाहर रखा गया है।

विवाद समाधान के लिए एक व्यावहारिक, पारदर्शी और नियोक्ता-अनुकूल तंत्र प्रदान करके, यह योजना प्रक्रियागत बाधाओं को दूर करती है, लंबे समय से लंबित मामलों को तेजी से निपटाने में मदद करती है और हितधारकों के बीच विश्वास पैदा करती है। बयान में कहा गया है कि इससे नियोक्ताओं के लिए परिचालन संबंधी चुनौतियां कम होंगी, अदालतों पर कानूनी बोझ कम होगा और एक प्रगतिशील एवं उत्तरदायी सामाजिक सुरक्षा संस्थान के रूप में ईएसआईसी की भूमिका और मजबूत होगी।

स्पेयर टायर हटाना शुरू कर दिया टाटा मोटर्स

नईदिल्ली केंद्रीय मोटर व्हीकल नियमों में बदलाव करके साल 2020 में सरकार ने यह प्रावधान किया था कि पैसेंजर व्हीकल को स्पेयर टायर के साथ बेचने की आवश्यकता नहीं होगी, यदि उसमें ट्यूबलेस टायर, टायर प्रेशर मॉनिटरिंग सिस्टम (टीपीएमएस) और पंचर रिपेयर किट मौजूद हो। उस समय यह बदलाव थोड़ा असामान्य लगा, लेकिन पांच साल बाद यह प्रथा धीरे-धीरे न सिर्फ प्रीमियम कारों में बल्कि मुख्यधारा की कारों में भी आम हो गई है। यूरोपीय बाजारों में यह वर्षों से चलन में है। टाटा मोटर्स ने अपनी छोटी इलेक्ट्रिक कारों जैसे पंच ईवी और टियागो ईवी के साथ-साथ हैरियर और सफारी पर भी स्पेयर टायर हटाना शुरू कर दिया है। वहीं, मारुति सुजुकी ने फ्रोंक्स और ग्रैंड विटारा के कुछ वैरिएंट से स्पेयर हटाया है। उल्लेखनीय है कि सभी वैरिएंट से स्पेयर टायर हटाने का पहला काम मारुति सुजुकी विक्टोरिस ने किया। कार से स्पेयर टायर हटाने के पीछे कई कारण हैं। सड़कों की स्थिति में सुधार, बेहतर टायर गुणवत्ता, टीपीएमएस और पंचर रिपेयर किट जैसी तकनीक, और टायर रिपेयर की दुकानों की उपलब्धता इसे संभव बना रही हैं। इसके अलावा, स्पेयर टायर हटाने से वाहन का वजन कम होता है, जिससे ईंधन दक्षता बढ़ती है और स्पेस का उपयोग सीएनजी सिलेंडर जैसे विकल्पों के लिए किया जा सकता है। हालांकि, कुछ कार मालिकों को यह बदलाव पसंद नहीं है, क्योंकि स्पेयर टायर लंबे समय से मोटरिंग सुरक्षा का अहम हिस्सा रहा है। फिर भी, बेहतर क्वालिटी के टायर और टीपीएमएस जैसी तकनीकें अब पहले ही प्रेशर में कमी आने की सूचना दे देती हैं।

सरकार ने एंटी-मनी लॉन्ड्रिंग नियमों को तोड़ने के लिए 25 ऑफशोर क्रिप्टो एक्सचेंज को जारी किए नोटिस

नई दिल्ली

फाइनेंशियल इंटेलिजेंस यूनिट ऑफ इंडिया (एफआईयू - आईएनडी) ने 25 ऑफशोर क्रिप्टो एक्सचेंज को एंटी-मनी लॉन्ड्रिंग नियमों का पालन न करने के लिए नोटिस भेजा है। यह जानकारी वित्त मंत्रालय की ओर से बयान में दी गई। ये नोटिस प्रिवेंशन ऑफ मनी लॉन्ड्रिंग एक्ट (पीएमएलए) की धारा 13 के तहत जारी किए गए थे। यह धारा अधिकारियों को जांच शुरू करने, कंपनी के रिकॉर्ड की जांच करने, ग्राहक विवरणों का सत्यापन करने और संदिग्ध लेनदेन पर रिपोर्ट मांगने का अधिकार देती है। नियमों का उल्लंघन करने वाली कंपनियों पर प्रत्येक उल्लंघन के लिए 1 लाख रुपए तक का जुर्माना लगाया जा सकता है। जिन 25 विदेशी कंपनियों को नोटिस जारी किए गए हैं, उनमें सिंगापुर की कॉइनडब्ल्यू, यूके की बीटीसीसी, हांगकांग की चांगेली और अमेरिका की पैक्सफुल शामिल हैं। अन्य कंपनियों में कंबोडिया की हुइओन, अमेरिका और यूके की सीईएक्सडॉटआईओ, ब्रिटिश वर्जिन आइलैंड्स की एलबैंक, सेंट लूसिया की प्राइमएक्सबीटी, हांगकांग की कॉइनएक्स, सिंगापुर की रेमीटानो, बोस्टन की पोनोनिएक्स, सेशेल्स की बिटमैक्स और लिकटेंस्टीन की एलसीएक्स शामिल हैं। फाइनेंशियल इंटेलिजेंस यूनिट ऑफ इंडिया ने सूचना प्रौद्योगिकी अधिनियम, 2000 के तहत अलग-अलग नोटिस भी जारी किए हैं, जिनमें पीएमएलए के तहत उचित पंजीकरण के बिना भारत में चल रहे ऐप्स और वेबसाइटों को हटाने का अनुरोध किया गया है। फाइनेंशियल इंटेलिजेंस यूनिट ऑफ इंडिया की स्थापना 2004 में की गई थी। यह संदिग्ध वित्तीय लेनदेन के बारे में जानकारी एकत्र करने और उसका विश्लेषण करने के लिए जिम्मेदार मुख्य एजेंसी है। मौजूदा समय में 50 क्रिप्टो वॉलेट फाइनेंशियल इंटेलिजेंस यूनिट ऑफ इंडिया के पास पंजीकृत हैं। हालांकि, कई विदेशी कंपनियां बिना पंजीकरण के भारत में काम कर रही हैं, जिससे वे एंटी-मनी लॉन्ड्रिंग और काउंटर-फाइनेंशिंग ऑफ टेररिज्म (एएमएल-सीएफटी) ढांचे से बाहर हैं। सरकार ने स्पष्ट किया है कि भारतीय यूजर्स को सेवा प्रदान करने वाले सभी क्रिप्टो वॉलेट सर्विस प्रोवाइडर्स (चाहे वे भारत में स्थित हों या विदेश में) को एफआईयू-आईएनडी के साथ पंजीकरण करना होगा।

एनआईटीईएस का आरोप, टीसीएस ने पुणे में 2,500 कर्मचारियों को इस्तीफा देने के लिए मजबूर किया

नई दिल्ली नैसेंट आईटी एम्प्लॉइज सीनेट (एनआईटीईएस) ने टाटा ग्रुप की आईटी कंपनी टाटा कंसल्टेंसी सर्विसेज (टीसीएस) पर आरोप लगाया है कि कंपनी पुणे में करीब 2,500 कर्मचारियों को इस्तीफा देने के लिए मजबूर कर रही है। एनआईटीईएस एक फोरम है, जो कि आईटी सेक्टर के कर्मचारियों का प्रतिनिधित्व करती है। यह आरोप एनआईटीईएस के अध्यक्ष हरप्रीत सिंह सलूजा द्वारा महाराष्ट्र के मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस को लिखे गए पत्र में लगाया गया है, जिसमें प्रभावित कर्मचारियों की सुरक्षा के लिए तत्काल कार्रवाई की मांग की गई है। एनआईटीईएस के अनुसार, केंद्रीय श्रम मंत्रालय ने महाराष्ट्र के श्रम सचिव से इस मामले की जांच करने को कहा है। हालांकि, सलूजा ने कहा कि जमीनी स्तर पर स्थिति और भी खराब हो गई है, हाल के हफ्तों में पुणे में हजारों कर्मचारियों को कथित तौर पर अपनी नौकरी से हाथ धोना पड़ा है। एनआईटीईएस ने दावा किया कि इनमें से कई कर्मचारी मध्यम से वरिष्ठ स्तर के पेशेवर हैं, जिन्होंने टीसीएस में 10 से 20 साल बिताए हैं, और ज्यादातर की उम्र 40 साल से अधिक है। एनआईटीईएस ने कहा कि मौजूदा बाजार में नई नौकरियां ढूंढ़ना उनके लिए बेहद मुश्किल है, क्योंकि उनके पास होम लोन, स्कूल की फीस और बुजुर्ग माता-पिता की देखभाल जैसी वित्तीय जिम्मेदारियां हैं।

चालू वित्त वर्ष में आरबीआई से नीतिगत दर में एक और कटौती की उम्मीदः रिपोर्ट

नई दिल्ली क्रिसिल की एक लेटेस्ट रिपोर्ट के अनुसार, जीएसटी दरों में कटौती और कच्चे तेल की कम कीमतों के कारण इस वित्त वर्ष में मुद्रास्फीति चिंता का मुख्य विषय नहीं है । रिपोर्ट में कहा गया है कि अमेरिकी फेडरल रिजर्व (फेड) द्वारा दरों में कटौती की शुरुआत ने आरबीआई के लिए दरों में कटौती की गुंजाइश बढ़ा दी है। रिपोर्ट में कहा गया है कि फेड ने सितंबर में नीतिगत दरों में 25 आधार अंकों की कटौती की थी। एसएंडपी ग्लोबल को उम्मीद है कि कैलेंडर वर्ष 2025 के बाकी बचे समय में 25 आधार अंकों की दो और कटौती की जाएगी और हमें चालू वित्त वर्ष में आरबीआई द्वारा एक और दर कटौती की उम्मीद है। जीएसटी सुधार से मुद्रास्फीति में राहत मिलने की संभावना है, जो इस बात पर निर्भर करेगा कि उत्पादक इस कटौती का लाभ उपभोक्ता कीमतों पर कब डालते हैं। खाद्य और गैर-खाद्य वस्तुओं की एक विस्तृत श्रृंखला पर जीएसटी में कटौती की गई है, जिससे मुद्रास्फीति में महत्वपूर्ण कमी आने की संभावना है।प्रमुख खरीफ फसल उत्पादक राज्यों में अत्यधिक बारिश के कारण खाद्य मुद्रास्फीति को जोखिम का सामना करना पड़ सकता है। इसके बावजूद, पर्याप्त जलाशय स्तर रबी उत्पादन के लिए अच्छा संकेत हैं।

संक्षिप्त

लंदन स्पिरिट के हेड कोच बने एंडी फ्लावर

नई दिल्ली, एजेंसी। लंदन स्पिरिट मेंस ने एंडी फ्लावर को बहु-वर्षीय अनुबंध पर हेड कोच नियुक्त किया है। एंडी फ्लावर इससे पहले ट्रेंट रॉकेट्स के कोच रहे थे। इस टीम के साथ उन्होंने 5 वर्ष बिताए और साल 2022 में टीम को 'द हंड्रेड' का विजेता बनाया। एंडी फ्लावर ने ऑस्ट्रेलिया के पूर्व कोच जस्टिन लैंगर की जगह ली है। लैंगर का कार्यकाल निराशाजनक प्रदर्शन के साथ समाप्त हुआ है। टीम इस सीजन सातवें पायदान पर रही। एंडी फ्लावर ने नई जिम्मेदारी को लेकर कहा, "लंदन स्पिरिट से जुड़ना और 'होम ऑफ क्रिकेट' पर काम करना बेहद रोमांचक है। इतने प्रतिष्ठित स्थल और संगठन का हिस्सा बनना मेरे लिए सम्मान की बात है। मैं एक बार फिर मो बोबट के साथ और पहली बार एमसीसी और टेक टाइटंस के साथ काम करने को लेकर उत्साहित हूं।"

चोटिल फ्लोरा डेवोनशायर महिला विश्व कप से बाहर

गुवाहाटी, एजेंसी। न्यूजीलैंड की ऑलराउंडर फ्लोरा डेवोनशायर हाथ की चोट के कारण भारत और श्रीलंका में चल रहे महिला विश्व कप 2025 से बाहर हो गई हैं। उनकी जगह तेज गेंदबाजी ऑलराउंडर हन्ना रोवे को टीम में शामिल किया गया है। डेवोनशायर को प्रशिक्षण के दौरान क्षेत्ररक्षण करते समय बाएं हाथ में चोट लग गई थी और उन्हें ठीक होने में दो से तीन हफ्ते लगने की उम्मीद है। वाली रोवे इससे पहले दो एकदिवसीय विश्व कप खेल चुकी हैं और 60 एकदिवसीय मैचों में न्यूजीलैंड का प्रतिनिधित्व कर चुकी हैं। न्यूजीलैंड टीम के मुख्य कोच बेन सॉयर ने कहा, "हम सभी फ्लोरा के लिए दुखी हैं। उन्होंने इस टीम में अपनी जगह बनाने के लिए कड़ी मेहनत की है और यह बहुत अफसोस की बात है कि वह टूर्नामेंट में नहीं खेल पायेंगी।

वरिष्ठ फुटबॉल प्रशासक एन के भाटिया का निधन

नई दिल्ली, एजेंसी। फुटबॉल दिल्ली (डीएसए) के पूर्व उपाध्यक्ष और पूर्व सचिव एन.के. भाटिया का निधन हो गया है। भाटिया के निधन से डीएसए ने अपने सबसे ईमानदार और जुझारू सेवक को खो दिया है। अर्थात उनके जाने से फुटबाल और मीडिया के बीच का पुल ढह गया है। दिल्ली में फुटबॉल के क्षेत्र में उनका योगदान सचमुच अतुलनीय था। 1970 के दशक से फुटबॉल में सक्रिय, श्री भाटिया ने फुटबॉल एसोसिएशन के मानद सचिव और कोषाध्यक्ष सहित अनेक पदों पर कार्य किया और एआईएफएफ की स्थायी समितियों में विभिन्न पदों पर रहे। उनके नेतृत्व में, दिल्ली ने कई अंतरराष्ट्रीय और राष्ट्रीय फुटबॉल प्रतियोगिताओं की सफलतापूर्वक मेजबानी की। नरेन्द्र भाटिया, जिन्हें उनके दोस्त 'स्वीटी' नाम से बुलाते थे सचमुच बेहद स्वीट इंसान थे, जिन्हें गुस्सा कभी आता ही नहीं था।

ग्रैंड शतरंज टूर फाइनल्स 2025: प्रज्ञानानंद चौथे स्थान पर

नई दिल्ली, एजेंसी। भारतीय ग्रैंडमास्टर आर. प्रज्ञानानंद 2025 ग्रैंड शतरंज टूर फ़ाइनल्स में अपना अभियान चौथे स्थान पर खत्म किया और 40,000 डॉलर की राशि अर्जित की। 20 वर्षीय इस खिलाड़ी को तीसरे स्थान के लिए हुए मैच में अनुभवी ग्रैंडमास्टर लेवोन अरोनियन के खिलाफ कड़ी चुनौती का सामना करना पड़ा, जहां अर्मेनियाई स्टार ने लगातार तीन जीत के बाद तीन गेम शेष रहते जीत हासिल की। हार के बावजूद, प्रज्ञानानंद का एलीट चार-खिलाड़ियों के फ़ाइनल में पहुंचना उनके बेहतरीन प्रदर्शन को दर्शाता है, क्योंकि वे विश्व स्तरीय ग्रैंडमास्टर फ़ेबियानो कारूआना, ग्रैंडमास्टर मैक्सिम वचियर-लाग्रेव और अरोनियन जैसे दिग्गजों के साथ खड़े हुए। शीर्ष तीन में जगह बनाकर, इन तीनों ने 2026 ग्रैंड शतरंज टूर में अपनी जगह पक्की कर ली।

भारत ने वेस्टइंडीज को चटाई धूल

जडेजा-सिराज का कहर, भारत ने वेस्टइंडीज को पारी और 140 रनों से पीटा

टेस्ट सीरीज

- **जडेजा को उनके आलराउंड प्रदर्शन के लिए 'प्लेयर ऑफ द मैच' चुना गया**

अहमदाबाद, एजेंसी। रवींद्र जडेजा (नाबाद 104 रन/ चार विकेट) और मोहम्मद सिराज (तीन विकेट) के जबरदस्त प्रदर्शन की बदौलत भारत ने शनिवार को पहले टेस्ट मैच के तीसरे दिन दूसरी पारी में वेस्टइंडीज को 146 रनों के स्कोर पर ढेर कर मुकाबला पारी और140 रनों से जीत लिया। जडेजा को उनके आलराउंड प्रदर्शन के लिए 'प्लेयर ऑफ द मैच' चुना गया।

वेस्टइंडीज का एक और आसान समर्पण, जो दोनों पारियों में सिर्फ़ 89.2 ओवर ही खेल पाया - यह दर्शाता है कि टेस्ट क्रिकेट में वे कितने कमज़ोर हैं। भारत ने दिन की शुरुआत 286 रनों की बढ़त के साथ पारी घोषित करके की, और मोहम्मद सिराज को शुरुआती बढ़त बनाने में ज़्यादा समय नहीं लगा, जिसमें नीतीश रेड्डी का एक शानदार कैच शामिल था, जिससे तेज नारायण चंद्रपॉल आउट हो गए।

इसके बाद, रवींद्र जडेजा ने मोर्चा संभाला और अनिश्चित बल्लेबाज़ी क्रम को अपने घेरे में ले लिया और मेहमान टीम का स्कोर 46/5 कर दिया। अथानाज़े और ग्रीव्स के बीच थोड़ी देर की साझेदारी हुई, लेकिन वाशिंगटन सुंदर ने सिराज के एक ही ओवर में दो विकेट चटकाने से पहले ही पारी को तोड़ दिया। जडेजा और कुलदीप यादव ने पुछल्ले बल्लेबाज़ों को आउट करके एक व्यापक जीत दर्ज की और भारत को सीरीज में 1-0 की बढ़त दिला दी।

वेस्ट इंडीज ने भारत में पिछले पांचों टेस्ट हारे हैं जिनमें से चार में उसे पारी की हार और एक में 10 विकेट से पराजय मिली है। इनमें से कोई भी टेस्ट तीन दिन से ज्यादा नहीं जा पाया है। भारत की विंडीज के खिलाफ यह आठवीं पारी से जीत है।

भारत ने कल के स्कोर पांच विकेट पर 448 के स्कोर पर आज पारी घोषित कर 286 की बढ़त हासिल की। दूसरी पारी में बल्लेबाजी करने उतरी वेस्टइंडीज को आठवें ओवर में मोहम्मद सिराज ने तेजनारायण चंद्रपॉल (आठ) को आउट कर भारत को पहली सफलता दिलाई। इसे बाद 11वें ओवर में रवींद्र जडेजा ने जॉन कैंपबेल (14) को अपना शिकार बना लिया। ब्रैंडन किंग (पांच) और कप्तान शाई होप (एक) को भी जडेजा ने अपना शिकार बनाया। जमने का प्रयास कर रहे ऐलेक ऐथनेज (38) को वॉशिंगटन सुंदर ने अपनी ही गेंद पर कैच आउटकर भारत को बड़ी सफलता दिलाई।

जस्टिन ग्रीव्स (25), जोमेल वारिकन (शून्य) को सिराज ने आउट किया। 42वें ओवर में जडेजा ने जोहान लेन (14) को आउटकर वेस्टइंडीज को नौवां झटका दिया। 46वें ओवर की पहली गेंद पर कुलदीप यादव ने जेडन सील्स (22) को आउटकर 146 रन के स्कोर पर वेस्टइंडीज की दूसरी पारी का अंत कर दिया।

भारत के लिए रवींद्र जडेजा ने 13 ओवर में 54 रन देकर चार विकेट झटके। मोहम्मद सिराज ने 11 ओवर में 31 रन देकर तीन विकेट लिये। कुलदीप यादव को दो विकेट मिले वाशिंगटन सुंदर ने एक बल्लेबाज को आउट किया।

उल्लेखनीय है कि भारतीय गेंदबाजों ने वेस्टइंडीज को पहली पारी में 162 के स्कोर पर ढेर कर दिया था।

मैंने अपनी बल्लेबाजी पर कड़ी मेहनत की : रवींद्र जडेजा

अहमदाबाद। भारत की वेस्ट इंडीज के खिलाफ पहले टेस्ट में पारी और 140 रन की शानदार जीत में अपने आलराउंड प्रदर्शन से प्लेयर ऑफ द मैच बने रवींद्र जडेजा ने शनिवार को कहा कि उन्होंने अपनी बल्लेबाजी पर कड़ी मेहनत की। मैच में शतक बनाने और दूसरी पारी में चार विकेट लेने वाले जडेजा ने मैच के बाद कहा, "हाँ, मैं अपनी बल्लेबाज़ी पर कड़ी मेहनत कर रहा हूँ। हमें दो महीने का ब्रेक मिला था, कोई टेस्ट क्रिकेट या वनडे मैच नहीं था। मैं अपनी फ़िटनेस पर काम कर रहा था और मैं बैंगलोर के सेंटर ऑफ एक्सीलेंस गया, वहाँ अपने कौशल और फ़िटनेस पर काम किया। उन्होंने कहा, "कुछ साल पहले मैं आठवें और नौवें नंबर पर बल्लेबाजी करता था, लेकिन अब मुझे छठे नंबर पर जगह मिल गई है। मेरे पास खुद को तैयार करने का समय है और मैं अपनी पारी को गति दे सकता हूँ। मुझे जल्दबाजी करने की जरूरत नहीं है, मुझे बेवजह जल्दबाज़ी करने की जरूरत नहीं है। मैं मैदान पर जा सकता हूँ, अपना समय ले सकता हूँ और अपनी पारी को गति दे सकता हूँ। मुझे लाल मिट्टी की पिचों पर खेलना हमेशा पसंद है। यह मज़ेदार होता है क्योंकि एक स्पिनर के तौर पर आपको ज़्यादा टर्न और बाउंस मिलता है। इसलिए, एक स्पिनर के तौर पर आप हमेशा यही चाहते हैं। जडेजा ने कहा, "मुझे लगता है कि मैं इसका आनंद ले रहा था और जैसे ही मुझे पता चला कि हम लाल मिट्टी पर खेल रहे हैं, मुझे लगा कि यह बल्लेबाजी और गेंदबाजी दोनों के लिए ठीक रहेगा। अगर विकेट सपाट है, तो आप रन बना सकते हैं।

यह हमारे लिए एक परफेक्ट मुकाबला था : गिल

अहमदाबाद। भारतीय कप्तान शुभमन गिल ने वेस्ट इंडीज से पहला टेस्ट शनिवार को पारी और 140 रन से जीतने के बाद इसे परफेक्ट जीत करार दिया। गिल ने मैच के बाद प्रेजेंटेशन में कहा, "लगातार छह टॉस हार चुका हूं लेकिन जब तक हम मैच जीत रहे हैं तब तक यह अधिक मायने नहीं रखता। यह हमारे लिए एक परफ़ेक्ट मुक़ाबला था, तीन शतकवीर थे और हमने फ़ील्ड में भी अच्छा प्रदर्शन किया और मैं प्रदर्शन से संतुष्ट हूं। हमें (गिल और जायसवाल) अच्छा स्टार्ट मिला था लेकिन हम इसे भुना नहीं पाए। हमारे पास काफ़ी स्पिन विकल्प हैं और यह विकल्प न होने से बेहतर स्थिति है। मैंने काफ़ी कुछ सीखा है और बीते वर्षों में जिस तरह से हम कठिन परिस्थितियों से उबरे हैं वह सुखद था। वेस्टइंडीज के कप्तान रॉस्टन चेज ने हार के बाद कहा, "टॉस जीतकर बल्लेबाज़ी करने के बाद 160 के स्कोर पर सिमट जाना निराशाजनक था और फिर उन्होंने बेहतरीन बल्लेबाज़ी की। हमारी ओर से यह एक ऐसा प्रदर्शन था जिसकी उम्मीद हम नहीं कर रहे थे। टॉस जीतकर पहले बल्लेबाज़ी करना सही फ़ैसला था, विकेट में नमी थी लेकिन यह टेस्ट क्रिकेट है और आपको इसके लिए तैयार रहने होता है।

हैंडशेक विवाद' के बीच भारतीय महिला टीम की नजरें पाकिस्तान पर 12वीं जीत पर

कोलंबो, एजेंसी। भारत और पाकिस्तान के बीच मुकाबला कभी भी सिर्फ़ एक मैच नहीं होता, और जब महिला विश्व कप कल यहां आर प्रेमदासा अंतर्राष्ट्रीय क्रिकेट स्टेडियम में दोनों टीमों के बीच मुकाबला होगा, तो दांव रनों और विकेटों से कहीं आगे जाने का वादा करता है।

रिकॉर्ड के लिए, भारतीय महिला टीम ने इस प्रतिद्वंद्विता पर एक सुगठित ऑर्केस्ट्रा की तरह कब्ज़ा जमाया है – ग्यारह मैच, ग्यारह जीत, और आखिरी मैच 2022 विश्व कप में 107 रनों से करारी हार। दीप्ति शर्मा की ऑलराउंड कला और अमनजोत कौर के साहसिक अर्धशतक की बदौलत, अपने पहले मैच में मेजबान श्रीलंका को डकवर्थ लुईस नियम के तहत 59 रनों से हराने के बाद, लय फिर से उनके साथ है।

फिर भी, भारत-पाकिस्तान के मामले में हमेशा की तरह, इसका निहितार्थ क्रिकेट जितना ही दिलचस्प है। पुरुष टीम को परेशान करने वाला "हाथ मिलाने का विवाद" अब महिला टीम पर भी हावी हो गया है। इस बारे में पूछे जाने पर, दीप्ति शर्मा ने एक अनुभवी सलामी बल्लेबाज़ की तरह शांत भाव से इस सवाल का जवाब दिया: "जब मौका आएगा तब देखेंगे।" कप्तान हरमनप्रीत कौर ने अपनी सीधी बात जोड़ते हुए कहा कि ड्रेसिंग रूम सिर्फ़ प्रदर्शन की बात करता है, प्रोटोकॉल की नहीं। हालांकि, बीसीसीआई ने संकेत दिया है कि हाथ न मिलाने का यह रुख महिला खिलाड़ियों पर भी लागू हो सकता है। और इसलिए, गेंद फेंके जाने से पहले ही अटकलों का बाज़ार गर्म हो जाता है। मैदान पर, भारत एक पूरी टीम नजर आती है। इस साल 936 रन बनाकर अपने जीवन के सर्वश्रेष्ठ फ़ॉर्म में चल रही स्मृति मंधाना एक बार फिर आकर्षण का केंद्र होंगी।

शुभमन गिल बने नये वनडे कप्तान

घोषणा

- **तीन अलग-अलग प्रारूपों में कप्तान होना रणनीतिक तौर पर व्यवहारिक नहीं है।**

मुंबई, एजेंसी। ऑस्ट्रेलिया दौरे के लिए चयनित शुभमन गिल की अगुवाई वाले वनडे टीम में रोहित शर्मा और विराट कोहली शामिल हैं। श्रेयस अय्यर को भारतीय वनडे टीम का उपकप्तान नियुक्त किया गया है। रोहित और कोहली चैंपियंस ट्रॉफ़ी फ़ाइनल के बाद पहली बार भारतीय टीम के लिए खेलते नजर आएंगे।

हार्दिक पांड्या स्ट्रेन इंजरी के चलते वनडे और टी20 टीम से बाहर हैं। वहीं जसप्रीत बुमराह को वनडे टीम से आराम दिया गया है, हालांकि बुमराह टी20 टीम में शामिल हैं। मोहम्मद सिराज की वनडे टीम में वापसी हुई है। रवींद्र जडेजा वनडे टीम में शामिल नहीं हैं।

मुख्य चयनकर्ता अजीत आगरकर ने टीम की घोषणा करते हुए कहा कि तीन अलग-अलग प्रारूपों में कप्तान होना रणनीतिक तौर पर व्यवहारिक नहीं है। उन्होंने कहा कि वर्ल्ड कप अभी दो वर्ष दूर है लेकिन इस बीच भारत कितने वनडे खेलेगा यह स्पष्ट नहीं है इसलिए नए कप्तान के पास पर्याप्त समय होना चाहिए। आगरकर ने कहा कि सिर्फ़ चयनकर्ताओं के लिए ही नहीं कोच के लिए तीन अलग-अलग लोगों के साथ काम करना आसान नहीं रहता।

जडेजा के वनडे टीम में शामिल नहीं होने पर आगरकर ने कहा कि ऑस्ट्रेलिया में अधिक वनडे नहीं खेलने थे इसलिए वहां की परिस्थितियों के लिहाज से टीम में अधिक स्पिनरों की जरूरत नहीं थी।

बुमराह और हार्दिक को लेकर आगरकर ने कहा, ₹उनके वर्कलोड को देखते हुए उन्हें वनडे टीम से आराम दिया गया है। हार्दिक इस समय ऑस्ट्रेलिया दौरे के लिए फ़िट नहीं थे। एक हफ़्ते में वह सीओई में जुड़ेंगे और रिकवरी शुरू करेंगे तब हमें उनको लेकर स्पष्टता मिलेगी।

ऑस्ट्रेलिया में भारत को तीन वनडे मैचों की सीरीज खेलनी जो कि 19 अक्तूबर से शुरू होगा और 25 अक्तूबर को वनडे सीरीज का अंतिम मैच खेला जाएगा।

ऑस्ट्रेलिया दौरे के लिए भारत की वनडे टीम

शुभमन गिल (कप्तान), यशस्वी जायसवाल, रोहित शर्मा, विराट कोहली, श्रेयस अय्यर (उपकप्तान), अक्षर पटेल, के एल राहुल, नीतीश कुमार रेड्डी, वॉशिंगटन सुंदर, कुलदीप यादव, हर्षित राणा, मोहम्मद सिराज, अर्शदीप सिंह, प्रसिद्ध कृष्णा, ध्रुव जुरेल (विकेटकीपर)

भारत की टी20 टीम

सूर्यकुमार यादव (कप्तान), शुभमन गिल (उपकप्तान), अभिषेक शर्मा, तिलक वर्मा, नीतीश कुमार रेड्डी, शिवम दुबे, अक्षर पटेल, जितेश शर्मा, वरुण चक्रवर्ती, जसप्रीत बुमराह, अर्शदीप सिंह, कुलदीप यादव, हर्षित राणा, संजू सैमसन, रिंकू सिंह, वॉशिंगटन सुंदर।

घोषणा | **विश्व कप के करीब आते-आते, हो सकता है कि हम पहले से थोड़े ज़्यादा मैच खेलें**

तीन अलग-अलग कप्तान रखना बहुत मुश्किल है : अगरकर

मुंबई, एजेंसी। शुभमन गिल के कुछ महीने पहले टेस्ट कप्तान नियुक्त किए जाने के बाद, उनके अब वनडे टीम की कप्तानी संभालने के साथ ही भारतीय क्रिकेट में एक नए युग की शुरुआत हो रही है। भारतीय चयन समिति के अध्यक्ष अजीत अगरकर के अनुसार, उन्हें 50 ओवरों की कप्तानी सौंपने का फैसला 2027 विश्व कप को ध्यान में रखकर किया गया है।

हालांकि दक्षिण अफ्रीका, ज़िम्बाब्वे और नामीबिया में होने वाले इस बड़े आयोजन में अभी दो साल बाकी हैं, लेकिन अगरकर ने कहा कि वनडे मैचों का अनियमित कार्यक्रम लंबी अवधि की योजना बनाना चुनौतीपूर्ण बना देता है। खासकर कोचिंग स्टाफ को, अगर उन्हें विभिन्न प्रारूपों में तीन अलग-अलग कप्तानों के साथ काम करना पड़े, तो उन्हें और भी ज़्यादा मुश्किलों का सामना करना पड़ता है।

ऑस्ट्रेलिया सीरीज़ के लिए सीमित ओवरों की टीम की घोषणा करते हुए प्रेस कॉन्फ्रेंस में अगरकर ने कहा, ज़ाहिर है, किसी न किसी स्तर पर आपको यह देखना होगा कि अगला विश्व कप कहाँ होगा। यह एक ऐसा प्रारूप भी है जो अभी सबसे कम खेला जाता है। इसलिए, आपको अगले खिलाड़ी को, या अगर कोई और खिलाड़ी आने वाला है, तो उसे खुद को तैयार करने या योजना बनाने के लिए उतने मैच नहीं मिलते।

अगरकर ने कहा, और अभी हमें दो साल बाकी हैं। यह लंबा समय लग सकता है, लेकिन हमें नहीं पता कि हम कितने एकदिवसीय मैच खेल पायंगे। विश्व कप के करीब आते-आते, हो सकता है कि हम पहले से थोड़े ज़्यादा मैच खेलें। लेकिन आखिरी एकदिवसीय मैच हमने चैंपियंस ट्रॉफी में 8 या 9 मार्च को खेला था। और अगला मैच हम अक्टूबर 2019 में खेलेंगे। इसलिए, इस समय एकदिवसीय क्रिकेट थोड़ी चुनौतीपूर्ण है।"

ज़ाहिर है, हमारा ध्यान टी20 विश्व कप पर है। लेकिन धीरे-धीरे हम आने वाले विश्व कप के लिए योजना बनाना शुरू करेंगे। इसलिए, एक योजना के तौर पर, इससे अगले खिलाड़ी को आने वाले मैचों के लिए योजना बनाने का पर्याप्त समय मिल जाता है। और तीन प्रारूपों के लिए तीन अलग-अलग कप्तान रखना बहुत मुश्किल है। उन्होंने आगे कहा, सिर्फ चयनकर्ताओं के लिए ही नहीं, बल्कि उससे भी ज़्यादा महत्वपूर्ण बात यह है कि कोच के लिए भी तीन अलग-अलग लोगों के साथ योजना बनाना कभी आसान नहीं होता।

आने वाले हफ़्तों में गिल का कार्यक्रम बेहद व्यस्त रहेगा। वह फिलहाल वेस्टइंडीज के खिलाफ दो टेस्ट मैचों की सीरीज में भारत की कप्तानी कर रहे हैं, जो 14 अक्टूबर को समाप्त होगी। इसके बाद ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ तीन वनडे मैच 19, 23 और 25 अक्टूबर को होंगे, जबकि पाँच मैचों की टी20 सीरीज़ 29 अक्टूबर से 8 नवंबर तक चलेगी, जिसमें गिल 20 ओवर के प्रारूप के लिए उप-कप्तान होंगे। इसके बाद दक्षिण अफ्रीका की टीम 14 नवंबर से 19 दिसंबर तक होने वाली दो टेस्ट, तीन वनडे और पाँच टी20 मैचों की सीरीज के लिए भारत का दौरा करेगी।

जब पूछा गया कि क्या इस व्यस्त कार्यक्रम के कारण गिल को थकान का खतरा है, तो अगरकर ने जवाब दिया: उम्मीद है कि ऐसा नहीं होगा। मेरा मतलब है, वह अभी भी काफी युवा हैं। हमने देखा है कि उन्होंने इंग्लैंड में भारी दबाव में क्या किया। इसलिए, वहां वास्तव में सकारात्मक संकेत थे। आपने एक बल्लेबाज के रूप में वनडे क्रिकेट में उनका रिकॉर्ड देखा है।हमें उम्मीद है कि कोई थकान नहीं होगी।"

यह सच है कि अगले कुछ महीनों में काफ़ी क्रिकेट तेजी से होने वाला है। मेरा मतलब ख़ास तौर पर उससे है, लेकिन टीम प्रबंधन से भी। हम इसे यथासंभव बेहतर ढंग से प्रबंधित करने की कोशिश करेंगे। लेकिन जैसा कि मैंने कहा, हम इस खिलाड़ी को अगले विश्व कप के लिए तैयारी करने का पर्याप्त समय देना चाहते हैं, जो 24 महीने दूर है, लेकिन ज़्यादा मैच नहीं हो सकते। इसलिए, हम उसे सर्वश्रेष्ठ संभव मौका देना चाहते हैं। अगरकर ने जडेजा को बाहर किए जाने को कमतर आंका इस बीच, अगरकर ने ऑस्ट्रेलिया दौरे के लिए एकदिवसीय टीम से रवींद्र जडेजा को बाहर किए जाने को कमतर आंका और ज़ोर देकर कहा कि यह टीम के संतुलन का मामला है, न कि ऑलराउंडर की क्षमताओं का।

जड्डू के बारे में, मेरा मतलब है, इस समय ऑस्ट्रेलिया में दो बाएं हाथ के स्पिनरों को ले जाना संभव नहीं है। वह कितने अच्छे हैं, यह साफ तौर पर टीम की योजना में है। लेकिन जगह के लिए थोड़ी प्रतिस्पर्धा होगी। ऐसा नहीं है कि वह... बेशक, वह चैंपियंस ट्रॉफी टीम में थे, लेकिन चूँकि हमने वहाँ की परिस्थितियों को देखते हुए अतिरिक्त स्पिनर लिए थे, इसलिए इस समय हम केवल एक ही स्पिनर को ले जा सकते थे और वाशिंगटन सुंदर और कुलदीप यादव के होने से टीम में कुछ संतुलन बना सकते थे।

अगरकर ने कहा, "और मुझे नहीं लगता कि ऑस्ट्रेलिया में हमें स्पिन के मामले में इससे ज़्यादा की जरूरत होगी। लेकिन जड्डू, वह कितने अच्छे हैं, एक बल्लेबाज और गेंदबाज के तौर पर वह हमें क्या देते हैं, और ख़ास तौर पर फ़ील्डिंग में, यह साफ तौर पर टीम की योजना में है। इसलिए, यह एक छोटी सीरीज है, आप सभी को शामिल नहीं कर सकते और दुर्भाग्य से इस समय वह टीम से बाहर हैं, लेकिन यह बस इतना ही है।

बुमराह के कार्यभार के बारे में - उन्हें ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ एकदिवसीय मैचों के लिए आराम दिया गया है, लेकिन वह टी20 अंतरराष्ट्रीय टीम का हिस्सा हैं - अगरकर ने कहा, ₹हमने उन्हें एकदिवसीय मैचों के लिए पहले ही आराम दे दिया है।

राजस्थान की रणजी टीम में श्रीगंगानगर के तीन खिलाड़ियों का चयन

श्रीगंगानगर, एजेंसी। राजस्थान क्रिकेट संघ (आरसीए) ने रणजी ट्रॉफी 2025-26 सत्र के लिए घोषित टीम में श्रीगंगानगर जिला क्रिकेट संघ के तीन होनहार खिलाड़ियों का चयन हुआ है। श्रीगंगानगर जिला क्रिकेट संघ के सचिव विनोद सहारण ने शनिवार को बताया कि इन तीन खिलाड़ियों में मानव सुथार, अजय कूकणा और सुमतित गोदारा शामिल हैं। उन्होंने बताया कि ये जिले के युवा क्रिकेटरों के लिए प्रेरणा का स्रोत बनेंगे और स्थानीय स्तर पर क्रिकेट को बढ़ावा देगा। श्री सहारण ने बताया कि मानव जिले के पहले खिलाड़ी हैं जिन्हें राजस्थान रणजी टीम की उप-कप्तान की जिम्मेदारी सौंपी गई है। मानव एक युवा स्पिन गेंदबाज हैं। उन्होंने अब तक 24 मैच खेले हैं और 103 विकेट झटके हैं। एकदिवसीय मुकाबलों में 22 विकेट और टी-20 प्रारूप में 15 मैचों में 10 विकेट उनके नाम हैं। अजय भी अनुभवी स्पिन गेंदबाज हैं। रणजी ट्रॉफी में उन्होंने 19 मैचों में 65 विकेट हासिल किए हैं। एक दिवसीय मैचों वह 11 मैचों में 14 विकेट और टी-20 में दो मैचों में दो विकेट उनके नाम हैं। वहीं सुमित आक्रामक बल्लेबाजी के लिए जाने जाते हैं।

आयुर्वेद से भगाएं ऑस्टियोआर्थराइटिस

इस हालत में किसी भी गतिविधि के बाद या आराम की लंबी अवधि के बाद जोड़ों का लचीलापन कम हो जाता है और वो सख्त हो जाते हैं और दर्ददायक बनते हैं। ऑस्टियोआर्थराइटिस के लिए एलोपैथिक उपचार के अलावा, कुछ आयुर्वेदिक इलाज भी उपलब्ध हैं। आयुर्वेद कहता है कि शरीर में तीन जीव-ऊर्जा या दोष होते हैं, जो हमारे शरीर के विभिन्न कार्यों को नियंत्रित करते हैं। वात, कफ और पित्त यह उनके नाम हैं। जब एक व्यक्ति किसी भी प्रकार की बीमारी से ग्रस्त होता है, तब यह इन दोषों में असंतुलन की वजह से होता है। ऑस्टियोआर्थराइटिस वात दोष में एक असंतुलन के कारण होता है और इसलिए ऑस्टियोआर्थराइटिस के लिए आयुर्वेदिक इलाज में इस दोष को संतुलित करने पर ध्यान केंद्रित किया जाता है, जिससे व्यक्ति को दर्द से राहत मिलने में आसानी होती है।

ये हैं जड़ीबूटी

- **गुग्गुल** : ऊतकों को मजबूत बनाता है।
- **त्रिफला** : विषैले तत्वों को शरीर से साफ करना।
- **अश्वगंधा** : शरीर और मन को आराम और तंत्रिका तंत्र को उत्तेजना देना।
- **कॅस्टर (एरंडी)** : इस तेल को दर्द होने वाले क्षेत्र में लगाने के साथ ही इसका सेवन भी लिया जा सकता है, क्योंकि यह एक प्रभावी औषधि है।
- **बाला** : शरीर में रक्त परिसंचरण को बढ़ाने के लिए, दर्द को कम करने के लिए, नसों को ठीक करता है एवं शरीर में ऊतकों का विकास होता है।
- **शालाकी** : अपने सूजन विरोधी गुणों के लिए और शरीर की हड्डियों के करीब के ऊतकों की मरम्मत करने में सक्षम होने के गुण के लिए उपयोगी है।

आयुर्वेद में ऑस्टियोआर्थराइटिस को संधिवात के रूप में जाना जाता है, जो जोड़ों का विकार है। इसका मतलब है कि हमारे शरीर के निचले हिस्से की हड्डियों को सपोर्ट देने वाले सुरक्षात्मक कार्टिलेज और कोमल ऊतकों का किसी कारणवश टूटना शुरू होना है।

रोजाना खाएं अदरक मिलेंगे अनगिनत फायदे

अदरक एक भारतीय मसाला है जो हर घर में रोजाना इस्तेमाल होता है। अदरक में प्रोटीन, कार्बोहाइड्रेटस, आयरन, कैल्शियम जैसे पोषक तत्व पाए जाते हैं, जो हमारे शरीर को स्वस्थ रखने का काम करते हैं। अदरक खाने से कई फायदे होते हैं। आज हम उन्हीं फायदों के बारे में बताएंगे। चलिए जानते है एक टुकड़ा अदरक रोजाना खाने से शरीर को किस प्रकार फायदा मिलता है।

जी मिचलाना

जी मिचलना और उल्टी की समस्या को रोकने के लिए अदरक औषधि की तरह का काम करता है। 1 चम्मच अदरक के जूस में 1 चम्मच नींबू का रस मिलाएं। इसको हर दो घंटे बाद पीएं। जल्द ही राहत मिलेगी।

गठिया दर्द में राहत

अदरक में एंटी-इन्फ्लॉमेट्री प्रॉपर्टीज होती है जो जोड़ों के दर्द को खत्म करने में सहायक है। अदरक को खाने से या इसका लेप लगाने से भी दर्द खत्म होता है। इसका लेप बनाने के लिए अदरक को अच्छे से पीस लें। उसमें हल्दी मिला लें। इस पेस्ट को दिन में दो बार लगाएं। कुछ ही दिनों में फर्क दिखाई देने लगेगा।

मासिक धर्म में फायदेमंद

कुछ महिलाओं को मासिक धर्म के दौरान बहुत दर्द होती है। ऐसे में अदरक की चाय काफी फायदा पहुंचाती है। इसलिए दिन में 2 बार अदरक की चाय पीएं। इससे दर्द कम होगा।

सर्दी- जुकाम और फ्लू

सर्दी-जुकाम और फ्लू जैसी समस्या से बचने के लिए नियमित रूप से अदरक का सेवन करें। यह शरीर को गर्म रखता है जिससे पसीना अधिक आता है और शरीर गर्म बना रहता है।

अदरक में प्रोटीन, कार्बोहाइड्रेटस, आयरन, कैल्शियम जैसे पोषक तत्व पाए जाते हैं, जो हमारे शरीर को स्वस्थ रखने का काम करते हैं। अदरक खाने से कई फायदे होते हैं।

माइग्रेन का इलाज

जिन लोगों को माइग्रेन की समस्या है उनके लिए अदरक रामबाण है। जब भी माइग्रेन का अटैक आए, तब अदरक की चाय बना कर पीएं। इसको पीने से माइग्रेन में होने वाले दर्द और उल्टी से काफी हद तक राहत मिलेगी।

दिल को रखता है स्वस्थ

अदरक कोलेस्ट्रॉल लेवल को कम करने, ब्लड प्रेशर को ठीक रखने, खून को जमने से रोकने का काम करता है। इससे दिल संबंधित बीमारियां भी नहीं होती है। इसलिए अपनी डाइट में अदरक को शामिल करें।

पाचन तंत्र मजबूत

अदरक पेट फूलने, कब्ज, गैस, एसीडिटी जैसी समस्याओं को ठीक रखने में भी सहायक है। जिन लोगों को पेट से संबंधित समस्याएं रहती है वह रोजान सुबह खाली पेट अदरक का सेवन करें।

मोर्निंग सिकनेस

मोर्निंग सिकनेस की समस्या अधिकतर गर्भवती महिलाओं को होती है। रोजाना सुबह अदरक के 1 टुकड़े को चबा कर खाएं। कुछ दिनों तक अदरक खाने से मोर्निंग सिकनेस की समस्या दूर हो जाएगी।

ऊर्जा करें प्रदान

अदरक खाने से शरीर गर्म तो रहता ही है साथ ही उसे एनर्जी भी मिलती है। रोजाना सुबह अदरक वाली चाय पीने से शरीर में चुस्ती- फुर्ती बनी रहेगी।

अनुलोम विलोम से स्वच्छ व निरोग रहती हैं नाड़ियां

अनुलोम का अर्थ होता है सीधा और विलोम का अर्थ है उल्टा। यहां पर सीधा का अर्थ है नासिका या नाक का दाहिना छिद्र और उल्टा का अर्थ है- नाक का बायां छिद्र। अर्थात अनुलोम-विलोम प्राणायाम में नाक के दाएं छिद्र से सांस खींचते हैं, तो बायीं नाक के छिद्र से सांस बाहर निकालते है।

यदि नाक के बाएं छिद्र से सांस खींचते हैं, तो नाक के दाहिने छिद्र से सांस को बाहर निकालते हैं। अनुलोम-विलोम प्राणायाम को कुछ योगीगण 'नाड़ी शोधक प्राणायाम' भी कहते हैं। उनके अनुसार इसके नियमित अभ्यास से शरीर की समस्त नाड़ियों का शोधन होता है यानी वे स्वच्छ व निरोग बनी रहती हैं। इस प्राणायाम के अभ्यासी को वृद्धावस्था में भी गठिया, जोड़ों का दर्द व सूजन आदि शिकायतें नहीं होतीं।

प्राणायाम की विधि

- अपनी सुविधानुसार पद्मासन, सिद्धासन, स्वस्तिकासन अथवा सुखासन में बैठ जाएं। दाहिने हाथ के अंगूठे से नासिका के दाएं छिद्र को बंद कर लें और नासिका के बाएं छिद्र से 4 तक की गिनती में सांस को भरें और फिर बायीं नासिका को अंगूठे के बगल वाली दो अंगुलियों से बंद कर दें। तत्पश्चात दाहिनी नासिका से अंगूठे को हटा दें और दायीं नासिका से सांस को बाहर निकालें।
- अब दायीं नासिका से ही सांस को 4 की गिनती तक भरे और दायीं नाक को बंद करके बायीं नासिका खोलकर सांस को 8 की गिनती में बाहर निकालें।
- इस प्राणायाम को 5 से 15 मिनट तक कर सकते हैं।

लाभ

- फेफड़े शक्तिशाली होते हैं।
- सर्दी, जुकाम व दमा की शिकायतों से काफी हद तक बचाव होता है।
- हृदय बलवान होता है। इससे हार्ट अटैक नहीं होता।

सावधानियां

- कमजोर और एनीमिया से पीड़ित रोगी इस प्राणायाम के दौरान सांस भरने और सांस निकालने (रेचक) की गिनती को क्रमश : चार-चार ही रखें। अर्थात चार गिनती में सांस का भरना तो चार गिनती में ही सांस को बाहर निकालना है।
- स्वस्थ रोगी धीरे-धीरे यथाशक्ति पूरक-रेचक की संख्या बढ़ा सकते हैं।
- कुछ लोग समयाभाव के कारण सांस भरने और सांस निकालने का अनुपात 1-2 नहीं रखते। वे बहुत तेजी से और जल्दी-जल्दी सांस भरते और निकालते हैं। इससे वातावरण में व्याप्त धूल, धुआं, जीवाणु और वायरस, सांस नली में पहुंचकर अनेक प्रकार के संक्रमण को पैदा कर सकते हैं।
- अनुलोम-विलोम प्राणायाम करते समय यदि नासिका के सामने आटे जैसी महीन वस्तु रख दी जाए, तो पूरक व रेचक करते समय वह न अंदर जाए और न अपने स्थान से उड़े। अर्थात सांस की गति इतनी सहज होना चाहिए कि इस प्राणायाम को करते समय स्वयं को भी आवाज न सुनाई पड़े।

एम्ब्लायोपिया स्थाई रूप से धुंधली हो सकती है दृष्टि

जिन बच्चों की आंखों की अश्रु नलिकाएं बचपन से ही अवरुद्ध होती हैं। उनकी दृष्टि धुंधली हो सकती है। यदि जन्म के बाद शुरुआती छह से 10 साल के अंदर इसका इलाज न कराया जाए तो दृष्टि स्थाई रूप से धुंधली हो सकती है। इस बीमारी को एम्ब्लायोपिया या लेजी आई कहते हैं।

तीन साल से कम उम्र के ऐसे बच्चे जिनमें अश्रु नलिकाएं (नैसोलेक्रिमल डक्ट ऑब्सट्रक्शन-एनएलडीओ) अवरुद्ध होती हैं। उनमें एम्ब्लायोपिया बीमारी होने का खतरा बढ़ जाता है। इनमें से छह प्रतिशत मरीज ऐसे होते हैं, जिनमें जन्म से ही यह परेशानी होती है।

रखें सावधानी

पेंसिलवेनिया के लैनकास्टर के फैमेली आई ग्रुप के अध्ययनकर्ता नोएल एस. मैटा व डेविड आई. सिलबर्ट का कहना है कि अध्ययन में शामिल 375 बच्चों में से 22 प्रतिशत बच्चों में एम्ब्लायोपिया के खतरे के कारक थे। सामान्य आबादी में इस बीमारी की आठ गुना की दर से वृद्धि हो रही है।

जन्मजात बीमारी

मैटा का कहना है, हमने एनएलडीओ की जन्मजात परेशानी वाले सभी बच्चों की जांच की बात कही। हमने सावधानीपूर्वक उनमें एम्ब्लायोपिया के खतरे के कारकों की मौजूदगी का अध्ययन किया।

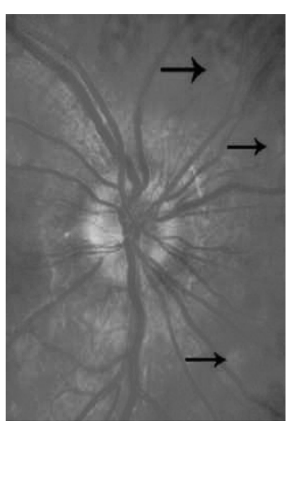

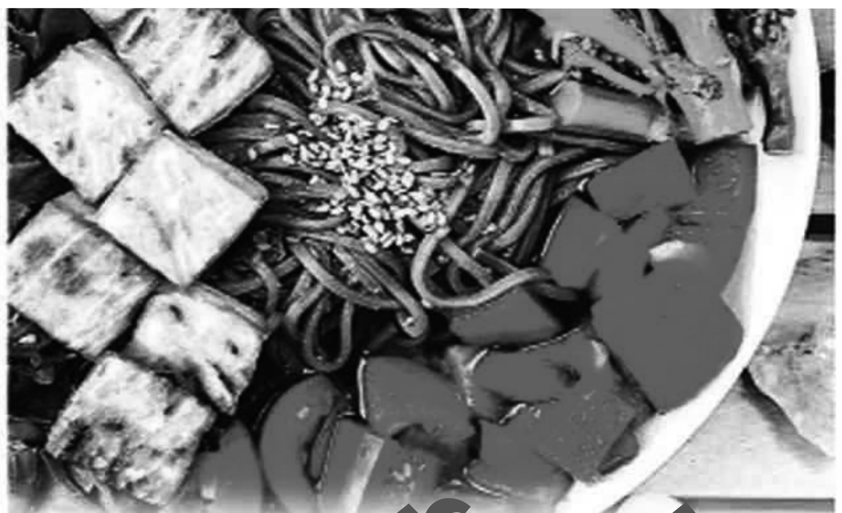

रात के समय कार्बोहाइड्रेड चीजें खाने से बचें

स्वास्थ्य सही है तो शरीर सही है। शरीर सही है तो मन सही है। इसलिए अपने स्वास्थ्य पर ज्यादा ध्यान देना चाहिए। हम आपको बताते हैं, हेल्थ के क्या लेना चाहिए और क्या नहीं।

शाम के पांच बजे के बाद कार्बोहाइड्रेट लेना चाहिए या नहीं? यदि वजन पर नियंत्रण रखना चाहते हैं तो पांच नहीं सात बजे के बाद ऐसी चीजें खाने से बचें, जिनमें कार्बोहाइड्रेड होता है। रात के समय हमेशा ऐसी चीजें ही खाएं, जो आसानी से पच जाएं।

- केला और सेब लौह तत्वों से भरपूर हैं। इसलिए वह कटने के बाद भूरे हो जाते हैं। यह गलतफहमी है। भूरा होने की वजह आयरन नहीं एंजाइम हैं। रंग गहराने के पीछे फलों में मौजूद फिनॉलिक कंपाउंड का ऑक्सीडेशन हैं, ये कंपाउंड हवा में तैरती ऑक्सीजन के संपर्क में आने से रंग बदलते हैं।

लो फैट का दूध लें

- दूध और उससे बने उत्पाद बचपन बीत जाने के बाद उपयोगी नहीं। दूध और दूध से बने उत्पादों में केवल प्रोटीन ही नहीं आवश्यक एमिनो एसिड, फैटी एसिड तथा कैल्शियम के साथ विटामिन ए, डी तथा मैग्नीशियम, फास्फोरस व पोटेशियम भी होता है। दूध अवश्य लें भले ही वह लो फैट हो।
- खाने में डाले गए नमक से ज्यादा नुकसानदेह है, ऊपर से नमक डालना? नमक तैयार खाने में पहले से डाला गया हो या ऊपर से मिलाया गया, उसमें मौजूद सोडियम एक समान होता है।
- आयरन का बेहतर स्रोत होने के कारण पालक ही रक्त की कमी से बचाता है। बहुत सी पत्तेदार सब्जियों में भरपूर आयरन होता है जैसे, ब्रॉक्ली में 40 मि.ग्रा., चौलाई-20 मि.ग्रा., सरसों में 16-3 मि.ग्रा., गाजर की पत्तियों में 18 मि.ग्रा. आयरन होता है, जबकि पालक में 1.1 मि.ग्रा. होता है।
- सूजी अनाज नहीं है? सूजी मैदा का दानेदार रूप है। इसमें पोषक तत्वों की मात्रा पॉलिश चावल और मैदे के समान होती है।

एक अंडा ही रोज खाएं

- शुगर फ्री उत्पाद हेल्दी होते हैं। आमतौर पर लोग अकसर शुगर फ्री उत्पादों को लो कैलोरी मान डायबिटीज और वजन नियंत्रण के लिए उपयोगी समझते हैं, परंतु ये शुगर फ्री उत्पाद अनेक अनदेखे शुगर स्रोतों से युक्त होते हैं। इनका अधिक सेवन स्वास्थ्य पर विपरीत प्रभाव डालता है।
- अंडों में कोलेस्ट्रॉल अधिक होता है, इसलिए इसे नहीं खाना चाहिए। एक अंडे में 215 मि.ग्रा. कोलेस्ट्रॉल होता है, अकेले एक अंडे की जर्दी में 300 मि.ग्रा. कोलेस्ट्रॉल होता है, लेकिन अंडे में अन्य पौष्टिक तत्वों की बहुलता है। हाल ही में हुई रिसर्च से पता चला कि जो लोग एक अंडा प्रतिदिन खाते हैं, उन्हें अंडा न खाने वालों की तुलना में हृदय रोग का खतरा कम होता है।
- उपवास रखने से शरीर के टॉक्सिन बाहर निकलते हैं। उपवास संतुलित भोजन और अधिक कैलोरीज पर नियंत्रण रखता है, लेकिन इस दौरान रिच डाइट, फल, जूस, अधिक मेवे आदि लेने से इसका उलटा भी हो सकता है।

चीनी ज्यादा न खाएं

- चीनी खाने से डायबिटीज होती है। यह सोच कर चीनी न खाने पर डायबिटीज नहीं होगी, गलत है। स्टार्च, फैट, प्रोटीन और चीनी जैसे अधिक कैलोरी वाले खाद्य शरीर में इंसुलिन की मात्रा बढ़ाकर डायबिटीज को जन्म देते हैं। जब शरीर कार्बोहाइड्रेट को पचाने में अक्षम हो, तभी डायबिटीज होती है।
- शहद जैसे प्राकृतिक पदार्थ शुगर का विकल्प हैं। बहुत से लोग सोचते हैं कि ये शुगर फ्री तथा कम कैलोरी वाले प्राकृतिक स्रोत हैं तथा इन्हें रिफाइन भी नहीं किया जाता, इसलिए ये नुकसानदेह नहीं। लेकिन 1 चम्मच शहद में 65 कैलोरी तथा एक चम्मच शुगर में 46 कैलोरी होती है। ग्लाइस्मिक इंडेक्स भी शहद में 87 तथा शुगर में 59 होता है।
- बिना नमक का खाना तेजी से वजन कम करता है। याद रखें कि पहले तो सोडियम के न रहने पर पानी कम होता है न कि फैट। नर्वस सिस्टम सही ढंग से काम करे, इसके लिए भी सोडियम जरूरी होता है। इसका लेवल डिप्रेशन, स्वभाव परिवर्तन और कमजोरी का कारण होता है।
- शुगर मूड को प्रभावित करती है। इंसानी दिमाग ऊर्जा के लिए पूरे तौर पर ब्लड शुगर (ग्लूकोज) पर निर्भर रहता है। इसकी कमी से हाइपोग्लीमिया का दौरा तथा कमजोरी, डिप्रेशन, दिमागी गड़बड़ियां हो सकती हैं।

केला-दूध फायदेमंद

- रात में मेटाबॉलिज्म सिस्टम धीमा होता है। इसलिए भारी नाश्ता करना चाहिए। सुबह का नाश्ता दिन भर की ऊर्जा के लिए बेहद जरूरी है, लेकिन इसके लिए भारी की जरूरत नहीं। आप केले या दूध से भी काम चला सकती हैं।
- मछली खाने के बाद दूध नहीं पीना चाहिए। ऐसा हमेशा नहीं होता। लेकिन कुछ स्थितियों में इसे मान लेना बेहतर होता है।
- बिना शुगर के फलों के जूस प्राकृतिक व शुगर फ्री होते हैं। ये लो कैलोरी जरूर होते हैं, लेकिन इसमें फ्रूकटोस होने के कारण शुगर फ्री नहीं होते।

शहनाज़ का नया गाना 'खंड लगदी' कर रहा है खूब ट्रेंड

सोशल मीडिया पर एक्ट्रेस शहनाज़ गिल का नया गाना 'खंड लगदी' ट्रेंड कर रहा है, जिसे लेकर उन्होंने वीडियो मैसेज के जरिए खुशी जाहिर की। वीडियो में शहनाज़ कहती नजर आईं, 'मैंने अभी देखा कि हमारा 'खंड लगदी' गाना वायरल हो रहा है, थैंक्यू सो मच। सिंगर जैस्मिन ने भी इस गाने को बहुत अच्छा गाया है। मेरा भी मन कर रहा है गाना गुनगुनाने का, हालांकि मैं उनकी तरह नहीं गा पाऊंगी लेकिन कोशिश कर सकती हूं।' वीडियो शेयर करते हुए शहनाज़ ने कैप्शन में लिखा, 'खंड लगदी दुनिया भर में ट्रेंड कर रहा है। आप सभी के प्यार और रील्स के लिए बहुत-बहुत धन्यवाद, और मेरी खराब गायकी के लिए माफ करें।' इसके बाद उन्होंने गाने की कुछ लाइनें गुनगुनाईं, जिसे फैंस ने बेहद पसंद किया। उनकी प्यारी और मासूम अदाओं के साथ सिंगिंग का यह अंदाज सोशल मीडिया पर तेजी से वायरल हो गया। फैंस ने शहनाज़ की इस कोशिश की जमकर तारीफ की। एक यूजर ने लिखा, 'आपकी आवाज में जादू है, हमारी क्वीन शहनाज़ गिल, गॉड ब्लेस यू।' वहीं एक अन्य ने कमेंट किया, 'गाने के लिरिक्स बहुत मुश्किल हैं लेकिन आपने बहुत प्यारा गाया है।' कई फैंस ने उनकी सिंगिंग टैलेंट को सराहते हुए लिखा कि वह एक्टिंग के साथ-साथ सिंगिंग में भी शानदार हैं। वर्क फंट की बात करें तो 'खंड लगदी' शहनाज़ गिल की अपकमिंग पंजाबी फिल्म 'एक कुड़ी' का गाना है। इस फिल्म में वह लीड रोल में नजर आने वाली हैं। पहले फिल्म 19 सितंबर को रिलीज होने वाली थी, लेकिन पंजाब में आई बाढ़ की वजह से रिलीज डेट को आगे बढ़ा दिया गया। अब यह फिल्म 31 अक्टूबर को सिनेमाघरों में रिलीज होगी।

करिश्मा कपूर का रॉयल लुक खूब भा रहा है फैंस को

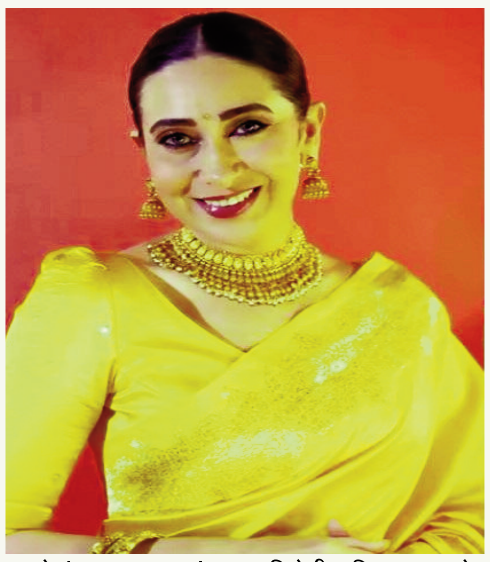

अपने इंस्टाग्राम अकाउंट पर अभिनेत्री करिश्मा कपूर ने एक खास वीडियो पोस्ट किया, जिसने सोशल मीडिया पर धूम मचा दी। करिश्मा वीडियो में पारंपरिक अंदाज में नजर आ रही हैं और उनका रॉयल लुक फैंस को खूब भा रहा है। वीडियो में करिश्मा कपूर पीले रंग की खूबसूरत साड़ी पहने दिखाई दे रही हैं। उनके इस आउटफिट को भारी नेकलेस, झुमके और कड़े ने पूरा किया, जो उनके लुक को और भी आकर्षक बना रहे हैं। उन्होंने बालों को बन में बांधा और उस पर गजरा सजाया, जिससे उनका पारंपरिक लुक और निखरकर सामने आया। उनकी मुस्कान और आत्मविश्वास से भरी अदाएं फैंस का दिल जीत रही हैं। करिश्मा का यह वीडियो सामने आते ही सोशल मीडिया पर वायरल हो गया। कमेंट बॉक्स में फैंस जमकर उनकी तारीफ कर रहे हैं। एक यूजर ने लिखा, 'आप बढ़ती उम्र के साथ और भी खूबसूरत होती जा रही हैं।' दूसरे ने लिखा, 'आपने साड़ी को बेहद शालीनता के साथ कैरी किया है, आप किसी राजकुमारी से कम नहीं लग रहीं।' वहीं कई लोगों ने उनकी उम्र पर हैरानी जताते हुए लिखा, 'क्या आप सच में 51 की हैं? यकीन नहीं होता, आप तो अभी भी 25 की लगती हैं।' करिश्मा कपूर 90 के दशक की टॉप एक्ट्रेसेस में शामिल रही हैं और अब भी उनका अंदाज नए कलाकारों को कड़ी टक्कर देता है। फैंस का कहना है कि करिश्मा का स्टाइल और ग्रेस उन्हें हमेशा युवा बनाए रखता है। उनके इस पोस्ट पर लगातार लाइक्स और कमेंट्स बढ़ रहे हैं और सोशल मीडिया पर यह वीडियो चर्चा का विषय बना हुआ है।

अपकमिंग फिल्म 'धमाल-4' को लेकर चर्चा में ईशा गुप्ता

अपनी अपकमिंग फिल्म 'धमाल-4' को लेकर एक्ट्रेस ईशा गुप्ता चर्चा में हैं। उन्होंने सोशल मीडिया पर अपनी कुछ तस्वीरें शेयर कीं, जिनमें उनका ग्लैमरस अंदाज देखने को मिला। ईशा पहली तस्वीर में कमर पर हाथ रखकर दिलकश पोज देती नजर आईं, जबकि दूसरी तस्वीर में उनका अलग और स्टाइलिश लुक सामने आया।

इन तस्वीरों ने फैंस का ध्यान खींच लिया और कमेंट बॉक्स में तारीफों की बौछार शुरू हो गई। ईशा गुप्ता ने अपने करियर की शुरुआत फिल्म 'जन्नत 2' से की थी, जिसमें वह इमरान हाशमी के साथ नजर आई थीं। इसके बाद उन्होंने कई फिल्मों में अपनी एक्टिंग और स्टाइल से पहचान बनाई। अब वह 'धमाल-4' में दिखाई देंगी, जिसे लेकर दर्शकों में खासा उत्साह है। हाल ही में मेकर्स ने फिल्म का पोस्टर जारी किया, जिसके बाद से फैंस का इंतजार और भी बढ़ गया है। यह फिल्म टी-सीरीज, देवगन फिल्म्स, मारुति इंटरनेशनल और पैनोरमा स्टूडियोज के बैनर तले बनाई जा रही है। निर्देशन की कमान मशहूर फिल्ममेकर इंद्र कुमार के हाथ में है, जबकि अजय देवगन, भूषण कुमार, कृष्ण कुमार, अशोक ठकेरिया, इंद्र कुमार, आनंद पंडित और कुमार मंगत पाठक फिल्म के निर्माता हैं। साल 2011 में डबल धमाल और फिर टोटल धमाल आई, जिन्हें दर्शकों ने भरपूर प्यार दिया। अब धमाल-4 एक बार फिर हंसी और मनोरंजन का डोज देने के लिए तैयार है। यह फिल्म 2026 की ईद पर सिनेमाघरों में रिलीज होगी। फिल्म में अजय देवगन और ईशा गुप्ता के साथ संजय मिश्रा, संजीदा शेख, अंजलि आनंद, उपेंद्र लिमये, विजय पटकर और रवि किशन जैसे शानदार कलाकार भी अहम किरदार निभाते नजर आएंगे। फैंस का कहना है कि इस बार भी धमाल सीरीज अपनी पुरानी सफलता को दोहराएगी और उन्हें जोरदार कॉमेडी का तोहफा देगी। बता दें कि धमाल फ्रैंचाइजी की शुरुआत साल 2007 में हुई थी, जिसमें संजय दत्त, रितेश देशमुख, अरशद वारसी और जावेद जाफरी की जोड़ी ने दर्शकों को खूब हंसाया।

स्त्री-3 फिल्म सुनाएगी स्त्री के बचपन की कहानी

बालीवुड की अपकमिंग फिल्म थामा के साथ ही श्रद्धा कपूर की स्त्री मूवी सीरीज फिर एक बार सुर्खियों में है। बॉलीवुड एक्टर आयुष्मान खुराना और रश्मिका मंदाना इस फिल्म में प्रमुख भूमिका में है। दिनेश विजान के हॉरर कॉमेडी यूनिवर्स में अब जल्द ही कुछ और नए किरदार जुड़ने जा रहे हैं। एक तरफ जहां थामा का ट्रेलर हाल ही में रिलीज कर दिया गया है, वहीं दूसरी तरफ मैडॉक फिल्म्स ने अपना एनिमेटेड मूवी भी अनाउंस कर दिया है। इसका नाम छोटी स्त्री होगा।

दिलचस्प बात यह है कि छोटी स्त्री की कहानी सीधे स्त्री-3 से कनेक्ट होगी। श्रद्धा कपूर ने आयुष्मान खुराना की फिल्म थामा के ट्रेलर लॉन्च में इस फिल्म को फ्रेंचाइसी से अपना पसंदीदा पार्ट बताया। एक्ट्रेस ने बताया कि यह फिल्म ना सिर्फ एक मजेदार सफर साबित होगी, बल्कि आने वाली फिल्मों के लिए एक भूमिका भी रचेगी। इस बारे में श्रद्धा ने बताया कि इस एनिमेटेड शो को खासतौर पर बच्चों, परिवारों और मैडॉक फिल्म्स के पुराने फैंस को ध्यान में रखकर बनाया गया है। श्रद्धा कपूर ने कहा, जब दिनू (दिनेश विजान) ने मुझे इसके बारे में बताया तो मैंने कहा- सच में आपका नाम दिनेश विजन ही होना चाहिए। प्रोड्यूसर दिनेश विजान ने कन्फर्म किया कि छोटी स्त्री का क्लाइमैक्स सीधे तौर पर स्त्री-3 की कहानी से जुड़ा होगा। दिनेश विजान ने कहा, मजेदार बात यह है कि छोटी स्त्री की आखिर में एक सीन होगा जो सीधे स्त्री-3 से जुड़ा होगा। यह एनिमेशन से लाइव एक्शन में बदल जाएगा, साथ ही आपको यह भी बताएगा कि स्त्री की बैक स्टोरी क्या है। जहां एक तरफ दर्शक यह इंतजार कर रहे थे कि शायद उन्हें स्त्री की बैकस्टोरी स्त्री-3 में देखने को मिलेगी, वहीं मैडॉक फिल्म्स ने इसे एनिमेशन मूवी के जरिए दिखाने का ऐलान करके पूरा गेम ही बदल दिया है।

पिछले 20 साल मेरे लिए दर्द से भरे रहे: रजत बेदी

सालों पहले कई हिट फिल्मों में नजर आने वाले विलेन रजत बेदी को हाल ही में आर्यन खान की डेब्यू सीरीज बैड्स ऑफ बॉलीवुड में देखा गया। इस सीरीज ने उन्हें एक नई पहचान और दोबारा ऑडियंस का प्यार दिलाया है। लेकिन रजत के लिए पिछले 20 साल दर्द से भरे रहे। इस मुश्किल वक्त में उनकी पत्नी उनके साथ खड़ी रहीं। रजत ने कहा, 'लोग सिर्फ मेरी वापसी देख रहे हैं, लेकिन पिछले 20 साल मेरे लिए दर्द से भरे रहे। मेरी पत्नी ने मेरा साथ नहीं छोड़ा, उन्होंने मेरे संघर्ष में बहुत दुख झेला। आज जब लोग मुझे पहचान रहे हैं, मेरी फैमिली भी इस खुशी को महसूस कर रही है।'

रजत बेदी ने लंबे वक्त तक फिल्मों से दूरी बना ली थी। 2000 के दशक में जब उनका करियर में ठहराव आया, तो उन्होंने एक्टिंग छोड़कर कनाडा जाना पड़ा। रजत ने वहां रियल एस्टेट का बिजनेस शुरू किया। लेकिन यह सफर आसान नहीं रहा। उन्होंने बताया कि बिजनेस में भी कई बार उन्हें धोखाधड़ी और बुरे समय का सामना करना पड़ा। बैड्स ऑफ बॉलीवुड में रजत बेदी ने जरज सक्सेना का किरदार निभाया है। एक ऐसा असफल एक्टर, जो 15 साल तक कॉन्ट्रैक्ट में बंधा रहता है और हर संभव तरीका अपनाकर दोबारा इंडस्ट्री में वापसी करने की कोशिश करता है। दिलचस्प बात ये है कि यह किरदार कहीं न कहीं रजत की असली जिंदगी से मिलता हुआ लग रहा है।

कई बार फीमेल किरदार निभा चुके हैं आसिफ शेख

छोटे परदे के मशहूर अभिनेता आसिफ शेख ने खुलासा किया कि अब तक वह 35 से ज्यादा महिला किरदार निभा चुके हैं। आसिफ ने बताया कि उन्होंने महिला किरदार 21 साल की लड़की से लेकर 86-90 साल तक की बुजुर्ग महिला तक के निभाए हैं। उन्होंने कहा कि यह अपने आप में एक दिलचस्प और चुनौतीपूर्ण अनुभव होता है। किरदार की तैयारी के बारे में बताते हुए आसिफ ने कहा कि उनकी अप्रोच काफी सरल रहती है। निर्देशक उन्हें ट्विस्ट बताते हैं और फिर वह सोचते हैं कि किरदार किस स्थिति में कैसा लगेगा। इसके बाद उनके असिस्टेंट उन्हें रेफरेंस भेजते हैं, जिन्हें मिलाकर किरदार का स्केच तैयार किया जाता है। उन्होंने बताया कि इस स्केच के आधार पर कॉस्ट्यूम और विग चुने जाते हैं। अंत में किरदार की बोली-भाषा और एक्सेंट तय होता है।

आसिफ के मुताबिक, कभी-कभी किसी महिला किरदार को दिखाने के लिए खास तौर पर उसके बॉडी लैंग्वेज और एटिट्यूड पर काम किया जाता है। जैसे किसी मालिश वाली महिला के किरदार को निभाते समय उन्होंने उसकी चाल-ढाल और हाव-भाव को अलग अंदाज में पेश किया था। वहीं, किसी मॉडर्न और क्लासी लड़की को दर्शाने के लिए स्कर्ट और वेस्टर्न लुक अपनाया।

आसिफ शेख ने सिर्फ 'भाबीजी घर पर हैं' में ही नहीं, बल्कि 'यस बॉस', 'हम आपके हैं इन लॉज', 'एफ.आई.आर.' और कई फिल्मों में भी महिला किरदार निभाए हैं।

इन सभी भूमिकाओं में उनकी अदाकारी को खूब सराहा गया है। आसिफ का मानना है कि किसी भी किरदार को पूरी ईमानदारी और बारीकी से निभाना जरूरी है, चाहे वह महिला हो या पुरुष। शायद यही वजह है कि आज भी वह टीवी की दुनिया में कॉमिक रोल्स के लिए सबसे पसंदीदा एक्टर्स में गिने जाते हैं। बता दें कि अपने सुपरहिट शो 'भाबीजी घर पर हैं' में विभूति नारायण मिश्रा के किरदार से घर-घर में जाने जाते हैं। इस शो में उनका किरदार दर्शकों को खूब हंसाता है, लेकिन इसके पीछे की मेहनत भी कम नहीं होती। कई बार उन्हें कहानी के हिसाब से अलग-अलग लुक अपनाने पड़ते हैं।

बहुप्रतीक्षित क्रिएचर थ्रिलर फिल्म की तैयारी कर रहे सिद्धांत चतुर्वेदी

हाल ही में सिनेमाघरों में धड़क 2 रिलीज़ हुई, जिसके बाद से अभिनेता सिद्धांत चतुर्वेदी लगातार सुर्खियों में बने हुए हैं। अब जब यह फिल्म नेटफ्लिक्स पर स्ट्रीम हो रही है, तो एक बार फिर फैंस उनकी एक्टिंग की तारीफ करते नहीं थक रहे। सिद्धांत ने हाल ही में सोशल मीडिया पर एक तस्वीर साझा की, जिसने उनके चाहने वालों की उत्सुकता और बढ़ा दी है। तस्वीर में वह कड़ी ट्रेनिंग करते नज़र आए, लेकिन खास बात उनके हाथ में मौजूद कॉफी कप था, जिस पर देवगन फिल्म्स का लोगो साफ दिखाई दे रहा था। यही वजह है कि इंटरनेट पर अटकलें तेज़ हो गई हैं कि सिद्धांत अजय देवगन की प्रोडक्शन कंपनी की बहुप्रतीक्षित क्रिएचर थ्रिलर फिल्म के लिए तैयारी कर रहे हैं। बताया जा रहा है कि इस फिल्म की शूटिंग अक्टूबर से शुरू हो सकती है। 'गली बॉय', 'गहराइयां' और हाल ही में आई धड़क 2 जैसी फिल्मों से अपनी अलग पहचान बनाने वाले सिद्धांत इस बार एक बेहद शारीरिक रूप से चुनौतीपूर्ण किरदार निभाने जा रहे हैं।

आधुनिक नारी: बदलाव और समानता की ओर

भूमिका मोंगिया

पश्चिमी दिल्ली: आधुनिक महिला का मतलब है, वह महिला जो पढ़ी-लिखी, आत्मनिर्भर और स्वतंत्र है, जो सिर्फ घर तक सीमित नहीं है, बल्कि समाज के हर क्षेत्र में आगे बढ़ रही हैं। आज की महिलाएँ स्पेस में जा रही हैं, खेल में आगे हैं और राजनीती, व्यापार, विज्ञान, कला तथा समाज सेवा में योगदान दे रही हैं। आधुनिक महिला अपने घर-परिवार की जिम्मेदारी के साथ -साथ अपने सपनों को भी पूरा करती है और अपने अधिकारों के लिए आवाज उठाती है।

वह शिक्षा पाती है, लीडर बनती है, और समाज की भलाई के लिए काम करती है। जैसिंडा अर्डर्न, मलाला युसुफजई, सेरेना विलियम्स, ग्रेटा थनबर्ग और जेंडाया जैसी महिलाएँ दुनिया में बदलाव ला रही है, लेकिन सिर्फ मशहूर महिलाएँ नहीं, रोजमर्रा की आम महिलाएँ भी घर के काम और बाहर की जिम्मेदारियों को निभाकर समाज को नया रूप देती हैं, फिर भी महिलाओं को वेतन की कमी, लीडरशिप रोल में कमी, हिंसा और सामाजिक नियमों जैसी चुनौतियाँ अभी भी झेलनी पड़ती हैं। कुछ जगहों पर शिक्षा, स्वास्थ्य और मूल अधिकारों के लिए लड़ाई जारी हैं। आधुनिक महिला एक बदलती शक्ति है, जो अपने अनुभवों और संस्कृति से आगे बढ़ती है और बराबरी के समाज के लिए काम करती है।

आधुनिक महिला का मतलब है, वह महिला जो पढ़ी-लिखी, आत्मनिर्भर और स्वतंत्र है, जो सिर्फ घर तक सीमित नहीं है, बल्कि समाज के हर क्षेत्र में आगे बढ़ रही हैं। आज की महिलाएँ स्पेस में जा रही हैं, खेल में आगे हैं और राजनीती, व्यापार, विज्ञान, कला तथा समाज सेवा में योगदान दे रही हैं। आधुनिक महिला अपने घर-परिवार की जिम्मेदारी के साथ -साथ अपने सपनों को भी पूरा करती है और अपने अधिकारों के लिए आवाज उठाती है।

एनसीआर समाचार प्रा. लि. की ओर से मुद्रक, प्रकाशक मो. हनीफ द्वारा आर.डी. प्रिंटर्स एण्ड पब्लिशर्स प्राईवेट लिमिटेड, ए-41 सेक्टर-8 नोएडा, यू.पी.-201301 से मुद्रित व जी-12/276बी, संगम विहार, नई दिल्ली-62 से प्रकाशित। फोनः 9210761111 किसी भी कानूनी विवाद की स्थिति में निपटारा दिल्ली न्यायालय में ही होगा। **संपादक : मो इस्माईल खान** RNI No. DLHIN/2010/37009